राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में दिग्गज क्रिकेटर की ...

मुसलमानों के खिलाफ नहीं है भाजपा, इस्लामिक देशों ने भी दिया 12

वर्ष : 14 | अंक : 349 | नई दिल्ली, शनिवार, 04 मई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

संक्षिप्त खबरें

बांदा में सड़क हादसे में तीन की मौत

बांदा। उत्तर प्रदेश में बांदा जिले के कमसिन क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मृत्यु हो गयी। पुलिस क्षेत्राधिकारी बबेरू राजवीर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि यह हादसा रात लगभग दो बजे उस समय हुई जब कमासिन निवासी मोहम्मद गुलाम, कमलेश साहू, रज्जू मुसीवा गांव से कमासिन आ रहे थे कि एक अनियंत्रित बोलेरो से टकरा गए। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने तीनों को सामुदायिक केंद्र में उपचार के लिये भर्ती कराया जहां मोहम्मद गुलाम और कमलेश को तड़के मृत घोषित किया गया जबकि राजू को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया जहां इलाज के दौरान उसकी भी आज मृत्यु हो गई।

गैर कश्मीरी कैब चालक पर आतंकी हमले के मामले में एक ओजीडब्ल्यू गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने पिछले महीने दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में एक गैर कश्मीरी कैब चालक पर हुए हमले की जांच के दौरान आतंकियों के एक सहयोगी (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया है।9 अप्रैल को दिल्ली निवासी टैक्सी चालक परमजीत सिंह पर शोपियां के पदपावन गांव में आतंकवादियों द्वारा लक्षित हमला किया गया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।यह हमला हीरपुरा में डेनिश रिसॉर्ट में हुआ था, जो मुगल रोड पर पड़ता है और कश्मीर को जम्मू क्षेत्र के राजौरी और पुंछ जिलों से जोड़ता है। शोपियां पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दानिश रिसॉर्ट्स में पदपावन गांव में हमले के मामले की जांच में एक महत्वपूर्ण डेवलपमेंट के साथ शोपियां पुलिस ने सेना की 44 आरआर और सीआरपीएफ की 14 बटालियन के साथ मिलकर छोटीपोरा में 06 एके 47 राउंड, 2 सेल फोन की बरामदगी के साथ एक ओजीडब्ल्यू को गिरफ्तार करने में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी, सीबीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार एवं धनशोधन मामलों में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने निचली अदालत के 30 अप्रैल के आदेश को चुनौती देने वाली सिसोदिया की याचिकाओं पर सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया। निचली अदालत ने उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। मामले की सुनवाई आठ मई तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

बम की अफवाह के बाद भोपाल में ट्रेन की तलाशी

भोपाल। ट्रेन में संदिग्ध वस्तु होने की सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस बल ने शुक्रवार को सुबह मध्य प्रदेश के भोपाल में रानी कमलापति स्टेशन पर पुणे-जम्मू तवी झेलम एक्सप्रेस की तलाशी ली। आरपीएफ कमांडेंट प्रशांत यादव ने बताया कि आरपीएफ द्वारा 40 मिनट तक तलाशी लिए जाने के बाद यह सूचना झूठी निकली। यादव ने बताया कि एक यात्री ने टीटी को ट्रेन में संदिग्ध वस्तु होने की सूचना दी, जिसके बाद ट्रेन को भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन पर रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि करीब 40 मिनट तक चले तलाशी अभियान के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

प्रधानमंत्री ने कोलकाता में चुनावी सभा को किया संबोधित, विपक्ष पर साधा निशाना

मोदी का राहुल पर तंज, कहा- डरो मत, भागो मत

बोलें- इस बार पहले से भी कम सीटों पर सिमटने जा रही है कांग्रेस

प्रातः किरण

बर्द्धमान/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली संसदीय सीट से चुनाव लड़ने के फैसले पर राहुल गांधी पर तंज कसा और कहा कि वायनाड से अपनी हार सुनिश्चित देख उन्होंने तीसरा ठिकाना ढूंढा है। बर्द्धमान-दुर्गापुर में शुक्रवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते मोदी ने राहुल गांधी से कहा, डरो मत! भागो मत! प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा कि उन्होंने पहले ही बता दिया था कि शहजादे वायनाड में हारने वाले हैं और हार के डर से जैसे ही मतदान समाप्त होगा वह तीसरी सीट खोजने लग जाएंगे। उन्होंने कहा, और अब दूसरी सीट पर भी उनके सारे चेले-चपाटे कह रहे थे अमेठी आएंगे, अमेठी आएंगे। लेकिन अमेठी से भी इतना डर गए कि वहां से भागकर अब रायबरेली में खोज रहे हैं रास्ता। ये लोग घूम-घूम कर सबको कहते हैं डरो मत! मैं भी इन्हें कहता हूं, अरे डरो मत! भागो मत! प्रधानमंत्री ने इसके साथ पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि उनके बारे में उन्होंने तीन महीने पहले ही दावा किया था कि कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता इस बार चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं करेंगी। उन्होंने कहा, वो डर के मारे भाग जाएंगी। भाग करके राजस्थान गईं और राज्यसभा में आईं। मोदी ने दावा किया इस बार के चुनाव के नतीजे का अनुमान लगाने के लिए किसी ओपिनियन पोल या फिर एक्जिट पोल की जरूरत नहीं है क्योंकि परिणाम स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस इस बार पहले से भी कम सीटों पर सिमटने जा रही है। अब देश भी समझ रहा है कि ये लोग चुनाव जीतने के लिए नहीं लड़ रहे हैं, ये सिर्फ देश को बांटने के लिए चुनाव के मैदान का उपयोग कर रहे हैं।

मैं जनसेवा के लिए ही पैदा हुआ : प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह जनता की सेवा करने के लिए पैदा हुए हैं और उनका सपना केवल जनता के सपनों को पूरा करना है। पीएम मोदी ने कहा कि वे मौज करने के लिए पैदा नहीं हुए और न ही खुद के लिए जीना चाहते हैं। वे केवल जनता की सेवा का संकल्प लेकर140 करोड़ देशवासियों की सेवा करने के लिए निकले हैं। विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। यह सब वे अपने लिए नहीं, बल्कि अपनों के लिए कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि मैंने कल टीवी पर देखा कि तृणमूल के एक विधायक कह रहे थे कि हिंदुओं को दो घंटे में भागीरथी में बहा देंगे। ये कौन-सी भाषा है? बंगाल में तृणमूल की सरकार ने यहां हिंदुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बनाकर रख दिया है। ये कैसे लोग हैं कि जय श्रीराम के उद्घोष से भी इन्हें आपत्ति है। इनको राममंदिर के निर्माण से आपत्ति है, रामनवमी की शोभायात्रा से आपत्ति है। मोदी ने कहा कि मैं तृणमूल सरकार से पूछना चाहता हूं कि यहां संदेशखाली में हमारी दलित बहनों के साथ इतना बड़ा अपराध हुआ, पूरा देश कार्रवाई की मांग करता रहा लेकिन तृणमूल गुनहगार को बचाती रही। क्या सिर्फ इसलिए क्योंकि उस गुनाहगार का नाम शाहजहां शेख था। इन वोट के भूखे लोगों की पहले दो चरणों में लुटिया डूब चुकी है। अब ये खुलेआम नया खेल लेकर आए हैं। अब ये कहते हैं कि मोदी के खिलाफ वोट जिहाद करो। जिहाद क्या होता है ये हमारे देश के लोग भली-भांति जानते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में दशकों से वोट जिहाद का खेल पर्दे के पीछे चुपचाप चलता था। पहली बार वो इतने हताश और निराश हो चुके हैं कि अब वोट जिहाद की सार्वजनिक घोषणा कर रहे हैं। इसीलिए, वोट जिहाद की इस अपील पर कांग्रेस का शाही परिवार, तृणमूल और लेफ्ट का परिवार चुप है। यानी इंडी अलायंस के सारे चट्टे-बट्टे वोट जिहाद से सहमत हैं।

नामांकन के आखिरी दिन कांग्रेस ने दोनों सीटों के लिए उम्मीदवारों का किया ऐलान

राहुल रायबरेली से लड़ेंगे चुनाव, अमेठी से किशोरीलाल शर्मा

राहुल और शर्मा ने अंतिम दिन अपना-अपना नामांकन पत्र किया दाखिल

प्रातः किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। नामांकन के आखिरी दिन कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी लोकसभा सीट पर अपने उम्मीदवारों का एलान कर दिया। इन दोनों सीटों पर नामांकन का आखिरी दिन शुक्रवार को ही है। दोनों नेताओं ने अंतिम दिन पर्चा भरा। ऐसे में ऐन वक्त पर पार्टी ने तय किया है कि राहुल गांधी रायबरेली और किशोरी लाल शर्मा अमेठी लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में होंगे। केएल शर्मा, सोनिया गांधी के प्रतिनिधि रह चुके हैं। इसी के साथ प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने की अटकलों पर विराम लग गया। कांग्रेस ने शुक्रवार सुबह इसकी आधिकारिक घोषणा की।

सोनिया की सीट से राहुल की यूपी में वापसी : कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी 1999 के लोकसभा चुनावों तक अमेठी सीट से चुनाव लड़ती थीं। इसके बाद 2004 में उन्होंने राहुल के लिए यह सीट छोड़ी और रायबरेली का रुख किया। राहुल ने 2004 और 2009 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से आसान जीत दर्ज की। 2014 में जरूर राहुल को स्मृति ईरानी ने टक्कर दी, लेकिन हरा नहीं पाई। हालांकि, 2019 में राहुल ने अमेठी के अलावा वायनाड से भी चुनाव लड़ा। अमेठी में उन्हें स्मृति ईरानी के हाथों हार का सामना करना पड़ा, लेकिन वे वायनाड से जीतकर लोकसभा पहुंचे। इसके बाद 2024 में सोनिया गांधी को पार्टी ने राज्यसभा भेजने का फैसला किया और उनकी पारंपरिक सीट रायबरेली से राहुल को उतारा।

वायनाड से भी चुनाव लड़ रहे राहुल: राहुल गांधी केरल की वायनाड लोकसभा सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं। पिछली बार वे वायनाड से ही जीते थे। वायनाड में मतदान हो चुका है। अमेठी और रायबरेली में 20 मई को मतदान है।

अंतिम तारीख को दाखिल किया पर्चा: राहुल और शर्मा शुक्रवार को अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इन दोनों सीट पर सात चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के तहत 20 मई को मतदान होगा, जिसके लिए नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन शुक्रवार यानी आज है।

भाजपा ने अमेठी-रायबरेली से इन्हें उतारा: भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को अमेठी से एक बार फिर उम्मीदवार घोषित किया है। स्मृति ने 29 अप्रैल को अपना नामांकन पत्र भी दाखिल किया था। वहीं, भाजपा ने रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह को टिकट दिया है।

कर्नाटक में एसडीपीआई के समर्थन से सत्ता में आई कांग्रेस: अमित शाह

प्रातः किरण

हुक्केरी (कर्नाटक)/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि बेंगलुरु में हुए बम विस्फोट में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से जुड़े राष्ट्र-विरोधी तत्व शामिल थे और कांग्रेस इसी एसडीपीआई के समर्थन से कर्नाटक में सत्ता में आई है।

उन्होंने सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर राज्य सरकार ठीक से जांच करने में समर्थ नहीं है तो हुबली की छात्रा नेहा हिरेमथ की हत्या के मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी जाए।वह यहां बेलगावी जिले में चिक्कोडी लोकसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार अन्नासाहेब जोले के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

शाह ने एक मार्च को रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट के संदर्भ में कहा, ह्यह्यमोदी जी ने देश से आतंकवाद खत्म किया। मोदी जी ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया। लेकिन कर्नाटक में यह कांग्रेस सरकार एसडीपीआई के समर्थन से सत्ता में आई है। नतीजा देखिए, उनके सत्ता में आने के बाद बेंगलुरु में बम विस्फोट हुआ।

शाह ने कहा, उन्होंने (कांग्रेस सरकार) पहले कहा कि यह एक सिलेंडर विस्फोट है। यह सिलेंडर विस्फोट नहीं था, यह एसडीपीआई के राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा किया गया बम विस्फोट था। जब जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपी गई तो ऐसे तत्वों की संलिप्तता के बारे में पता चला।उन्होंने कहा, चिंता मत कीजिए, कांग्रेस सरकार को जो मर्जी करने दीजिए नरेन्द्र मोदी सरकार कर्नाटक को सुरक्षित रखेगी।

राज्य में 13 अन्य लोकसभा क्षेत्रों के साथ चिक्कोडी में 7 मई को मतदान होगा।पिछले महीने कॉलेज परिसर में नेहा हिरेमथ की हत्या का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि सरकार में कुछ लोगों ने कहा कि हत्या व्यक्तिगत कारणों से हुई। उन्होंने कहा, यह कैसा व्यक्तिगत कारण है? एक लड़की, जो धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहती थी, उसकी हत्या कर दी गई। मैं परसों हुबली में उसकी मां से मिला था। उन्होंने मुझे बताया कि उनकी बेटी पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव था। मैं कांग्रेस पार्टी से कहना चाहता हूं कि यदि आप मामले की ठीक से जांच नहीं कर पा रहे हैं, तो इसे सीबीआई को सौंप दो। भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि नेहा हिरेमथ के साथ अन्याय करने वालों को सजा मिले। हुबली-धारवाड़ नगर निगम के कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की बेटी नेहा हिरेमथ (23) की उसके कॉलेज परिसर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोपी फैयाज खोंदुनाईक मौके से भाग गया था जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।नेहा मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) की प्रथम वर्ष की छात्रा थी और फैयाज पूर्व में उसका सहपाठी था।

प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, सभी मुख्यमंत्री, तीनों सेनाध्यक्ष सभी हैं हिंदू, फिर भी खतरे में कैसे है धर्म : तेजस्वी

नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा से पूछा तीखा सवाल

प्रातः किरण

पटना। खतरे में हिंदू नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुर्सी है। नेता प्रतिपाक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने पीएम मोदी और भाजपा पर तंज कसते हुए सोशल मिडिया पर लिखा। ह्यदेश के प्रधानमंत्री हिंदू, राष्ट्रपति हिंदू, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री हिंदू, तीनों सेनाध्यक्ष हिंदू है फिर भी ये लोग कह रहे है कि धर्म खतरे में है।

तेजस्वी ने कहा, दरअसल धर्म को खतरे में बताने वाले यह नहीं बताना चाहते कि रिकॉर्डतोड़ बेरोजगारी से देश के 60 फीसदी युवाओं का वर्तमान एवं भविष्य खतरे में है। किसान और कृषि खतरे में है। उद्योग-धंधे खतरे में है। बहन बेटियाँ और महिलाएं खतरे में है। शिक्षा-चिकित्सा खतरे में है। महंगाई-गरीबी से बहुसंख्यक आबादी खतरे में है। जनता के जिंदा मुद्दों पर तो प्रधानमंत्री जी बात ही नहीं करना चाहते। हालिया समय में पीएम मोदी लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार हिंदू-मुस्लिम को लेकर कई तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। मुस्लिम, मुगल, मछली, मंगलसूत्र जैसे मुद्दे उछालते हुए विपक्ष को निशाने पर ले रहे हैं। भाजपा के इस चुनावी कैम्पेन पर हमला बोलते हुए तेजस्वी ने अब पीएम मोदी को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को नहीं बल्कि पीएम मोदी की कुर्सी पर खतरा बताया। तेजस्वी ने गिनती कराते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री हिंदू, राष्ट्रपति हिंदू, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री हिंदू, तीनों सेनाध्यक्ष हिंदू है फिर भी ये लोग कह रहे है कि धर्म खतरे में है। तेजस्व ने आरोप लगाया कि हिन्दुओं को खतरे में रहने की बातें कहकर पीएम मोदी और भाजपा देश में नौकरी, चिकित्सा, महंगाई जैसे मुद्दों से लोगों का ध्यान भटका रही है।

पीएम मोदी नौकरी-रोजगार व महंगाई का जिक्र नहीं करते : लालू

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फिर से हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हिंदी भाषा में आज लगभग 1.5 लाख शब्द बताये जाते हैं तथा अध्ययन की सभी शाखाओं में तकनीकी शब्दों को मिलाकर लगभग 6.5 लाख शब्द हैं। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे पसंदीदा शब्द पाकिस्तान, श्मशान, कब्रिस्तान, हिन्दू-मुसलमान, मंदिर-मस्जिद, मछली-मुगल, मंगलसूत्र, गाय-भैंस हैं। लालू प्रसाद ने कहा कि हालांकि इन शब्दों की लिस्ट पहले दो चरणों के चुनाव होने तक की है। सातवें चरण तक इस लिस्ट में कुछ दो चार नाम और बढ़ सकते हैं। पीएम मोदी नौकरी-रोजगार, गरीबी-किसानी, महंगाई-बेरोजगारी, विकास-निवेश, छात्र-विज्ञान-नौजवान इत्यादि मुद्दे भूल गए हैं। अपनी चुनावी सभा में वह इन सब मुद्दों का जिक्र नहीं करते हैं।

कांग्रेस ने मणिपुर में अशांति को लेकर मोदी सरकार की निंदा की

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस ने मणिपुर की स्थिति को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोला और उस पर उदासीन एवं निष्ठुर होने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर कहा कि मणिपुर ठीक एक साल पहले तीन मई, 2023 को जलना शुरू हुआ था।

उन्होंने कहा, मणिपुर में मानवता नष्ट हो गई। (केंद्र में) उदासीन मोदी सरकार और राज्य में अयोग्य भाजपा सरकार के क्रूर मेल ने राज्य को वस्तुतः दो हिस्सों में बांट दिया है। उन्होंने कहा, निष्ठुर प्रधानमंत्री मोदी ने इस सीमावर्ती राज्य में कदम नहीं रखा जो उनकी अक्षमता और पूर्ण उदासीनता को उजागर करता है। उनके अहंकार ने एक खूबसूरत राज्य के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाया है। खरगे ने कहा कि मणिपुर के सभी समुदायों के लोग अब जानते हैं कि भाजपा ने उनके जीवन को कैसे दयनीय बना दिया है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, पूर्वोत्तर के लोग अब जानते हैं कि मोदी सरकार द्वारा तथाकथित विकास को लेकर बेशर्म होकर ढोल बजाए जाने के कारण इस क्षेत्र में मानवता की आवाज को दबा दिया गया है। भारत के लोग अब जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार को मणिपुर में उन अनगिनत जिंदगियों के प्रति रत्ती भर भी सहानुभूति नहीं है जिन्हें उन्होंने नष्ट कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि 220 से अधिक लोग मारे गए हैं, 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं और महिलाओं एवं बच्चों सहित हजारों लोग अब भी शिविरों में हैं। खरगे ने कहा, महिलाओं से बलात्कार हुआ, उनकी परेड कराई गई और भयावह हिंसा हुई लेकिन प्रधानमंत्री चुप रहे। आक्रोश के बाद ही प्रधानमंत्री ने अगस्त 2023 में दिखावे के लिए बोलने की जहमत उठाई, जो अब खोखला साबित हो रहा है।

इंटक के 77वें स्थापना दिवस पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने दीं शुभकामनाएं: कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के 77वें स्थापना दिवस पर इसके सदस्यों और समर्थकों को शुभकामनाएं दी हैं। खड़गे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर अपने विचार साझा करते हुए कहा,इंटक के 77वें स्थापना दिवस पर मैं इसके सभी सदस्यों और समर्थकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस पार्टी के श्रमिक न्याय ने करोड़ों श्रमिकों के कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक एजेंडा निर्धारित किया है, और हम अपनी गारंटी को लागू करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। कांग्रेसाध्यक्ष ने यह भी कहा, हम पूर्ण रोजगार और उच्च उत्पादकता लाभ के अपने दोहरे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए श्रम और पूंजी के बीच संतुलन बहाल करने के लिए औद्योगिक और श्रम कानूनों में सुधार लाएंगे।

पीएम मोदी आज दरभंगा में करेंगे चुनावी सभा

प्रातः किरण

पटना। लोकसभा चुनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते एक महीने में पांचवां बिहार दौरा होने जा रहा है। पीएम मोदी शनिवार 4 मई को दरभंगा में बीजेपी प्रत्याशी एवं मौजूदा सांसद गोपालजी ठाकुर से समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधि करेंगे। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी अग हफ्ते एक बार फिर बिहार आ रहे है। 6 मई को उनकी उजियारपुर में चुनावी रैली प्रस्तावित है। जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दरभंगा के राज मैदान में शनिवार को जनसभा करेंगे। स्थानीय बीजेपी नेताओं ने इसकी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

अमित शाह 6 मई को उजियारपुर में: बीजेपी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गृह मंत्री अमित शाह 6 मई को उजियारपुर में चुनावी रैली करेंगे। यहां से केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय बीजेपी के टिकट पर लगातार तीसरी बार चुनावी मैदान में हैं। शाह आगामी सोमवार को उजियारपुर में नित्यानंद राय के समर्थन में वोट मांगते हुए नजर आएंगे। लोकसभा चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद यह उनका चौथा बि दौरा होगा। इससे पहले वे औरंगाबाद-गया, कटिहार और बेगूसराय एवं मधुबनी में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में रैलियां कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर कानपुर में दो दिन तक ड्रोन पर प्रतिबंध: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 04 मई को कानपुर आगमन और प्रस्तावित रोड शो के मद्देनजर यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए कानपुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में 03 एवं 04 मई को ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। कानपुर के अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) हरिश चन्दर ने शुक्रवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि प्रधानमंत्री के प्रस्तावित रोड शो के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने एवं सामान्य नागरिकों की सुरक्षा और आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के लिए कानपुर नगर क्षेत्र में धारा 144 लागू किया गया है। इसके साथ ही किसी भी प्रकार के ड्रोन के प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। कानपुर कमिश्नरेट की सीमा के अंदर कानून का राज कायम करने एवं जनहित को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

चुनाव करीब 31 वर्षों तक गांधी परिवार के सदस्यों ने इस लोकसभा सीट का किया प्रतिनिधित्व

अमेठी लोकसभा सीट से 25 वर्षों में पहली बार गांधी परिवार से कोई नहीं लड़ रहा चुनाव

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट को गांधी परिवार के सबसे मजबूत किलों में से एक माना जाता रहा है लेकिन 25 वर्षों में ऐसा पहली बार होगा जब गांधी परिवार का कोई भी सदस्य लोकसभा चुनाव में इस सीट से चुनाव मैदान में नहीं उतरेगा। वर्ष 1967 में निर्वाचन क्षेत्र बने अमेठी को गांधी परिवार का मजबूत किला माना जाता है और करीब 31 वर्षों तक गांधी परिवार के सदस्यों ने इस लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया है।

पिछले आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता स्मृति ईरानी कांग्रेस के इस किले को भेदने में सफल रहीं और उन्होंने राहुल गांधी को 55 हजार से ज्यादा मतों से शिकस्त दी थी। इस बार राहुल गांधी रायबरेली सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे जबकि गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा को अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा गया है। शर्मा ने गांधी परिवार की गैर-मौजूदगी में दोनों प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों का काम-काज संभाला है। अमेठी लोकसभा सीट पर गांधी परिवार को 1998 में उस समय झटका लगा था, जब राजीव गांधी और सोनिया गांधी के करीबी सतीश शर्मा को भाजपा के संजय सिंह के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा था। यह पहला मौका था जब यह सीट गांधी परिवार के हाथ से निकल गयी थी। सोनिया गांधी ने 1999 में सिंह को तीन लाख से ज्यादा मतों से हराकर अमेठी को फिर से कांग्रेस की झोली में डाल दिया था। सोनिया ने 2004 में रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और राहुल गांधी को अमेठी सीट सौंपी गयी। राहुल ने 2004, 2009 और 2014 में लगातार तीन बार इस सीट पर जीत दर्ज की लेकिन 2019 में उन्हें स्मृति इरानी के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी। अमेठी, उत्तर प्रदेश की 80 संसदीय सीटों में से एक प्रमुख लोकसभा सीट है, जिसमें पांच विधानसभा क्षेत्र तिलोई, सालोन, जगदीशपुर, गौरीगंज और अमेठी आते हैं। पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस, भाजपा और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) इस क्षेत्र में तीन मुख्य दलों के रूप में उभरे हैं। राजीव गांधी ने 1991 तक अमेठी लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसी वर्ष उग्रवादी समूह लिट्टे ने उनकी हत्या कर दी। राजीव की हत्या के बाद, इसी वर्ष हुए उपचुनाव में अमेठी से सतीश शर्मा जीते और 1996 में फिर से सांसद चुने गए लेकिन 1998 में भाजपा के संजय सिंह ने उन्हें हरा दिया। स्मृति ईरानी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 4,68,514 मत हासिल कर 55 हजार से अधिक मतों के अंतर से अमेठी सीट पर जीत हासिल की थी जबकि राहुल गांधी को 4,13,394 वोट मिले थे। इससे पहले 2014 के आम चुनाव में राहुल गांधी ने 4,08,651 मतों के साथ लगातार तीसरी बार अमेठी सीट पर अपना कब्जा जमाया था जबकि ईरानी को 3,00,748 मत प्राप्त हुए थे। अमेठी और रायबरेली सीट पर 20 मई को मतदान होना है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जीएसटी कानून के तहत नोटिस व गिरफ्तारी का आंकड़ा पेश करने को कहा

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से वस्तु एवं सेवा कर के प्रावधानों के तहत जारी किए गए नोटिस और गिरफ्तारियों का ब्यौरा मांगा है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि वह कानून की व्याख्या कर सकता है तथा स्वतंत्रता से वंचित करने वाले किसी भी उत्पीड़न से नागरिकों के बचाव के लिए उचित दिशानिर्देश दे सकता है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की विशेष पीठ ने जीएसटी की धारा 69 में अस्पष्टता पर चिंता जतायी जो गिरफ्तारी की शक्तियों से संबंधित है। पीठ जीएसटी अधिनियम, सीमा शुल्क अधिनियम और धनशोधन रोकथाम कानून के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती देने वाली 281 याचिकाओं की सुनवाई कर रही है। पीठ ने कहा कि अगर जरूरत हुई तो वह स्वतंत्रता को मजबूत बनाने के लिए कानून की व्याख्या करेगी, लेकिन नागरिकों को परेशान नहीं होने देगी। उसने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा, आप जीएसटी अधिनियम के तहत पिछले तीन वर्ष में एक करोड़ रुपये से पांच करोड़ रुपये की कथित चूक के लिए जारी किए गए नोटिस और गिरफ्तारियों का आंकड़ा पेश करें। लोगों का उत्पीड़न हो सकता है और हम इसकी इजाजत नहीं देंगे। यदि हमें लगता है कि प्रावधान में कोई अस्पष्टता है तो हम उसे दुरुस्त करेंगे। दूसरा, सभी मामलों में लोगों को जेल नहीं भेजा जा सकता। कुछ याचिकाकताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने जीएसटी व्यवस्था के तहत अधिकारियों की शक्तियों के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाया और कहा कि इससे व्यक्तियों की स्वतंत्रता कम हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

अधिकारियों ने हटवाई पानी की लाइनों में लगी पांच मोटरें

गरमपानी(नैनीताल), एजेंसी। क्षेत्र में बढ़ती पेयजल समस्या को देखते हुए कोश्याकुटोली के एसडीएम बीसी पंत ने कड़ा रुख अपनाया है। बुधवार को राजस्व विभाग और जल संस्थान की टीम ने गरमपानी और खैरना बाजार में घर-घर जाकर चेकिंग अभियान चलाते हुए पानी की मुख्य लाइन से घरों की लाइन में लगाई गई पांच मोटरों को हटाया। साथ ही लोगों को कड़ी चेतावनी देते हुए पेयजल का व्यावसायिक प्रयोजन और दुरुप्रयोग करने पर कानूनी कार्रवाई की बात कहीं है। एसडीएम ने बताया कि पेयजल समस्या को दूर करने के लिए अभियान चलाया गया है। इस दौरान राजस्व उपनिरीक्षक विजय नेगी और जलसंस्थान कर्मी मौजूद रहे।

गांवों में पानी के लिए मारामारी

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिले के ग्रामीण इलाकों में पेयजल संकट गहराने लगा है। गर्मी बढ़ने से पेयजल स्रोतों भी सूखने लगे हैं। ऐसे में पानी के लिए घमासान मचा हुआ है। जल संस्थान ने प्रभावित इलाकों में पेयजल टैंकर और पिकअप भेज कर 50 हजार लीटर पानी बांटा। जिले के जैती, लमगड़ा, कनरा, बल्टा, गुरुड़ाबाज, शीतलाखेत, भेटुली आदि इलाकों में पेयजल समस्या बनी हुई है। पानी के लिए इन क्षेत्रों में हाहाकार मचा हुआ है। ग्रामीणों को अधिकांश समय पानी का इंतजाम करने में ही बर्बाद हो रहा है। दोपहर की तेज धूप में ग्रामीण प्राकृतिक जल स्रोतों से पानी ढो कर लाने का मजबूर हैं। बुधवार को सूचना मिलने के बाद जल संस्थान ने प्रभावित इलाकों में पेयजल टैंकर, पिकअप वाहन भेजकर 50 हजार लीटर पानी बांटा। टैंकर पहुंचते ही पानी लेने के लिए लोग खाली बर्तनों के साथ पेयजल टैंकर पर टूट पड़े।

घर में कोई नहीं फिर भी आ गया 34 हजार रुपये का बिल

मौलेखाल (अल्मोड़ा), एजेंसी। सल्ट में यूपीसीएल के एक उपभोक्ता ने आरोप लगाया कि बगैर बिजली का उपयोग किए ही उसके सही मीटर को खराब बताकर 34 हजार रुपये का बिल थमा दिया गया। उपभोक्ता ने इसका विरोध करते हुए बिल ठीक करने की गुहार लगाई तो यूपीसीएल के अधिकारियों ने उसके साथ अभद्रता की। सल्ट के पीनाकोट निवासी प्रकाश बिष्ट ने कहा कि उसका परिवार लंबे समय से चंडीगढ़ रहता है। उसने अपने पैतृक मकान में बिजली का कनेक्शन लिया है। लंबे समय से घर में बिजली का उपयोग बंद है। घर लौटकर जब वह कनेक्शन कटवाने के लिए मीटर सहित एसडीओ कार्यालय पहुंचा तो मीटर खराब बताते हुए उसे 34,746 रुपये का बिल थमा दिया। बताया कि जब मीटर की जांच की गई तो वह सही मिला और रीडिंग भी बेहद कम निकली। उसने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

बसें न चलने से अल्मोड़ा डिपो को 60 हजार का नुकसान

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा डिपो की पांच रूटों पर बृहस्पतिवार को बसें नहीं चलीं। पर्यटन सीजन में बस न चलने से डिपो को 60 हजार रुपये का नुकसान उठाना पड़ा।जिला मुख्यालय स्थित रोडवेज डिपो चालकों की कमी से जूझ रहा है। जिससे सेवाएं बाधित हो रही हैं। बृहस्पतिवार को रोडवेज की टनकपुर, मासी, लमगड़ा-दिल्ली, बेतालघाट-दिल्ली, सायंकालीन अल्मोड़ा-देहरादून सेवाओं का संचालन ठप रहा। बस न चलने से इन रूटों को जाने वाले यात्री और पर्यटक परेशान रहे। इधर, टैक्सियों की किल्लत से समस्या और भी बढ़ गई है। जिससे खास कर ग्रामीण रूटों पर आवाजाही में यात्रियों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। इधर, रोडवेज डिपो के सहायक महाप्रबंधक विजय तिवारी ने बताया कि बसों को संचालित करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

बसें न चलने से अल्मोड़ा डिपो को 60 हजार का नुकसान

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा डिपो की पांच रूटों पर बृहस्पतिवार को बसें नहीं चलीं। पर्यटन सीजन में बस न चलने से डिपो को 60 हजार रुपये का नुकसान उठाना पड़ा।जिला मुख्यालय स्थित रोडवेज डिपो चालकों की कमी से जूझ रहा है। जिससे सेवाएं बाधित हो रही हैं।

प्रशासन के प्रयासों के बाद भी अतिक्रमण मुक्त नहीं हो पा रहे हैं फुटपाथ और बाजार

हल्द्वानी, एजेंसी। हल्द्वानी में स्थानीय प्रशासन और नगर निगम के तमाम प्रयासों के बाद भी शहर की सड़कें, फुटपाथ और बाजार अतिक्रमण मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। मुख्य चौराहों से लेकर मेन रोड और बाजार सभी अतिक्रमण की जद में हैं। फुटपाथ पर भी लोग दुकान सजाए हुए हैं। इसी साल जनवरी में स्थानीय प्रशासन और नगर निगम ने जिस सिंधी चौराहे से आंबेडकर पार्क तक अतिक्रमण हटाया था वहां फिर से खड़े फल-सब्जी के ठेले प्रशासन को चिढ़ाने का कार्य कर रहे हैं।

नैनीताल रोड में एमबीपीजी कॉलेज के सामने सड़क के दोनों ओर फुटपाथ पर अतिक्रमण है। टैक्सी स्टेंड तक यही स्थिति है। कहीं फड़ खोखे लगे हैं तो कहीं फूल से लेकर जूस विक्रेताओं ने कब्जा किया है। नगर निगम दफ्तर, एसडीएम कार्यालय, कोतवाली के सामने से लेकर रोडवेज तक सड़क के दोनों ओर यही स्थिति है।

सरस मार्केट के पास से लेकर चौराहे तक सड़क के एक ओर फुटपाथ पर फलों से लेकर पौधे बेचने वालों ने

कब्जा किया है। चौराहे के सामने फुटपाथ पर कपड़े बेचने वालों की दुकानें सजी हुई हैं।

सिंधी चौराहे से लेकर आंबेडकर पार्क तक प्रशासन ने जनवरी में सड़क चौड़ीकरण के लिए अस्थायी अतिक्रमण हटाए थे। अब चौराहे के दोनों तरफ, होली ग्राउंड और नगर निगम की पार्किंग के सामने फिर से अतिक्रमणकारी काबिज हो चुके हैं। सुशीला तिवारी अस्पताल के सामने पेड पार्किंग से लेकर एफटीआई गेट तक फुटपाथ पर एक दो नहीं बल्कि दर्जनों फड़ लगे हुए हैं। अस्पताल से पास से पीछे की ओर जाने वाली गली में दोनों ओर खाने-पीने के ठेले लगे हैं। यहां से पैदल गुजरना भी मुश्किल होता है। मटर गली, पटेल चौक, बर्तन बाजार, खानचंद्र मार्केट, मीरा मार्ग, कारखाना बाजार, सदर बाजार से लेकर रस्सी गली तक 20 फुट की सड़क अतिक्रमण के कारण पांच फुट भी नहीं बचती है। रही सही कसर इन बाजारों में ठेले लेकर फेरी लगाने वाले पूरी कर देते हैं। ऐसी स्थिति में बाजार आने वाले लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

भूकंप की सूचना पर बचाव कार्य में जुट गया हर महकमा

देहरादून, एजेंसी। चारधाम यात्रा में हर तरह की परिस्थितियों से निपटने के लिए देहरादून में मॉकड्रिल की गई। जिले में तीन अलग-अलग स्थानों पर तैयारियों को परखा गया। सुबह 9:30 बजे रिक्टर स्केल पर 5.8 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस होने की सूचना आपदा परिचालन केंद्र से सभी तहसीलों, पुलिस थानों को वायरलेस के माध्यम से दी गई। निर्देशित किया गया कि यदि किसी भी क्षेत्र में नुकसान की सूचना हो तो आपदा परिचालन केंद्र को सूचित करें। इसके बाद सभी विभाग हरकत में आए और बचाव कार्य में जुट गए। आपदा की सूचना पर मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान ने आपदा कंट्रोल रूम से निर्देश दिए। उन्होंने जीजीआईसी राजपुर रोड एवं दून चिकित्सालय पहुंचकर रेस्क्यू आपरेशन का जायजा लिया। अपर जिलाधिकारी वित्त व राजस्व रामजी शरण ने पुलिस लाइन रेसकोर्स में पुलिस अधिकारियों के साथ मोर्चा संभाला।

सुबह 09:45 बजे राजकीय बालिका इंटर कालेज राजपुर रोड की प्रधानाचार्य ने फोन कर बताया कि स्कूल भवन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। वहां 30-40 बच्चे व अन्य स्टाफ फंसे हैं। सूचना प्राप्त होते ही उप जिलाधिकारी सदर हरगिरी मौके पर पहुंचे। एसडीआरएफ के 20 तथा एनडीआरएफ के 30 सदस्य, एंबुलेंस, फायर टीम, सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य किया। बचाव दल ने सभी व्यक्तियों को रेस्क्यू किया। पांच घायलों को 108 एंबुलेंस सेवा से दून मेडिकल कालेज चिकित्सालय भेजा गया। यहां से तीन सामान्य घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। दो गंभीर घायलों को चिकित्सालय में भर्ती किया गया। बचाव दल की ओर से सुबह 10:54 बजे राहत एवं बचाव कार्य पूरा किया गया।

आपदा परिचालन केंद्र पर सुबह 10:17 बजे सूचना प्रसारित हुई कि दून चिकित्सालय की इमरजेंसी बिल्डिंग में आग लग गई है। सूचना प्राप्त होते ही फायर टीम को मौके पर रवाना किया गया। एसडीआरएफ का 10 सदस्यीय दल, फायर की 11 सदस्यीय टीम सहित एसडीआरफ टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू आपरेशन चलाया। प्रातः 10:40 बजे आग पर काबू पाया गया।

तराई में घट रही है कृषि भूमि की उर्वरा क्षमता

रुद्रपुर, एजेंसी। अच्छी फसल उत्पादन की चाह में रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध इस्तेमाल और जैविक खादों से दूरी मिट्टी की सेहत पर भारी पड़ रही है। तराई की उपजाऊ जमीन से लिए गए मिट्टी के नमूनों में मुख्य और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी पाई गई है। विभाग की ओर से भारत सरकार के पोर्टल पर जांच रिपोर्ट अपलोड करने की कार्रवाई की जा रही है।

ऊधमसिंह नगर जिले से कृषि विभाग ने 9893 मिट्टी के नमूने लिए थे। इन नमूनों की जांच रुद्रपुर स्थित मंडलीय मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में की गई थी। इसमें 65 फीसदी नमूनों में पोटाश और 65 फीसदी नमूनों में जीवांश कार्बन की कमी पाई गई है। इसके अलावा 10.98 फीसदी में सल्फर, 29.71 में बोरॉन और 11.28 फीसदी नमूनों में जिंक की कमी पाई गई। नैनीताल जिले में 2502 और पिथौरागढ़ में 3442 नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला में आए हैं। नैनीताल में 41 फीसदी और पिथौरागढ़ में 25 फीसदी नमूनों में फॉस्फोरस की कमी पाई गई है। मंडलीय मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के सहायक निदेशक कल्याण सिंह ने बताया कि किसानों को कृषि भूमि की उर्वरता बढ़ाने के लिए जरूरी उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जैविक खादों का प्रयोग करने को कहा जा रहा है। भारत सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में प्रदेश के जिलों में एक लाख पांच हजार 70 मिट्टी के नमूनों का लक्ष्य निर्धारित किया है। पहले यह लक्ष्य 87590 था और फिर लक्ष्य में संशोधन किया गया है। कुमाऊं मंडल की बात करें तो ऊधमसिंह नगर में 11840, नैनीताल में 7560, अल्मोड़ा में 9000 का लक्ष्य रखा गया है।

मानव तस्करी में गरीबी और अशिक्षा बड़ा कारण -चिदानंद

ऋषिकेश, एजेंसी। परमार्थ निकेतन में रेस्क्यू फाउंडेशन की ओर आध्यात्मिक रिट्रीट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के सदस्यों ने योग, ध्यान, प्राणायाम, हवन, सत्संग, व्यक्तित्व विकास, जिज्ञासाओं का समाधान, गंगा आरती आदि विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग किया। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि वर्तमान समय में मानव तस्करी विश्व की प्रमुख समस्याओं में एक है। सभी कोशिशों के बावजूद इसे रोक पाना संभव नहीं हो पा रहा है। कोई भी राष्ट्र इस समस्या से अछूता नहीं है। इस दिशा में प्रयास तो किये जा रहे हैं, लेकिन पूर्णतया प्रभावी साबित नहीं हो पा रहे हैं। इसके पीछे गरीबी और अशिक्षा सबसे बड़ा कारण है।

कहा कि सामाजिक असमानता, क्षेत्रीय लैंगिक असंतुलन, बेहतर जीवन की लालसा, सामाजिक सुरक्षा की चिंता, जागरूकता की कमी जैसे अनेक कारण हैं।

त्यागपत्र वापस लेने को राजी हुए चुघ

गदरपुर, एजेंसी। गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब के डेरा कार सेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह हत्याकांड में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरबंश सिंह चुघ सहित अन्य नामजदों के खिलाफ केस रद्द करने की मांग को लेकर सिख संगठनों की बैठक हुई। इस दौरान हरबंश सिंह चुघ से गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष पद से दिए गए इस्तीफे को वापस लेने की अपील की गई, जिस पर उन्होंने सहमति जता दी। बृहस्पतिवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में गुरुद्वारा श्री माता साहिब कौर दिनेशपुर की मुख्य सेवादार माता कमलेश कौर की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें यूपी और उत्तराखंड से बड़ी संख्या में संगत पहुंची। वक्ताओं ने एक स्वर में हरबंस सिंह चुघ से इस्तीफा वापस लेने की मांग की। रुद्रपुर से पहुंचे ज्ञानी सुरेन सिंह, बिलासपुर से परमजीत सिंह, सितारगंज से गुरसेवक सिंह, जसपुर से जगजीत सिंह भुल्लर, मिलक रामपुर से सुरजीत सिंह, नवाबगंज से मलकीत सिंह, किच्छा से संतोष सिंह, निर्मलसिंह हंसपाल और बाजपुर से पहुंची महक राज सिंह सहित तमाम वक्ताओं ने नानकमत्ता हत्याकांड की कड़े शब्दों में निंदा की। कहा कि प्रदेश सरकार ने द्वेष भावना के चलते जनहित और सामाजिक में कार्य करने वाली गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब प्रबंधन समिति के पदाधिकारी पर केस दर्ज किया है। इससे सिख समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने पुलिस से प्रशासन गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरबंस सिंह चुघ, तराई सिख महासभा के अध्यक्ष प्रीतम सिंह संधू और गुरुद्वारा श्री हरगोविंद सर नवाबगंज के प्रमुख सेवादार बाबा अनूप सिंह पर दर्ज केस को तत्काल रद्द करने की मांग की।

दून अस्पताल में नौकरी के लिए चिकित्सकों को भरना होगा बॉन्ड

देहरादून, एजेंसी। दून मेडिकल कॉलेज, अस्पताल में चिकित्सकों को अब एक निश्चित समय अवधि तक काम करना जरूरी होगा। इसके लिए उन्हें एक बॉन्ड भरना होगा। ऐसे में डॉक्टर निश्चित अवधि के बाद शासन-प्रशासन की अनुमति से ही नौकरी छोड़ सकेंगे। अस्पताल प्रशासन ने शासन स्तर पर इसके लिए कार्ययोजना बनानी शुरू कर दी है। चिकित्सकों के नौकरी छोड़ने से मरीजों का इलाज प्रभावित हो रहा है।

दून मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना का कहना है कि कुछ डॉक्टर बिना किसी विवाद के नौकरी छोड़कर निजी अस्पताल चले जाते हैं। ऐसे में मरीजों का इलाज प्रभावित होता है। हालांकि, अस्पताल में डॉक्टरों की सैलरी को लेकर समस्या है। ऐसे में सैलरी बढ़ाई जाने की बात चल रही है। दरअसल, अस्पताल में पिछले छह महीने में कई डॉक्टर नौकरी छोड़कर जा चुके हैं। इससे मरीजों का इलाज प्रभावित हुआ है। विभागों की व्यवस्था गड़बड़ा गई है।

चिकित्सकों की कमी से सुपर स्पेशलिटी वाले विभाग चलाना मुश्किल हो गया है। वहीं, कुछ डॉक्टरों ने निराशा व्यक्त करते हुए बताया कि एक डॉक्टर पर अधिक भार डाल दिया जाता है। इससे भी डॉक्टर नौकरी छोड़कर जा रहे हैं।

हल्द्वानी में अब 20.08 हेक्टेयर में बनेगा हाईकोर्ट

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तराखंड गठन के समय वर्ष 2000 में उच्च न्यायालय की स्थापना नैनीताल हुई थी। कोर्ट के विस्तार, अधिवक्ताओं की बढ़ती संख्या और पर्यटन स्थल पर लगातार बढ़ते दबाव को देखते हुए हाईकोर्ट को शिफ्ट करने पर विचार हो रहा था। नैनीताल जिले के हल्द्वानी स्थित गौलापार में प्रस्तावित हाईकोर्ट अब 20.08 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की आपत्ति के बाद शासन ने वन भूमि हस्तांतरण का प्रस्ताव नए सिरे से भेजने का फैसला किया है। इस प्रोजेक्ट के लिए बनाए गए नोडल अफसर सचिव लोनिवि पंकज कुमार पांडेय ने मंत्रालय की सभी आपत्तियों का निपटारा करते हुए 10 मई तक भूमि हस्तांतरण के प्रस्ताव को परिवेश पोर्टल में अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि उत्तराखंड गठन के समय वर्ष 2000 में उच्च न्यायालय की स्थापना नैनीताल हुई थी। कोर्ट के विस्तार, अधिवक्ताओं की बढ़ती संख्या और पर्यटन स्थल पर लगातार बढ़ते दबाव को देखते हुए हाईकोर्ट को शिफ्ट करने पर विचार हो रहा था। प्रदेश मंत्रिमंडल ने हाईकोर्ट को शिफ्ट करने के लिए गौलापार में 26.08 हेक्टेयर वन भूमि चिह्नित की थी। इस भूमि पर कॉन्सेप्ट ले-आउट प्लान बना कर भूमि हस्तांतरण का प्रस्ताव केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को भेजा गया। लेकिन मंत्रालय की क्षेत्रीय अधिकार प्राप्त समिति (आरईसी) ने इस प्रस्ताव पर आपत्तियां लगा दीं। इससे पूरे प्रोजेक्ट पर ही संशय के बादल मंडराने लगे थे। इस दौरान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। बैठक में लोनिवि की ओर से बताया गया कि प्रोजेक्ट के संबंध में डिजिटल मैपिंग, जियो रिफरेंस मैप, परियोजना के मूल्य की गणना(एनपीवी) और क्षतिपूर्ति पौधरोपण के संबंध में कार्रवाई शुरू हो गई है। इसके बाद सचिव लोनिवि की अध्यक्षता में पिछले दिनों एक अहम बैठक हुई । बैठक में तय हुआ कि पूर्व में चयनित भूमि 26.08 हेक्टेयर के स्थान पर अब 20.08 हेक्टेयर वन भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू होगी। न्याय विभाग इसका शासनादेश जारी करेगा।

लोहे का गेट गिरा, मासूम बच्ची मौत

बाजपुर, एजेंसी। काशीपुर में चल रहे चैती मेला देखकर नानी के घर आई मासूम बच्ची की लोहे का गेट गिरने से मौत हो गई। मोहल्ले में दर्दनाक हादसा देखकर हर किसी की आंखें नम हो गई। परिजन मासूम बच्ची के शव को अपने गांव ले गए।

बुधवार को यूपी के गांव जोधावाला, रामपुर निवासी प्रीति अपने पति राकेश और बच्चों के साथ काशीपुर चैती मेला देखने गई थी। बाद में बच्चों की जिद के चलते प्रीति अपने पिता बाजपुर के मोहल्ला राजीवनगर निवासी कुंवरपाल के घर अपने मायके आ गई थी। इस दौरान रात करीब साढ़े दस बजे प्रीति की सात वर्षीय बेटी आयशा मकान का गेट खोल रही थी तभी गेट अचानक गिर गया और सात वर्षीय बच्ची गेट के नीचे दब गई जबकि अन्य बच्चे बाल-बाल बच गए। बच्चों की चीक पुकार सुनकर परिवार के लोग दौड़ कर बाहर आए। लोगों ने गेट हटाकर बच्ची को बाहर निकाला। परिवार के लोग आनन फानन में अचेत अवस्था में बच्ची को बाजपुर के रामपुर रोड स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टर ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। इस

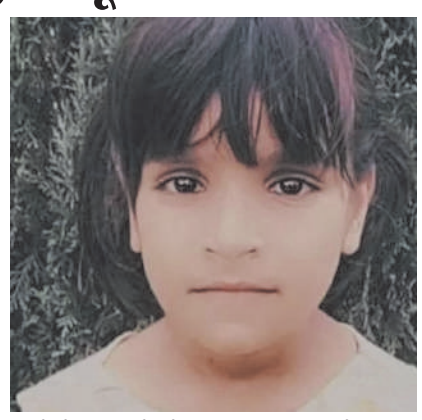

हादसे से परिवार में कोहराम मच गया। बाद में परिवार के लोग मासूम बच्ची का शव अपने गांव जोधाबाला ले गए। इधर बच्ची की दर्दनाक मौत होने से उत्तराखंड में नानी और यूपी में दादी के घर में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। लोगों ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर बच्ची का अंतिम संस्कार यूपी के गांव जोधावाला में कर दिया गया है।

समय से मानसून की उम्मीद, अच्छी बारिश के भी आसार

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। जीबी पंत कृषि विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह के मुताबिक जून से ला नीनो का प्रभाव शुरू हो जाएगा। इससे मानसून उत्तर भारत में समय से पहुंचेगा। साथ ही इस बार अच्छी बारिश और भीषण ठंड पड़ेगी।

तराई में धूप की तपिश तेज हो रही है। जुलाई से शुरू %%अल नीनो%% प्रभाव के चलते सर्दी भी कम पड़ी और अप्रैल-मई में अमूमन होने वाली बारिश भी नहीं हुई है। अब अल नीनो कमजोर पड़ रहा है। जीबी पंत कृषि विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह के मुताबिक जून से ला नीनो का प्रभाव शुरू हो जाएगा। इससे मानसून उत्तर भारत में समय से पहुंचेगा। साथ ही इस बार अच्छी बारिश और भीषण ठंड पड़ेगी।

उन्होंने बताया कि पिछले साल भारत में मानसून उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, जिसकी वजह अल नीनो का प्रभाव है। मानसून केवल भारत में होने वाली भौगोलिक प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि यह हिंद महासागर और यहां तक कि प्रशांत महासागर की गतिविधियों से भी प्रभावित होता है। प्रशांत महासागर में अल नीनो मानसून को प्रभावित करता है।

भारत में सर्दी पश्चिम से आने वाली हवाओं से ही प्रभावित होती है। पश्चिम से चलने वाली हवाएं भारत के उत्तर और उत्तर पश्चिमी क्षेत्रों में बारिश का माहौल बनाती हैं। इससे हिमालय में बर्फबारी होती है और उससे ठंडी हवाएं उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को ठंडा करने लगती हैं। ला नीनो अल नीनो के विपरीत होता है।

बेरोजगारों को ड्रोन पायलट बनाकर स्वावलंबी बनाएगा इफ्को

काशीपुर, एजेंसी। ड्रोन के माध्यम से फसलों में स्प्रे कर बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए इफ्को की ओर से स्वावलंबी बनाने की योजना शुरू की गई है। बृहस्पतिवार को इफ्को की ओर से इस परियोजना के अंतर्गत चिह्नित किए गए दो युवाओं परिभाष चौधरी निवासी ग्राम गुलगोजी जसपुर और सुमित राणा निवासी ग्राम बक्सर काशीपुर को निशुल्क ड्रोन एवं इन्हें लाने ले जाने के लिए ई-व्हीकल उपलब्ध कराए गए।

इफ्को के क्षेत्रीय प्रबंधक नीरज डोभाल ने बताया कि दोनों चयनित अभ्यर्थियों द्वारा पूर्व में गुरुग्राम में ट्रेनिंग सेंटर पर 20 दिन का प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

इसके उपरांत केंद्र सरकार की ओर से अभ्यर्थियों को ड्रोन उड़ाने के लिए लाइसेंस प्रदान किए गए। दोनों ड्रोन पायलटों द्वारा ब्लॉक जसपुर तथा ब्लॉक काशीपुर में किसानों के खेतों पर ड्रोन के माध्यम से नैनो उर्वरकों तथा अन्य उर्वरकों का स्प्रे किया जाएगा, जिसमें किसान को केवल 100 से 150 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से स्प्रे भुगतान करना होगा। 100 से 150 रुपये प्रति एकड़ का अनुदान इफ्को द्वारा ड्रोन पायलट को दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ड्रोन प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य किसानों के खेतों पर नयी तकनीकी पर बने उत्पादों का स्प्रे करना है। इससे किसानों को लेबर की समस्या से भी निजात मिल जाएगी। बताया कि आने वाले समय में पांच ड्रोन पायलट का चयन कर उन्हें भी निशुल्क ड्रोन प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तर पर इस प्रोजेक्ट की निगरानी राज्य वितरण प्रबंधक राकेश श्रीवास्तव द्वारा की जाएगी। पूरे उत्तराखंड में इफ्को द्वारा 20 ड्रोन दिए जाएंगे। इफ्को ड्रोन परियोजना के माध्यम से किसानों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को भी रोजगार प्रदान करेगी। ड्रोन स्प्रे की बुकिंग किसानों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी।

नई तकनीक से बढ़े नए अपराध, इन पर लगाम के लिए जरूरी हैं नये कानूनः जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यायल द्वारा तीन नए आपराधिक कानूनों को लेकर आयोजित जागरूकता अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा पहुंची.इस मौके पर अभियान को संबोधित करते हुए जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि आम तौर पर सभी जज समाज के लिए कुछ अच्छा करना चाहते हैं. लेकिन अगर उन्हें अच्छे कानून देंगे तभी वो अच्छा कर पाएंगे. इस दौरान उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़े अपने पढ़ाई के दिनों की पुरानी यादों को ताजा करते हुए कहा कि वह आज जो भी हैं, वो इसी विश्वविद्यालय की बदौलत हैं. डीयू ऐसी जगह है जहां आप जब भी आते हैं तो ये आपको कुछ देती ही है.

ये तीन नए कानून साबित होंगे परिवर्तनकारी -कुलपति प्रो. योगेश सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए ये तीन नए कानून परिवर्तनकारी साबित होंगे. उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और लोकतन्त्र की नींव कानून के शासन पर टिकी होती है. इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंची सर्वोच्च न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता मोनिका अरोड़ा ने तीनों नए कानूनों की पुराने कानूनों से तुलनात्मक व्याख्या प्रस्तुत की. कार्यक्रम के दौरान डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी, रजिस्ट्रार डॉ विकास गुप्ता, प्रॉक्टर प्रो. रजनी अब्बी और डीन अकादमिक प्रो. के रत्नाबली सहित अनेकों शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे.

नए कानूनों के लिए 32 हजार लोगों ने भेजे थे सुझाव

मुख्य अतिथि जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने अपने विस्तृत व्याख्यान में तीन नए आपराधिक कानूनों, अर्थात भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इनके लिए 32 हजार लोगों ने अपने-अपने बहुमूल्य सुझाव भेजे थे, जिनके आधार पर इन कानूनों को बनाया गया है. यह तीनों कानून एक जुलाई, 2024 से ब्रिटिश युग के औपनिवेशिक कानूनों क्रमशः भारतीय दंड संहिता 1860, आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेने जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि ब्रिटिश युग के कानूनों में दंड (पिनल) शब्द का इस्तेमाल किया गया था जबकि इन कानूनों में दंड की जगह अब न्याय शब्द प्रयोग किया गया है. इन शब्दों में बहुत बड़ा अंतर है. अंग्रेजों द्वारा दिया गया कानून उनके नजरिए से था जिसमें दंड पर जोर था लेकिन अब न्याय की बात की गई है. जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि हमें अंग्रेजों द्वारा दिये गए कानूनों और उनकी भाषा से भी स्वतंत्र होना है.

मैं भारतीय पहले हूँ और जज बाद में-न्यायाधीश जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा उन्होंने कहा कि मैं भारतीय पहले हूँ और जज बाद में. नए कानूनों की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि बदलते दौर में हमें नई तकनीक की जरूरत है. नई तकनीक के आगमन के साथ नए अपराध भी सामने आएंगे. ऐसे में नए कानूनों की भी जरूरत होती है. इसलिए हमें इन कानूनों का साकारात्मकता से स्वागत करना चाहिए.जस्टिस शर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से आह्वान किया कि जो नए कानून आए हैं, उन के कार्यान्वयन पर भी स्टडी करनी चाहिए.

जेएनयू प्रशासन का नोटिस, प्रशासनिक-शैक्षणिक भवनों के पास विरोध प्रदर्शन करना होगा दंडनीय अपराध

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्रशासनिक और शैक्षणिक भवनों के 100 मीटर के दायरे में विरोध प्रदर्शन करना दंडनीय अपराध है. इससे संबंधित एक नोटिस जेएनयू प्रशासन ने जारी किया है. जेएनयू की डीन ऑफ स्टैंड स्टूडेंट (डीओएस) प्रोफेसर मनुराधा चौधरी ने बताया कि डीओएस ऑफिस भी एक प्रशासनिक भवन होने के चलते इस श्रेणी में आता है. इसलिए अब 100 मीटर के दायरे में कोई भी छात्र विरोध प्रदर्शन, भूख हड़ताल, धरना नहीं करेंगे. अगर कोई छात्र इन नियमों का उल्लंघन करता पाया जाएगा तो उसके खिलाफ जुमार्ना लगाया जाएगा. वहीं, इस आदेश के बाद छात्र संगठनों ने विरोध जताना शुरू कर दिया है. विद्यार्थी परिषद की जेएनयू इकाई का कहना है कि यह आदेश विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों के प्रदर्शन के अधिकार का हनन करता है. विद्यार्थी परिषद का मानना है कि इस आदेश से छात्रों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और असहमति जताने के उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन होगा. प्रोफेसर के तानाशाही रवैया से छात्र के अधिकार का हननः जेएनयू कैंपस छात्रों के लिए वो जगह है जहां विचारों का आदान-प्रदान होता है. जेएनयू जैसे कैंपस में छात्रों को अपनी समस्याएं उठाने और विरोध करने का अधिकार होना चाहिए. यह आदेश जेनयू वीसी, जेएनयू प्रशासन और डीओएस मनुराधा चौधरी के तानाशाही रवैये को दशार्ता है, जो लगातार छात्रों की आवाज को दबाने की कोशिश कर रहे हैं. जेएनयू प्रशासन और डीओएस द्वारा जारी किए गए नए मैनुअल में कहा गया है कि डीन ऑफ स्टूडेंट्स कार्यालय/इंटर हॉल एडमिनिस्ट्रेशन भवन 100 मीटर के दायरे में आती है. किसी भी शैक्षणिक और प्रशासनिक परिसर के 100 मीटर के दायरे के भीतर भूख हड़ताल, धरना या किसी अन्य रूप में प्रदर्शन करना या किसी भी शैक्षणिक और प्रशासनिक परिसर के प्रवेश या निकास द्वार को अवरुद्ध करना जेएनयू के छात्रों के अनुशासन और उचित आचरण के नियमों (विश्वविद्यालय के विधियों के अधीन संविधि 32(5) के अनुसार) के तहत दंडनीय अपराध है.

इस बीच, एबीवीपी (जेएनयू) अध्यक्ष राजेश्वर कांत दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों को अपनी आवाज उठाने से रोकने की कोशिश कर रहा है. यह प्रशासन का तानाशाही रवैया है. हम इस आदेश का पुरजोर विरोध करते हैं. छात्रों को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है. इस आदेश का असर छात्रसंघ चुनाव पर भी पड़ेगा. एबीवीपी की जेएनयू इकाई की मंत्री शिखा स्वराज ने कहा कि छात्रों को अपनी समस्याएं उठाने और विरोध करने का अधिकार है.

हमारी मांग है कि इस आदेश को तुरंत वापस लिया जाए. बता दें कि गुरुवार को जेएनयू प्रशासन द्वारा कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहे सफाई कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने के विरोध में छात्र संघ द्वारा डीओएस कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया गया था, जिसके बाद जेएनयू प्रशासन ने ये आदेश जारी किया है.

दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका की खारिज, कहा- याचिका सुनवाई योग्य नहीं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी. अदालत ने कहा कि यह सुनवाई योग्य नहीं है. केजरीवाल के पास निश्चित रूप से अदालत का दरवाजा खटखटाने और उचित कार्यवाही दायर करने के और साधन हैं. हाईकोर्ट ने कहा कि आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने पर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को किसी राजनीतिक दल के नेता या उम्मीदवार की गिरफ्तारी की जानकारी प्रदान करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई है. अदालत का विचार है कि वर्तमान रिट याचिका, जो अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को प्रभावी ढंग से चुनौती देती है, सुनवाई योग्य नहीं है. क्योंकि उक्त व्यक्ति न्यायिक आदेशों के अनुसार न्यायिक हिरासत में है, जो वर्तमान याचिका का विषय नहीं है. कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा कि याचिका स्पष्ट रूप से उस व्यक्ति का नाम बताने में विफल रही है, हालांकि, उसकी राजनीतिक स्थिति/स्थिति के संदर्भ के कारण पहचान स्पष्ट है. यह आदेश एक मई को पारित किया गया था. जबकि, विस्तृत फैसला शुक्रवार को उपलब्ध कराया गया. कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका में कोई योग्यता नहीं है और यह तुच्छ है. यह केवल प्रचार पाने के इरादे से दायर की गई याचिका लगती है. पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता अमरजीत गुप्ता के पास गिरफ्तार व्यक्ति के पक्ष में राहत मांगने का कोई अधिकार नहीं है.

इसमें कहा गया है कि पहले भी इसी तरह की एक जनहित याचिका (पीआईएल) को इस अदालत ने यह देखने के बाद जुमार्ने के साथ खारिज कर दिया था कि याचिकाकर्ता के पास केजरीवाल के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही के संबंध में राहत मांगने के लिए अदालत से संपर्क करने का कोई अधिकार नहीं है. याचिका में लगाए गए तथ्यों के अनुसार, संबंधित व्यक्ति (केजरीवाल का जिक्र) को उसकी गिरफ्तारी के बाद सक्षम अदालत के समक्ष विधिवत पेश किया गया और वह अदालत के आदेशों के अनुपालन में न्यायिक हिरासत में है. इसलिए, ईसीआई को अलग से जानकारी मांगने के निर्देश का कोई औचित्य या आधार नहीं है और यह कानून में मौजूद सुरक्षा उपायों को कमजोर करता है. इससे पहले हाईकोर्ट ने गिरफ्तार राजनीतिक नेताओं को लोकसभा चुनावों के लिए वर्चुअल मोड के माध्यम से प्रचार करने की अनुमति देने की मांग वाली याचिका को खारिज करते हुए कर दिया था. साथ ही यह भी कहा था कि इससे खूंखार अपराधियों, यहां तक कि दाऊद इब्राहिम को भी राजनीतिक दलों के साथ पंजीकृत होने और प्रचार करने का मौका मिलेगा. याचिकाकर्ता ने कहा था कि वह 16 मार्च को चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद राजनेताओं, खासकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक की गिरफ्तारी के समय से व्यथित है.

दिल्ली के कालिंदी कुंज के पास 40 से 50 झुग्गियों में लगी भीषण आग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके के बाद अब कालिंदी कुंज के पास वाली झुग्गियों में भीषण आग लग गई, जिसमें 40 से 50 बस्ती जलकर राख हो गई. घटना देख स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर विभाग को सूचना दी गई. फायर बिग्रेड की 14 गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचकर घंटों बाद आग पर काबू पाया गया. बताया जा रहा है कि कालिंदी कुंज थाना क्षेत्र के मदनपुर खादर कंचन कुंज इलाके में आग की घटना से लोगों के बीच अफरातफरी का माहौल बन गया.

वहीं, पुलिस स्थानीय लोगों से आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुट गई है. हालांकि, अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है. वहीं, राहत की बात है कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन स्थानीय लोगों के बस्ती जलने से उन्हें बेघर और काफी नुकसान करना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि इस घटना में प्रशासन मदद करेगा या नहीं.

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 7:45 बजे कालिंदी कुंज थाना क्षेत्र के मदनपुर खादर कंचन कुंज इलाके में स्थित झुग्गियों में आग लगने की सूचना मिली. इसके बाद तुरंत फायर विभाग को इसकी सूचना दी गई. मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की 14 गाड़ियां घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में सफल रहीं. पुलिस के मुताबिक आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास की झुग्गियां भी चिंगारी की चपेट में आ गईं.

वहीं, पूरे इलाके में चारों ओर धुएं के गुब्बारे नजर आ रहे थे. पुलिस ने आसपास के लोगों को घटना स्थल से दूर रखा, ताकि किसी को कोई नुकसान न हो. बता दें कि पिछले बुधवार को दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में भीषण आग लगने से 150 से 200 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं. इस घटना में झुग्गियों में रखे कई सिलेंडर ब्लास्ट हो गये थे. हालांकि, किसी व्यक्ति के घायल होने या मरने की कोई खबर नहीं थी.

नारायणा फ्लाईओवर का एक साइड बंद, ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के नारायणा फ्लाईओवर का एक हिस्सा निर्माण कार्य के लिए अगले 20 दिनों तक के लिए बंद कर दिया गया है. जानकारी के अनुसार फ्लाईओवर में लगे सस्पेंशन का टुकड़ा टूटकर गिर रहा है, जो आसपास रहने वाले लोगों के लिए खतरा बन रहा. ऐसे में स्थानीय लोगों ने कई बार पीडब्ल्यूडी से इसकी शिकायत की. ऐसे में अब इस फ्लाईओवर का मरम्मत कार्य शुरू किया गया है. दरअसल, अगले 20 दिनों तक धौला कुआं से पंजाबी बाग की तरफ जाने वाले फ्लाईओवर को बंद कर दिया गया. यह रिंग रोड का बेहद ही व्यस्ततम स्ट्रेट है. यहां 24 घंटे गाड़ियों की काफी आवाजाही रहती है. खासतौर पर सुबह और शाम के वक्त गाड़ियों की आवाजाही बहुत अधिक होती है. ऐसी स्थिति में ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी भी जारी की है. साथ ही ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को जाम की परेशानी कम करने के लिए वैकल्पिक रूट की व्यवस्था की है.

ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, फ्लाईओवर के एक हिस्से (जो पंजाबी बाग से धौला कुआं की तरफ जाता है) को शाम 4 बजे से लेकर रात 10 बजे तक के लिए धौला कुआं से पंजाबी बाग की तरफ जाने वाले ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा. वहीं, इस दौरान पंजाबी बाग से ढोलकों की तरफ जाने वाला ट्रैफिक पुल नीचे से गुजरेगा. क्योंकि पुल के नीचे भी कई जगह पर कट है. सड़क के दोनों तरफ कॉलोनी और मार्केट में रहने वाले लोगों को सड़क पार करने में दिक्कत ना हो इसके लिए जगह-जगह ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है. ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरीः ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी एडवाइजरी में तीन रूट तय किए गए हैं. पहला रूट धौला कुआं से वंदे मातरम मार्ग लेने के लिए बताया गया है. फिर प्रोफेसर रामनाथ विज मार्ग पर बाएं मुड़े, रतनपुरी चौक से बाएं मुड़े, देव प्रकाश शास्त्री मार्ग का इस्तेमाल करें, लोहा मंडी टी पॉइंट से गोस्वामी गिरधारी लाल मार्ग पर बाएं मुड़े और फिर नारायण टी पॉइंट से दाएं मुड़कर मायापुरी के लिए रिंग रोड लें. दूसरा रूटः धौला कुआं से करियप्पा मार्ग लेने की सलाह दी गई. फिर जेल रोड से लाजवंती चौक की तरफ चलें और फिर सतगुरु राम सिंह मार्ग पर दाएं मुड़े और मायापुरी रिंग रोड पर निकलें. जबकि, तीसरा रूट दिल्ली कैंट मेट्रो से मोड़ मार्ग लेकर करियप्पा मार्ग पर दाएं मुड़े. फिर जेल रोड से लाजवंती चौक तक पहुंचे. यहां से फिर सत गुरु राम सिंह मार्ग होते हुए मायापुरी रिंग रोड पहुंचे.

लोकसभा प्रत्याशी कमलजीत सेहरावत के पास कोई वाहन नहीं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पश्चिमी दिल्ली सीट से भाजपा प्रत्याशी कमलजीत कमलजीत सेहरावत ने गुरुवार को अपना नामांकन दाखिल किया. उनके पति राजकुमार सेहरावत ने भी उनके साथ डमी प्रत्याशी के तौर पर भारतीय जनता पार्टी से अपना नामांकन दाखिल किया. इस दौरान नामांकन के साथ दिए गए शपथ पत्र में उन्हें लेकर कई बात सामने आई. दरअसल दक्षिणी दिल्ली नगर निगम से एक बार मेयर और दो बार निगम पार्षद कमलजीत सेहरावत के पास अपना कोई दो दोपहिया और चार पहिया वाहन नहीं है. हालांकि वह 4,08,39,755 रुपये कीमत की चल और अचल संपत्ति की मालकिन हैं. शपथ पत्र के अनुसार 51 वर्षीय कमलजीत सेहरावत ने 1,30,79,294 रुपये की चल संपत्ति और 2,77,60,461 रुपये की अचल संपत्ति घोषित की है. इनकी चल संपत्ति में 2,30,000 रुपये कैश भी शामिल है. उनके पास 500 ग्राम सोना (कीमत 34,00,000 रुपये) और 40 कैरेट का स्टोन (कीमत 8,00,000 रुपये) भी है. कमलजीत सेहरावत ने हिमाचल विश्वविद्यालय से कॉमर्स में मास्टर्स किया है. इसके अलावा उन पर 21 लाख रुपये की देनदारी भी है, जो इन्होंने अपने पति और परिवार के अन्य सदस्यों से ले रखी है. उनके ऊपर कोई मुकदमा दर्ज नहीं है. वहीं उनके ऊपर किसी बैंक का लोन नहीं है. मौजूदा समय में वह द्वारका के 120 बी वार्ड से निगम पार्षद हैं. साथ ही वह दिल्ली नगर निगम की स्थाई समिति की सदस्य और भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश की महामंत्री भी हैं.

इंडिया गठबंधन प्रत्याशी डॉ. उदित राज ने किया नामांकन

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर दिल्ली में होने वाले छठे चरण के मतदान के लिए नामांकन की प्रक्रिया तेज हो गई है. दिल्ली के सभी प्रत्याशी अब इस चुनावी मैदान में आधिकारिक तौर पर अपना दम भरने के लिए नामांकन का रहे हैं. इसी फेहरिस्त में उत्तर पश्चिम संसदीय क्षेत्र से इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के प्रत्याशी डॉ. उदित राज ने शुक्रवार को अपना नामांकन दाखिल किया. कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. उदित राज की नामांकन रैली में बड़ी संख्या में आप व कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल हुए. इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री चौ. वीरेंद्र सिंह, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष देवेंद्र यादव और दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय भी मौजूद रहे. पूर्व केंद्रीय मंत्री चौ. वीरेंद्र सिंह ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि भाजपा इस चुनाव में 200 सीट भी नहीं जीत पाएगी. वहीं, उदित राज ने कहा कि बीजेपी इस समय घबराई हुई है. मैं अपने काम के आधार पर वोट मांगने जा रहा हूं.गौरतलब है कि दिल्ली में अलग-अलग लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों का नामांकन जारी है. राजनीतिक दलों के प्रत्याशी के अलावा निर्दलिय प्रत्याशी भी नामांकन करने पहुंच रहे हैं. शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी रामवीर बिधूड़ी और प्रवीण खंडेलवाल ने भी नामांकन किया. उनके अलावा दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से ट्रांसजेडर प्रत्याशी राजन सिंह का नामांकन भी चर्चा का विषय रहा.

शाह ने साक्षात्कार में माना है कि ईडी का पहले दिन से केजरीवाल को गिरफ्तार करने का इरादा था : आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को दावा किया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक साक्षात्कार में यह स्पष्ट किया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक साजिश के तहत दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया है।

आप की नेता आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने एक समाचार चैनल को दिए एक साक्षात्कार में यह स्पष्ट किया है कि जब पहली बार समन भेजा गया था तब से ही प्रवर्तन निदेशालय का इरादा केजरीवाल को गिरफ्तार करने का था आतिशी ने कहा, जिस दिन से केजरीवाल को ईडी के समन मिलने शुरू हुए, आप ने खुलेआम कहा कि यह उन्हें गिरफ्तार करने की साजिश है। दिल्ली की मंत्री ने कहा कि ये ईडी के नहीं, बल्कि भाजपा के समन थे।

आतिशी ने कहा, तब भाजपा के प्रवक्ता यह कहते थे कि ईडी एक स्वतंत्र जांच एजेंसी है और उनका समन से कोई लेना-देना नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा केजरीवाल से डरती है क्योंकि वह उसके 10 साल के कुशासन का पदार्फाश कर सकते हैं। आतिशी ने कहा, अमित शाह ने खुद कहा था कि भाजपा शासित केंद्र सरकार और उसकी ईडी की मंशा पहले दिन से अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने और जेल में डालने की थी। उन्होंने दावा किया कि शाह ने कहा कि समन केजरीवाल को बुलाने और उन्हें गिरफ्तार करने का एक बहाना था।

डीजीएचएस ने कैशलेस फैसलिटिी के बदले नयिम, प्राइवेट अस्पतालों के भारी भरकम बलिों पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के प्राइवेट अस्पंतालों की मनमानी और भारी भरकम बिलों की शिकायतें सरकार और स्वास्ै वभिाग को मलिती रही हैं. अब प्राइवेट अस्प तालों की कार्यशैली पर दल्लिीई सरकार के कर्मचारियों ने भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. ताजा मामला दल्लिीद सरकार से सूचीबद्ध प्राइवेट अस्पमतालों/हेल्थी सेंटर्स को लेकर सामने आया है. दरअसल स्वास्थ्‍ श सेवा महानदिशालय (डीजीएचएस) को बड़ी संख्यो में अलग-अलग तरह की शिकायतें प्राप्तल हुई हैं. इसमें डीजीईएचएस लाभार्थियों को कैशलेस मेडकिल फैसलिटी नहीं देने से लेकर ओवर चार्ज करने व नयिमों का अनुपालन नहीं करने जैसी तमाम शकायितें मलिी हैं.

इसके बाद महानदिशालय की तरफ से एडवाइजरी जारी की गई है और इसका अनुपालन न करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं. स्वाुस्ल सेवा महानदिशालय के एसपीओ डॉ. एसके नायक की ओर से जारी एडवाइजरी में स्पगष्टस कयिा गया है कि प्राइवेट अस्पसतालों/हेल्थ सेंटर्स के साथ हुए करार के उल्ल्ंघन की बड़ी संख्या में शकिायतें मलि रही हैं. इसमें डीजीईएचएस लाभार्थियों को अप्वासइंटमेंट न मलिने से लेकर कैशलेस चकित्सिां सुवधिा प्रदान नहीं करने, सीजीएचएस/डीजीईएचएस दरों का पालन न करना और सीजीएचएस दर सूची से अधिक दरें वसूलने आदि की शकियतें सबसे ज्यानदा हैं. इस तरह की चकित्साि सुवधिाएं मौजूदा समय में सरकार में सेवाएं दे रहे कर्मचारियों/रटियिर्ड कर्मसियों और उनके आश्रितों को दी जाती हैं. लेकनि प्राइवेट अस्पचतालों की तरफ से नर्धिारति नयिमों का पालन नहीं कर उनका घोर उल्लंघन कयिा जा रहा है, जसिकी वभिाग को खूब शिकायतें मलिी हैं. महानदिशालय ने इन शकियतों को गंभीरता से लेते हुए अब फ्रेश एडवाइजरी कर इन सभी अस्पतालों को कड़ी चेतावनी दी है. साथ ही यह स्पेष्टर कर दयिा है कि प्राइवेट सूचीबद्ध अस्पताल अगर लाभार्थितयों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव करते हैं तो यह समझौते के नियमों और शर्तों के अंतर्गत एमओयू को उल्लंघन माना जाएगा. ऐसे अस्प ताल के खलिाफ नयिमानुसार सख्ता कार्रवाई की जाएगी. 5 साल पहले दएि थे ये नदिर्शः एडवाइजरी में 29 मार्च, 2019 को जारी समझौते का जक्रि करते हुए कहा गया है कि डीजीईएचएस लाभार्थियों के व्यापक हित को ध्याजन में रखते हुए इसके जरएि सभी सूचीबद्ध अस्पतालों को खास नर्दिश दिए गए थे. इसमें एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए कहा गया था, जिससे डीजीएचईएस लाभार्थियों (पेंशनभोगियों और सेवारत) की ओर से आसानी से संपर्क किया जा सके, यदि उनको ट्रीटमेंट में कसिी प्रकार की कोई परेशानी हो रही हो. डीजीएचएस का कहना है कि कई बार नर्दिश जारी होने बावजूद डीजीईएचएस लाभार्थियों को अभी भी तमाम दक्कितों का सामना करना पड़ रहा है. इसलिए, सभी सूचीबद्ध अस्पतालों को एमओयू के अनुसार डीजीईएचएस लाभार्थियों (पेंशनभोगियों और सेवारत) को बिना किसी भेदभाव के इलाज प्रदान करने का निर्देश दिया जाता है.

अस्पराताल को देनी होंगी ये सभी जानकारयिांः महानदिशालय की ओर से इस आदेश को 1 मई, 2024 से प्रभावी कयिा गया है. साथ ही यह भी नर्दिश दए गए हैं कि इस तारीख से अब डीजीईएचएस ईमेल के जरएि पैशेंट (रोगी) को एडमटि करने से लेकर डस्चिाएर्ज करने की पूरी डटिेल एक फॉर्मेट के जरएि संबंधित अस्पीतालों को देनी होगी. इस ईमेल की कॉपी एम्पैरनल्ड (सूचीबद्ध) अस्पतालों की ओर से उस वक्तप देनी होगी, जब वो कैशलेस बिलों के भुगतान के लिए दावा (क्लेअम) किया जाएगा. इस फॉर्मेट में पेशेंट के नाम, डीजीईएचएस कार्ड नंबर, कॉन्टैचक्टॉ नंबर और एडमशिन/डस्चिा र्ज डेट को ब्यौरा मेल पर देना अनवार्य कयिा गया है.

क्लेम पाने के लिए अस्पबताल को देना होगा पूरा फॉमेर्टः प्राइवेट अस्पशतालों की मनमानी पर नकेल कसते हुए स्वोस्प्यता वभिाग की ओर से यह भी साफ कर दयिा है कि, इस तरह की जानकारी अगर ईमेल के जरएि नहीं दी जाती है और उसकी कॉपी बलि क्लेसम के वक्तद संलग्न नहीं की जाती है तो बिल का भुगतान किसी भी परिस्थिति में नहीं किया जाएगा. इसलएि सभी सूचीबद्ध अस्पताल/सेंटर्स को डीजीईएचएस पेंशनभोगी लाभार्थियों के हर बिल के साथ नर्धिारति फॉर्मेट को सुनिश्चित करना जरूरी है. साथ ही अगर इस एडवाइजरी का अगर कोई अस्पाताल अनुपालन नहीं करता है, तो उसे गंभीरता से लेते हुए उसके खलिाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी. एडवाइजरी की प्रत सभी सूचीबद्ध प्राइवेट अस्पितालों/सेंटर्स के चकित्सिाय नदिेशक/अधीक्षकों को भी भेज दी गई है.

दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से ट्रांसजेंडर प्रत्याशी ने किया नामांकन

नई दिल्ली। दिल्ली की सात लोकसभा सीटों पर इस बार भारतीय जनता पार्टी और इंडिया गठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला होने वाला है. दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सहीराम पहलवान और भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी रामवीर बिधूड़ी आमने-सामने होंगे. लेकिन इस सीट से शुक्रवार को एक ऐसे प्रत्याशी ने नामांकन किया है, जो एक ट्रांसजेंडर हैं. वे कई किलोमीटर पैदल चलकर रिटर्निंग ऑफिसर केंद्र पहुंचे. इस दौरान वह काफी अलग वेशभूषा में नजर आए. राजन सिंह संगम विहार इलाके से ढोल नगाड़ों के साथ नामांकन करने साकेत स्थित रिटर्निंग ऑफिसर केंद्र पहुंचे. उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट की तरफ से सुरक्षा देने का आदेश भी दिया गया है. हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी तक उन्हें किसी तरह की सुरक्षा नहीं दी गई है. साथ ही कहा कि आज मैं बिना सुरक्षा के नामांकन करने निकला हूं. मैं बाबा साहब अंबेडकर का शुक्रगुजार हूं,

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति, सीनियर डिवीजनल मैकेनिकल इंजीनियर (कॉर्ड), उत्तर रेलवे, दिल्ली डिवीजन की ओर से अनुभवी और सक्षम निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित कार्य के लिए '**सी एंड डब्ल्यू डिपो एनडीएलएस और एएनवीटी में संबद्ध उपकरणों के प्रावधान के साथ पोर्टेबल केबिन की स्थापना और कमीशनिंग के साथ बायो टॉयलेट लैब की स्थापना**' पर सीलबंद ई-निविदा आमंत्रित करता है।

1.	कार्य का नाम	सी एंड डब्ल्यू डिपो एनडीएलएस और एएनवीटी में संबद्ध उपकरणों के प्रावधान के साथ पोर्टेबल केबिन की स्थापना और कमीशनिंग के साथ बायो टॉयलेट लैब की स्थापना
2.	कार्य स्थल	एनडीएलएस और एएनवीटी
3.	कार्य अवधि	छह महीने
4.	विज्ञापित राशि	रु. 56,88,550.80/- (जी.एस.टी. सहित)
5.	बयाना राशि	रु. 1,13,800/-
6.	निविदा प्रपत्र मूल्य	रु. 0/-
7.	ई-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का समय	दिनांक 10/05/2024; 18:30 बजे से 24/05/2024 15:00 बजे तक
8.	ई-निविदा बॉक्स बंद होने की तिथि और समय	दिनांक 24/05/2024 को 15.00 बजे
9.	ई-निविदा खुलने की दिनांक एवं समय	दिनांक 24/05/2024 को 15.00 बजे, यदि खोलने की तारीख अवकाश होता है तो ई-निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जाएगी
9.	ई-निविदा खोलने का स्थान	मैकेनिकल विभाग, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली – 110055

नोट:- निविदा का पूरा विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में पाया जा सकता है।

सं. 116-एस/बायो-टॉयलेट लैब./23-24/एमसी.IV 1342/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई–प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

टेंडर नोटिस सं. 09/2024-2025 दिनांक 03.05.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र.सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	10240052A	फायर रेतर्दान्त कर्टेन फैब्रिक (ब्लू कलर)	12783 मीटर	27.05.24
02	16243593	लेटरल डैम्पर 200 KG	433 नग	28.05.24
03	07231399B	वैल्यू मैगनेट जी–21,110वी	280 नग	03.06.24
04	12231005	सिंगल कोर एलास्टोमेरिक केबल साइज 240 एस क्यू एम एम, 1500 वोल्ट्स	1760 मीटर	03.06.24
05	07233446	एक्सल बॉक्स पिवट बुश विथ सॉलिड	3228 नग	01.07.24
06	07235154A	डोर अरेंजमेंट (RH & LH)	40 सेट	24.07.24

निविदा शर्तें–1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

1336/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 04 मई, 2024

300 से ज्यादा झुग्गियों में लगी आग, गैस सिलेंडरों के धमाकों से दहला इलाका

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

शहर के सेक्टर 54 क्षेत्र में शुक्रवार को झुग्गियों में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में 300 से ज्यादा झुग्गियां आ गईं। झुग्गियों में रखे एलपीजी के छोटे-बड़े सिलेंडर फटने से पूरा क्षेत्र धमाकों से दहल गया। आग बुझाने के लिए सेक्टर 29 दमकल केंद्र सहित अन्य दमकल केंद्रों से पहुंची दस से ज्यादा फायर ब्रिगेड ने लगभग पांच घंटे में पूरी तरह आग पर काबू पाया।

आग की लपटों और धुएं के कारण आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं लग पाया। किसी एक झुग्गी में खाना बनाते समय आग लगने का अंदेशा है और बाद में तेज हवा के कारण आग ने आसपास की 300 से ज्यादा झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया।

दमकलकर्मी सुधीर ने बताया कि आग काफी क्षेत्र में फैल गई थी। आग के कारण झुग्गियों में रखा काफी सामान जल गया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। दस से ज्यादा फायर ब्रिगेड की मदद से लगभग पांच घंटे में आग को बुझा दिया गया। इस क्षेत्र में लगभग 500 झुग्गियां भी बनी हुई थी। तुरंत चारों तरफ से आग बुझाने से अन्य झुग्गियों तक आग नहीं फैली, जिससे बचाव हो गया।

एक-एक करके फटते रहे सिलेंडर

झुग्गियों में लोग खाना बनाने के लिए एलपीजी के छोटे और बड़े सिलेंडर रखते हैं। जैसे ही आग लगी, झुग्गियों में रखे सिलेंडर एक-एक करके फटने लगे। गनीमत यह रही कि इन धमाकों की चपेट में कोई नहीं आया। दमकलकर्मियों को भी सिलेंडर फटने के कारण आग बुझाने में परेशानी हुई। आसपास के क्षेत्र में काफी धुआं फैल गया। रोते-बिलखते रहे लोग झुग्गियों में रखा सामान अपनी आंखों के सामने जलता देख झुग्गियों में रहने वाले लोग रोते-बिलखते रहे। काफी ज्यादा सामान जलने से नुकसान हो गया। शहर में झुग्गियों में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। हर साल गर्मी के दिनों में झुग्गियों में गर्मी होने तथा हवा आदि चलने के कारण आग लग जाती है। सेक्टर 54 में झुग्गियां प्राइवेट जमीन पर बसी थी या यह सरकारी जमीन पर कब्जा था, इसकी जांच की जा रही है। आग लगने की सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। किराए के लालच में बसा रहे झुग्गियां शहर में सरकारी या प्राइवेट जमीन पर किराया वसूलने के लिए झुग्गियां बसाई जा रही हैं। एक झुग्गी का किराया पंद्रह सौ रुपये से लेकर पंद्रह सौ रुपये से ज्यादा तक वसूला जाता है। इनमें कई जगह पर चोरी की बिजली का उपयोग किया जा रहा है। लेकिन विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। इससे पहले नौ जनवरी 2023, 19 अप्रैल 2023 और 11 सितंबर 2023 को गुरुग्राम में झुग्गियों में आग लगने से नुकसान हुआ था। गत वर्ष सेक्टर 49 के समीप गांव घसौल में आग की चपेट में आने से 300 झुग्गियां जल गई थी।

नांगलोई में बम है, दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर को आया ईमेल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब पुलिस की ईमेल आईडी पर एक बम की धमकी का मेल आया। चेक किया गया तो उसमें नांगलोई में कहीं बम होने की धमकी थी। पहले तो इस मेल से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया, फिर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो वह ट्रेस करते हुए मेल भेजने वाले तक पहुंच गई।

मेल भेजने वाले तक पहुंची पुलिस तो रह गई हैरान

मेल भेजने वाले का पता लगने पर पुलिस उस तक पहुंची तो पता चला कि वह नाबालिग है। पुलिस ने उसे पकड़कर उसकी अच्छे से काउंसलिंग की और उसके माता-पिता को सौंप दिया।

दिल्ली के जय सिंह रोड पर स्थित पुलिस हेडक्वार्टर नांगलोई से 18 किमी दूर है। पुलिस हेडक्वार्टर ने अपने बयान में बताया है कि एक इमैच्योर बच्चे ने मेल भेजा था और उसकी सुरक्षा और जेजे कानून के तहत उसकी पहचान उजागर नहीं की जा सकती। मेल भेजना बच्चे की शरारत थी।

ट्रेन का कंफर्म टिकट बनाने का लालच देकर करते टारगेट

- 22 मोबाइल, 25 क्रेडिट और डेबिट कार्ड भी हुए बरामद
- 11 मामलों का खुलासा, नकली TTE गैंग के तीन 3 पकड़े
- बिहार के लोगों को बनाते निशाना, ATM से निकालते कैश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

क्राइम ब्रांच के सेंट्रल रेंज की पुलिस टीम ने भोले भाले लोगों को निशाना बनाकर और नकली ळळए बनकर चीटिंग करने और लूटपाट करने वाले एक शातिर गैंग का खुलासा किया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनकी पहचान संतोष, आशुतोष कुमार और अफरोज अंसारी के रूप में हुई है। यह सभी बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले हैं। इनके पास से 22 मोबाइल, 25 क्रेडिट और डेबिट कार्ड भी बरामद किए गए हैं। इनकी गिरफ्तारी से 11 मामलों का खुलासा किया गया है।

एडिशनल सीपी संजय भाटिया ने बताया कि ASI उमेश कुमार को एक इनफार्मेशन मिली थी। इस गैंग के बारे में की रेलवे पैसेंजर को टारगेट करने वाला एक चीटिंग की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। उन्हें रेलवे का कंफर्म टिकट के बहाने टारगेट करते हैं। उस सूचना पर डीसीपी राकेश पावरिया की देखरेख में एसीपी पंकज अरोड़ा, इंस्पेक्टर सुनील भारद्वाज की टीम ने पूरी जानकारी इकट्ठा की और फिर एक आरोपी को गुरुग्राम के इफको चौक के पास से ट्रैक किया।

उसकी पहचान की गई, पूछताछ में पता चला कि यह मेट्रो के अंदर घूमते थे और जो लोग ट्रेन से बिहार जाने वाले लग रहे थे। उन्हें अपनी बातों में फंसाकर उन्हें कंफर्म टिकट का भरोसा दे करके चीटिंग करते थे। इनको लोगों के बैग से जो डेबिट कार्ड मिलता, उसका पिन नंबर पीड़ित के पॉकेट डायरी में लिखे गए पीन का इस्तेमाल करके कैश भी निकाल लेते थे।

संतोष की निशानदेही पर उसके सहयोगी अफरोज और आशुतोष को भी डाबड़ी इलाके से पकड़ा गया। जो एटीएम से कैश निकालते हुए सीसीटीवी में कैद हुआ था। इसके पास से अलग-अलग बैंक के 11 मोबाइल और दो पैन कार्ड बरामद किए गए। इस गैंग की गिरफ्तारी से 11 मामलों का खुलासा करने का पुलिस ने दावा किया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क वृहद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। स्वास्थ्य एवं चिकित्सकीय सेवाओं को गाँव-गाँव पहुचाने के मिशन चलो गाँव की ओर के तहत आज विश्व अस्थमा दिवस पर वैंकटेश्वरा समूह के विम्स मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल की ओर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ एवं मुरादाबाद मण्डल के आधा दर्जन गाँवों में एक निःशुल्क वृहद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये गये, जिसमे एक हजार से अधिक मरीजों की निःशुल्क मेडिकल जांच एवं उपचार कर उन्हें दवाइयाँ वितरित की गयी। इसके साथ ही गंभीर रूप से दमा रोग, श्वांस रोग, टी.बी. एवं फेफड़ों के संक्रमण से जूझ रहे एक दर्जन से अधिक मरीजों को उच्चस्तरीय उपचार के लिए संस्थान की एम्बुलेंस वैन से विम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गयो इस अवसर पर समूह चेयरमैन डा. सुधीर गिरि ने कहा कि आज आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य योजनाओं से गरीब आदमी भी लाखों रुपए का उपचार बिल्कुल मुफ्त पा रहा है। वैंकटेश्वरा का विम्स मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल रोजाना अपने यहा आने वाले हजारों मरीजों को सस्ती/ निःशुल्क विश्वस्तरीय चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य सेवाएँ देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं इससे पहले आज मेरठ एवं मुरादाबाद मण्डल में अलग-अलग जगह आयोजित स्वास्थ्य शिविरों का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. आई. बी. राजू, हॉस्पिटल मार्केटिंग निदेशक एम. ए. चौधरी आदि ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर चिकित्सकों की टीम में डा. ईकराम ईलाही, डा. मानिक त्यागी, डा. शिवम अग्रवाल, डा. रोहन त्यागी, डा. रवि मोहन, डा. मोनिका देशवाल, डा. शाहिद मीर, डा. प्राची त्यागी, डा. वारिस बिलाल, डा. जसकरन सिंह, डा. हेमन्त, डा. मोनिका, डा. कोमल, डा. जी. मनीषा, डा. अनुकृति, नर्सिंग सहायक बिलाल खान, सीमा चौहान, मोहित, ज्योति और अनुज आदि लोग शामिल रहे।

सीबीएसई 10वीं-12वीं के नतीजे घोषित होने की तारीख का एलान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं -12वीं के नतीजे आने की तारीख की घोषणा कर दी। सीबीएसई ने बताया कि 20 मई 2014 के बाद कभी भी नतीजे घोषित हो सकते हैं। जो भी छात्र सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं परीक्षा 2024 में उपस्थित हुए थे, उन्हें थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। इस साल, सीबीएसई कक्षा 10 की परीक्षाएं 15 फरवरी से 13 मार्च तक आयोजित की गई थी, जबकि कक्षा 12 की परीक्षाएं 15 फरवरी से 2 अप्रैल, 2024 तक आयोजित की गईं। दोनों परीक्षाएं एक ही पाली में यानी सुबह 10:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक आयोजित की गईं।

दिल्ली के 5.80 लाख छात्रों का इंतजार बढ़ा इस साल, लगभग 26 देशों से कुल 39 लाख छात्रों ने परीक्षा दी। अकेले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में, 5.80 लाख छात्रों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024 में भाग लिया। देशभर में 877 परीक्षा केंद्रों पर ये परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। सीबीएसई ने कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों परीक्षाओं में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए मेरिट सूची की घोषणा करने की परंपरा को स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया था।

पिछले साल, सीबीएसई कक्षा 10, 12 के परिणाम 12 मई, 2023 को घोषित किए गए थे। कक्षा 10वीं के लिए कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 93.12% दर्ज किया गया था, जबकि सीबीएसई 12वीं का उत्तीर्ण प्रतिशत 87.33% था।

अवारा कुत्ते के काटने के मामले में साढे सात लाख रुपए का मुआवजा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने उत्तर प्रदेश सरकार को अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के परिसर में अवारा कुत्ते के काटने से एक व्यक्ति की मौत के मामले में परिजनों को साढे सात लाख रुपए का मुआवजा देने को कहा है। आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को मृतक सफदरर अली खान के परिजनों को साढे सात लाख रुपए का भुगतान करने को कहा है। मानवाधिकार संस्था ने आठ सप्ताह के अंदर इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट उसे देने की भी बात कही है।

आयोग ने इस संबंध में पिछले वर्ष 17 अप्रैल की मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए मुख्य सचिव, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के उप कुलपति और अलीगढ मुस्लिम निगम के आयुक्त को नोटिस जारी कर विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। संबंधित अधिकारियों से मिली जानकारी के आधार पर आयोग ने उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर पूछा था कि मृतक के परिजनों को आर्थिक राहत के रूप में साढे सात लाख रुपये का भुगतान करने की सिफारिश क्यों नहीं की जाए। संबंधित अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार का एक पत्र भेजा, जिसमें कहा गया कि आयोग के नोटिस में ऐसा कोई निर्देश नहीं है जिसका विश्वविद्यालय को पालन करना चाहिए। विश्वविद्यालय की ओर से मानव अधिकारों के उल्लंघन या उल्लंघन के रोकथाम में लापरवाही का कोई कार्य नहीं किया गया है। आयोग ने कहा कि संबंधित अधिकारी स्पष्ट रूप से इस मामले में अपनी जिम्मेदारी टाल रहे थे। इसलिए आयोग ने एक बार फिर से दोहराया कि मृतक के परिजनों को साढे सात लाख रुपये की राहत राशि दी आठ सप्ताह के अंदर दी जानी चाहिए।

प्रत्याशी प्रवीन खंडेलवाल ने चांदनी चौक से भरा नामांकन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

लोकसभा चुनाव के लिए नई दिल्ली की चांदनी चौक से भाजपा (भाजपा) प्रत्याशी प्रवीण खंडेलवाल और दक्षिण दिल्ली से रामबीर सिंह बिधूड़ी ने अपना-अपना नामांकन शुक्रवार को दाखिल किया। प्रवीण खंडेलवाल के समर्थन में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और वर्तमान सांसद डॉ. हर्षवर्धन मौजूद रहे। वहीं, दक्षिण दिल्ली से भाजपा प्रत्याशी रामबीर सिंह बिधूड़ी के साथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कई अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

नामांकन से पहले किया रोड शो प्रवीण खंडेलवाल ने अपने प्रस्तावकों के साथ अलीपुर चुनाव कार्यालय जाकर नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पहले खंडेलवाल ने चांदनी चौक के प्रसिद्ध प्राचीन गौरी शंकर मंदिर में दर्शन किया और पार्टी कार्यकताओं के साथ रोड शो किया। इस दौरान खंडेलवाल ने कहा कि मैंने दो दिन पूर्व चांदनी चौक के नागरिकों और व्यापारियों के प्रति अपना ह्यसंकल्प पत्र 2024ह्ण जारी किया है। मैं इसमें किए सभी संकल्प 2027 तक पूर्ण करूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने जा रहे हैं। चांदनी चौक की जनता के साथ हम उनकी आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरेंगे। मैं कल भी कार्यकर्ता था, आज भी हूं और कल भी रहूंगा। मोदी सरकार ने पिछले दस सालों में जो विकास की लकीर खींची है, उसका कोई तुलना नहीं है और उसी के भरोसे हम तीसरी बार सरकार बनाएंगे। पीयूष गोयल का बड़ा बयान वहीं, चांदनी चौक से वर्तमान सांसद डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि भाजपा संगठन आधारित पार्टी है। हमारे कार्यकर्ता परिवार, व्यक्ति के लिए नहीं संगठन के लिए काम करते हैं। हर प्रत्याशी संगठन का प्रतीक होता है। हम सब भाजपा प्रत्याशी प्रवीण खंडेलवाल को जिताने का काम करें। इस दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इंडी गठबंधन है या नहीं, अभी तो वह ही नहीं समझ आया है क्योंकि पंजाब में एक-दूसरे को पूरी तरह से गाली देते हैं और दिल्ली में सीट एडजस्टमेंट की बात कर रहे हैं। यह गठबंधन लोगों को सिर्फ गुमराह करने के लिए बना है क्योंकि न ही इसका कोई विकास का ध्येय है और न ही कोई विचार। गोयल ने कहा कि गलत वीडियो और फेक नैरेटिव के अलावा इंडी गठबंधन के पास देश को देने के लिए कुछ नहीं है। न ही कोई सोच है और न ही कोई मार्ग, जिससे भारत का विकास हो सके।

उत्तरी दिल्ली के रोहिणी में भाग रहे एक अपराधी के पैर में गोली लगी; पकड़ा गया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हत्या के एक मामले में वांछित 35-वर्षीय एक अपराधी को शुक्रवार तड़के यहां रोहिणी में मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रोहिणी में जापानी पार्क के समीप तड़के तीन बजे मुठभेड़ में अपराधी मोहम्मद फैजान उर्फ नन्हे के पैर में गोली लगी। फैजान कालू और गोगा नाम से भी जाना जाता है। पुलिस उपायुक्त (विशेष शाखा) अमित कौशिक के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि फैजान जापानी पार्क के पास अपने किसी साथी से मिलने आ रहा है।

कौशिक ने कहा, निरीक्षक मान सिंह एवं संजीव की अगुवाई में एक दल ने जाल बिछाया। लेकिन पुलिस दल को देखते हुए फैजान ने उसपर गोलियां चला दीं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस दल के सदस्यों ने भी गोलियां चलायीं और एक गोली उसके दाहिने पैर में लगी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उसके पास से बंदूक, अत्याधुनिक अर्धस्वचालित पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किये हैं तथा उसकी मोटरसाइकिल भी जब्त की है।

उनके अनुसार फैजान को नजदीकी डॉ. साहब आम्बेडकर अस्पताल ले जाया गया और वहां उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया।

कौशिक के अनुसार, फैजान पर दिल्ली, उत्तर प्रदेश एवं हरियाणा में पहले हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली, तथा हथियार कानून के विभिन्न प्रावधानों के तहत सात मामले पहले से दर्ज हैं और उसका संबंध गोगी एवं काले गैंग से भी है।

उन्होंने कहा कि वह उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के लोनी में हत्या के एक मामले में वांछित है तथा वह गिरफ्तारी से बचता फिर रहा था।

दिल्ली के ओखला में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में एक नाबालिग समेत दो लोगों ने एक व्यक्ति की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हत्या के पीछे का मकसद एक लड़की को लेकर आपसी रंजिश हो सकती है, लेकिन इस संबंध में जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों की पहचान धर्मेंद्र (18) और 17 वर्षीय एक किशोर के रूप में की है। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार की शाम पांच बजकर 27 मिनट पर ओखला पुलिस थाने में एक लड़के के घायल होने के संबंध में दो पीसीआर कॉल आई थीं, जिसके बाद पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य पीसीआर कॉल शाम छह बजकर 22 मिनट पर ओखला औद्योगिक क्षेत्र के एक अस्पताल से

मिली थी, जिसमें कहा गया कि जेजे कैंप, ओखला फेज-2 के निवासी शिवम को घायल स्थिति में लाया गया है और ओखला के सलोरा पार्क में उसका झगड़ा हो गया था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) राजेश देव ने कहा, उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया और बाद में इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि शिवम बृहस्पतिवार की शाम लगभग पांच बजकर 10 मिनट पर धर्मेंद्र और एक लड़के के साथ सलोरा पार्क आया था। उन्होंने कहा, कुछ मिनट बाद, शिवम पार्क से बाहर आया तो उसकी गर्दन से खून बह रहा था। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि नाबालिग ने शिवम की गर्दन पर चाकू मारा था। पुलिस ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धाराओं 302 (हत्या) और 34 (सामान्य इरादे) के तहत मामला दर्ज किया गया और धर्मेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि नाबालिग भी पकड़ा जा चुका है।

रामवीर सिंह विधूड़ी ने दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से किया नामांकन

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार रामवीर सिंह विधूड़ी ने शुक्रवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर उनके साथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विरेन्द्र सचदेवा और कई अन्य नेता मौजूद रहे। इससे पहले लाडो सराय से साकेत तक विशाल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समर्थक ढोल ताशे के साथ पहुंचे। इस सीट से रामवीर सिंह विधूड़ी का मुकाबला आम आदमी पार्टी के सही राम पहलवान से है। नामांकन के बाद रामवीर सिंह विधूड़ी ने दावा किया कि उनकी जीत के साथ भाजपा इस बार दिल्ली की सभी सीटें जीतेगी।

अदालत ने डेरियों में ऑक्सीटॉसिन के इस्तेमाल पर कार्रवाई का निर्देश दिया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को राजधानी में गाय-भैंस रखने वाली डेरियों में ऑक्सीटॉसिन के गलत उपयोग के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि हार्मोन संबंधित दवा देना पशु क्रूरता और एक अपराध है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली सरकार के औषधि नियंत्रण विभाग से साप्ताहिक निरीक्षण करने और मामला दर्ज करने को कहा। पुलिस इसकी जांच करेगी। अदालत ने दिल्ली पुलिस के खुफिया विभाग से ऑक्सीटॉसिन उत्पादन, पैकेजिंग और वितरण के स्रोतों की पहचान करने को कहा। साथ ही इस मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई करने को कहा।

अदालत ने यह आदेश राष्ट्रीय राजधानी में डेरियों की स्थिति से संबंधित सुनयना सिब्बल और अन्य की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया है। पीठ में न्यायमूर्ति पी एस अरोड़ा भी शामिल थे। पीठ ने अदालत कमिशनर द्वारा उठायी गयी इस बात को भी दर्ज किया कि ऑक्सीटोसिन का अंधाधुंध प्रयोग मवेशियों से अधिक दूध प्राप्त कर दूध का उत्पादन करने के उद्देश्य से किया जा रह है।

अदालत ने कहा, चूंकि ऑक्सीटोसिन को देना पशु क्रूरता है और यह पशुओं के प्रति क्रूरता से बचाव अधिनियम 1960 की धारा 12 के तहत एक संज्ञेय अपराध है, परिणामस्वरूप यह अदालत औषध नियंत्रण विभाग जीएसीटीडी को निर्देश देता है कि साप्ताहिक निरीक्षण करवाये जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि ऑक्सीटोसिन के गलत उपयोग या इसे रखने के सभी मामलों को पशुओं के प्रति क्रूरता से बचाव अधिनियम 1960 की धारा 12 एवं दवा एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम की धार 18(ए) के तहत दर्ज किया जाए।

इसमें कहा गया है, ह्यइस तरह के अपराधों की जांच संबंधित पुलिस थानों द्वारा करने का निर्देश दिया जात है। दिल्ली पुलिस के खुफिया विभाग को निर्देश दिया जाता है कि वह ऐसे नकली ऑक्सीटॉसिन उत्पादन, पैकेजिंग और वितरण के स्रोतों की पहचान करके कानून के मुताबिक कार्रवाई करे। अदालत ने यह भी कहा कि सभी डेरियों को उचित सीवेज, जल निकासी, बायोगैस संयंत्र, मवेशियों के घूमने के लिए पर्याप्त खुली जगह और पर्याप्त चारागाह वाले क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा, इस आशंका को ध्यान में रखते हुए कि लैंडफिल साइट्स के बगल में डेयरियां बीमारी और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं, इस अदालत का प्रथम दृष्टया विचार है कि इनको तुरंत स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। लेकिन कोई भी बाध्यकारी निर्देश जारी करने से पहले, अदालत संबंधित अधिकारियों से यह जानना चाहेगी कि इन निर्देशों को कैसे लागू किया जाना चाहिए।

लोस चुनाव के मद्देनजर केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर दलीलें सुनने पर विचार कर सकता है न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कहा कि वह दिल्ली में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर दलीलें सुनने को लेकर विचार करेगा।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा कि गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई में समय लगने की संभावना है और इसलिए, अदालत उन्हें अंतरिम जमानत देने पर जांच एजेंसी का पक्ष सुनने पर विचार कर रही है।

राजू ने कहा कि वह केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने का विरोध करेंगे। पीठ ने कहा, हम कह रहे हैं कि हम अंतरिम जमानत पर सुनवाई करेंगे और यह नहीं कह रहे कि हम अंतरिम जमानत देंगे। हम अंतरिम जमानत दे भी सकते हैं और नहीं भी दे सकते। शीर्ष अदालत ने राजू से सात मई को अंतरिम जमानत याचिका पर दलीलों के लिए तैयारी के साथ आने को कहा। पीठ ईडी द्वारा केजरीवाल को गिरफ्तार किए जाने के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई कर रही है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री 21 मार्च को गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक हिरासत में यहां तिहाड़ जेल में बंद हैं। शीर्ष अदालत ने 15 अप्रैल को ईडी को नोटिस जारी किया था और केजरीवाल की याचिका पर जवाब देने को कहा था।

इससे पहले नौ अप्रैल को उच्च न्यायालय ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखते हुए कहा था कि यह गैरकानूनी नहीं है और केजरीवाल को बार-बार जारी समन की अवहेलना करने और जांच में शामिल नहीं होने के बाद ईडी के पास बहुत कम विकल्प बचा था।

अदालत ने यूएपीए मामले में न्यूजक्लिक के मानव संसाधन प्रमुख की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा

- चक्रवर्ती ने दावा किया है कि उनके पास मामले के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी है

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामले में समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के मानव संसाधन विभाग प्रमुख अमित चक्रवर्ती की जमानत याचिका पर शुक्रवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया।

चीन समर्थक दुष्प्रचार के लिए धन प्राप्त करने के आरोप में समाचार पोर्टल के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया था।

चक्रवर्ती के वकील ने कहा कि मामले में आरोपपत्र पहले ही दायर किया जा चुका है और याचिकाकर्ता को सरकारी गवाह बनने के बाद अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में उद्धृत किया गया है। इसके बाद न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने आदेश सुरक्षित रख लिया।

वकील ने कहा कि उच्च न्यायालय के पास दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 482 के तहत चक्रवर्ती को जमानत देने का विवेकाधिकार है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील ने कहा कि अगर उन्हें (चक्रवर्ती को) राहत दी जाती है तो अभियोजन पक्ष को कोई आपत्ति नहीं है। चक्रवर्ती के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल को निचली अदालत ने मामले में माफी दे दी है और वह जांच में सहयोग भी कर रहा है। जनवरी में निचली अदालत ने चक्रवर्ती को मामले में सरकारी गवाह बनने की अनुमति देते हुए माफी दे दी थी। चक्रवर्ती ने दावा किया है कि उनके पास मामले के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी है, जिसका वह दिल्ली पुलिस को खुलासा करना चाहते हैं।

दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और चक्रवर्ती को पिछले साल तीन अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। ये दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। प्राथमिकी के मुताबिक, भारत की संप्रभुता में खलल डालने और देश के खिलाफ असंतोष पैदा करने के लिए समाचार पोर्टल को चीन से बड़ी मात्रा में धन मिला।

इसमें पुरकायस्थ पर यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान चुनावी प्रक्रिया को पटरी से उतारने लिए पीपुल्स अलायंस फॉर डेमोक्रेसी एंड सेक्युलरिज्म (पीएडीएस) नामक संगठन के साथ मिलकर साजिश रची।

पुलिस के अनुसार, प्राथमिकी में नामजद संदिग्धों और डेटा विश्लेषण के बाद सामने आए नामों के संबंध में पिछले साल तीन अक्टूबर को दिल्ली में 88 स्थानों और अन्य राज्यों में सात स्थानों पर छापेमारी की गई थी। न्यूजक्लिक के कार्यालयों और जांच के दायरे में आए पत्रकारों के आवासों से लगभग 300 इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए थे। छापेमारी के बाद विशेष प्रकोष्ठ ने नौ महिला पत्रकारों समेत 46 लोगों से पूछताछ की थी।

संक्षिप्त खबरें

अग्निकांड में मृतक के परिजनों को दी आर्थिक सहायता

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर बाजार स्थित नवानगर ग्रामीण गैस सिलेंडर के रिसाव के कारण भीषण आग लगी की घटना घटित हुई थी जिसमें आठ लोग बुरी तरह से झुलस गए थे जिसमें से हॉस्पिटल लेते जाते समय दो व्यक्तियों की जान मृत्यु हो चुकी थी और 8 पीड़ित व्यक्ति में से एक ही परिवार के 6 पीड़ित व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी। दुखद घटना के तुरंत बाद है वैशाली स्वर्णकार संघ बिदुपुर, राजापाकर, हाजीपुर नगर के स्वर्णकार समाज ने आगे बढ़कर बढ़िया इलाज हेतु पीड़ित परिवार को मदद स्वरूप नगद राशि प्रदान की गई है ' नगद राशि प्रदान कराते हुए हाजीपुर संघ के अध्यक्ष श्याम प्रसाद सोनी एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष कृष्ण भगवान उपस्थित रहे।

बाल विवाह के खिलाफ पूरे देश में उठाए जाएं सख्त कदम

राजस्थान हाई कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हुए गैर सरकारी संगठनों ने उठाई मांग

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा प्रदेश में बाल विवाहों की रोकथाम सुनिश्चित करने के राजस्थान हाई कोर्ट के फौजी आदेश के बाद पूरे देश में इस तरह की आवाज उठने लगी है कि उनके राज्य में भी इसी तरह के सख्त कदम उठाए जाएं। बिहार के मधेपुरा जिले में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन एलायंस के सहयोगी संगठन लोक भारती सेवा आश्रम ने राज्य सरकार से अपील की कि वह भी इस नजीर का अनुसरण करते हुए सुनिश्चित करें कि अक्षय तृतीया के दौरान कहीं भी बाल विवाह नहीं होने पाएं। हाई कोर्ट का यह फौरी आदेश ह्लजस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन एलायंसह्व की जनहित याचिका पर आया है। इन संगठनों ने अपनी याचिका में इस वर्ष 10 मई को अक्षय तृतीया के मौके पर होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी। न्यायमूर्ति शुभा मेहता और पंकज भंडारी की खंडपीठ ने कहा ह्ल सभी बाल विवाह निषेध अफसरों से इस बात की रिपोर्ट मंगाई जानी चाहिए कि उनके अधिकार क्षेत्र में कितने बाल विवाह हुए और उनकी रोकथाम के लिए क्या प्रयास किए गए।ह्व खंडपीठ का यह आदेश अक्षय तृतीया से महज 10 दिन पहले आया है। याचियों द्वारा बंद लिफाफे में सौंपी गई अक्षय तृतीया के दिन होने वाले 54 बाल विवाहों की सूची पर गौर करने के बाद खंडपीठ ने राज्य सरकार को इन विवाहों पर रोक लगाने के लिए बेहद कड़ी नजर रखने को कहा है। यद्यपि इस सूची में शामिल नाम में कुछ विवाह पहले ही संपन्न हो चुके हैं लेकिन 46 विवाह अभी होने बांकी हैं।

ह्लजस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन एलायंसह्व के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा, ह्लबाल विवाह वह घृणित अपराध है जो सर्वत्र व्याप्त है और जिसकी हमारे समाज में स्वीकार्यता है। बाल विवाह के मामलों की जानकारी देने के लिए पंचों व सरपंचों की जवाबदेही तय करने का राजस्थान हाई कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है। पंच व सरपंच जब बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक होंगे तो इस अपराध के खिलाफ अभियान में उनकी भागीदारी और कार्यवाहियां बच्चों की सुरक्षा के लिए लोगों के नजरिए और बर्ताव में बदलाव का वाहक बनेगी। बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम पूरी दुनिया के लिए एक सबक है और राजस्थान हाई कोर्ट का यह फैसला इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन एलाइंस पांच गैर सरकारी संगठनों का एक गठबंधन है जिसके साथ 120 से भी ज्यादा गैर सरकारी संगठन सहयोगी के तौर पर जुड़े हुए हैं जो पूरे देश में बाल विवाह बाल यौन शोषण और बाल दुर्व्यपार जैसे बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम कर रही हैं।

हाई कोर्ट का यह आदेश ऐसे समय आया है जब अक्षय तृतीया के मौके पर बाल विवाह के मामलों में खासी बढ़ोतरी देखने को मिलती है और जिसे रोकने के लिए राज्य सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर काम कर रहे तमाम गैर सरकारी संगठन हर संभव प्रयास कर रहे हैं। लोकभारती सेवा आश्रम के सचिव राजा बिराट ने कहा, ह्लराजस्थान हाई कोर्ट का यह आदेश ऐतिहासिक है जिसके दूरगामी नतीजे होंगे। देश में शायद पहली बार ऐसा हुआ है जब पंचायती राज प्रणाली को यह शक्ति दी गई है कि वह सरपंचों को अपने क्षेत्राधिकार में बाल विवाहों को रोकने में सफलता के लिए जवाबदेह ठहरा सके। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन एलायंस के सहयोगी के तौर पर हम पूरे देश के जिलाधिकारी से इसी तरह के कदम उठाने की अपील करते हैं। जमीनी स्तर पर हमारी पहलों ने यह साबित किया है कि बाल विवाह जैसे मुद्दों के समाधान में सामुदायिक भागीदारी सबसे अहम है यह अदालती आदेश बच्चों की सुरक्षा के लिए समुदायों को लामबंद करने में स्थानीय नेतृत्व की जवाबदेही की जरूरत को रेखांकित करता है।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत संगोष्ठी एवं रैली का किया गया आयोजन

मतदान हमारा सबसे बड़ा राष्ट्रीय पर्व है : डॉ. अशोक

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा मतदान हमारा सबसे बड़ा राष्ट्रीय पर्व है। इसके जरिए हम अपने समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाते हैं। यह बात श्रीकृष्ण विश्वविद्यालय, उदाकिशुनगंज के कुलपति सह मधेपुरा महाविद्यालय, मधेपुरा के संस्थापक प्रधानाचार्य डॉ. अशोक कुमार ने कही। वे शुक्रवार को मधेपुरा महाविद्यालय, मधेपुरा में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा आयोजित मतदाता जागरूकता संगोष्ठी सह रैली का उद्घाटन कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन 17 बिहार बटालियन, एनसीसी, सहरसा के निदेशानुसार किया गया। राष्ट्र-निर्माण का यज्ञ है मददान उन्होंने कहा कि मतदान वास्तव में राष्ट्र-निर्माण का यज्ञ है। इसमें हमारा एक-एक वोट महत्वपूर्ण है। हम अपने वोट के माध्यम से अपना जनप्रतिनिधि चुनते हैं, जो हमारी राष्ट्रीय नीतियों को तय करते हैं। जाहिर है कि राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारी निभाएं युवा इस अवसर पर मुख्य अतिथि दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर ने कहा कि युवा ही राष्ट्र के भविष्य हैं। उन्हें आगे बढ़कर राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारियों को निभाना चाहिए। युवाओं को उत्साहपूर्वक मतदान में भाग लेना चाहिए और लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती के हो रहे हैं कार्यक्रम कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन करते हुए मधेपुरा महाविद्यालय के एनसीसी पदाधिकारी सह बीएनएमयू के सिंडिकेट सदस्य सह कैप्टन गौतम कुमार ने कहा कि एनसीसी हमेशा राष्ट्रहित एवं जनसरोकार के कार्यों के लिए समर्पित रहा है। इसी कड़ी में लोकतंत्र की मजबूती के लिए जगह-जगह जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए उपाचार्य डॉ. भगवान कुमार मिश्र ने कहा कि हम अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर मतदान करें। अच्छे लोगों को चुनें और राष्ट्र को आगे बढ़ाने में योगदान दें। दिलाई गई शपथ संगोष्ठी के दौरान सबों को मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गई। ह्लहम, भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मयार्दा को बनाये रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, भयमुक्त होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें।ह्व निकाली गई जागरूकता रैली कार्यक्रम के अंत में एनसीसी कैडेट्स द्वारा एक जागरूकता रैली भी निकाली गई। रैली में कई नारे लगाए गए। इनमें ह्यदेश के लिए मतदानह्ल, ह्यमतदान करना एक बड़ी जिम्मेदारी अबकी बार 18 की बारीह्ल, ह्यमधेपुरा है तैयार, मतदान करेंगे सब इस बारह्ल आदि नारे शामिल थे। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स सुभाष कुमार, दीपु कुमार, राजेश कुमार, अनुराग, मुस्कान कुमारी, सुधा कुमारी, रश्मि कुमारी, ब्यूटी कुमारी, महारानी कुमारी, नेहा, प्रीति कुमारी आदि उपस्थित थे।

कौन बनेगा मधेपुरा का महाराजा?, लालू, शरद से लेकर बीपी मंडल तक को कई बार हराई है यहां की जनता

प्रात : किरण संवाददाता

आलमनगर (मधेपुरा) बिहार में एक कहावत है रोम पोप का तो मधेपुरा गोप का। जी हां, गोप प्रभावित इस संसदीय सीट पर जहां से बड़े-बड़े राजनेता ने जीत का परचम लहराया है तो दूसरी तरफ इसी जमीन पर उन्हें जबरदस्त हार का सामना भी करना पड़ा है। वह भी एक दफा नहीं चार-चार बार, चाहे समाजवादी राजनीति के पुरोधा बीपी मंडल हों या सामाजिक न्याय के मसीहा कहे जाने वाले लालू यादव हों या फिर मंडल राजनीति के उपज शरद यादव हो सब के सब सियासत के एक से एक नामी धुरंधर जिनकी वजह से मधेपुरा का नाम राष्ट्रीय राजनीति की क्षितिज पर चमका उन्हें यहां की जनता ने उसी तर्ज पर हराया भी। गौरतलब है कि वर्तमान में पूर्णिया से चुनाव लड़ रहे पप्पू यादव भी यहां से दो बार सांसद रह चुके हैं। लेकिन इसी जमीन पर पप्पू यादव ने अपने दम पर 2019 के लोकसभा और 2020 के विधानसभा में चुनावी या अखाड़े में किस्मत आजमाने की कोशिश की तो मधेपुरा की जनता ने ऐसी पटखनी दी की बेचारे अपनी सीट बदलने पर ही मजबूर हो गए। बताया जाता है कि राजद सुप्रीमो लाल यादव और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव उन्हें मधेपुरा से लड़ने का खुला ऑफर देते रहे लेकिन पप्पू यादव ने मधेपुरा से चुनाव लड़ने से ही मना कर दिया। इसी तरह समाजवादी पुरोधा बीपी मंडल जो मंडल आयोग के अध्यक्ष के रूप में पूरे देश में चर्चित हुए उन्हें भी मधेपुरा से दो दो बार चुनावी हार का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि मंडल आयोग की रिपोर्ट के आधार पर ही आरक्षण लागू किया गया था। बता दें कि 1978 में जनता पार्टी की सरकार द्वारा मंडल आयोग का गठन बीपी मंडल की अध्यक्षता में किया गया था। बीपी मंडल ने मंडल आयोग के अध्यक्ष के तौर पर काम करते हुए 1980 में रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी थी। हालांकि इसके बाद इन्हें मधेपुरा से ही हार का सामना करना पड़ा और चुनाव परिणाम में तीसरे स्थान पर रहने को मजबूर हो गए। बीपी मंडल 1967,1968 व 1977 में सांसद बने थे जबकि 1971 के चुनाव में उन्हें पराजय का मुंह देखना पड़ा था। उस समय कांग्रेस के आर पी यादव ने इन्हें पराजित किया था। मंडल कमीशन की रिपोर्ट सौंपने के बाद भी 1980 में कांग्रेस के उम्मीदवार आरपी यादव नेहीं इन्हें हराया था। लालू यादव ने तीन बार आजमाई मधेपुरा से किस्मत आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने भी यहां से तीन-तीन बार किस्मत अजमाई। तीनों ही बार इनका मुकाबला शरद यादव से हुआ। बता दें कि लालू प्रसाद यादव 1998 में मधेपुरा से पहली बार चुनावी अखाड़े में उतरे। उस दौरान उनकी टक्कर राष्ट्रीय कद के समाजवादी नेता शरद यादव से हुई इसकी चर्चा पूरे देश में हुई थी के 1998 में शरद यादव को लालू यादव ने हराकर लोकसभा का रास्ता तय किया। हालांकि 1999 में हुए मध्यावधि चुनाव में राजद सुप्रीमो को हार का सामना करना पड़ा। 2004 में भी लालू प्रसाद यादव ने यहां से बाजी मारी थी। हालांकि एक ही साथ छपरा से चुनाव जीतने के कारण लालू यादव ने मधेपुरा की सीट छोड़ दी थी। जबकि 2004 में लालू प्रसाद यादव के द्वारा मधेपुरा सीट छोड़े जाने की वजह से मधेपुरा उपचुनाव में राजद ने पप्पू यादव को प्रत्याशी बनाया और वे जीतने में कामयाब हुए। शरद चार बार जीते और चार बार हारे समाजवाद की राजनीति की कोख से निकले राष्ट्रीय स्तर के नेता शरद यादव ने भी मधेपुरा के सियासी मैदान में खूब लड़ाई लड़ी। शरद यादव यहां से एक तरफ चार बार चुनाव जीतने में कामयाब रहे तो वह उतनी ही दफा वे पराजित भी हुए। शरद को मधेपुरा से 1998 और 2004 में लालू प्रसाद यादव से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं 2014 और 2019 में भी पराजित हुए। 1991 और 1996 में जनता दल के टिकट पर शरद यादव ने जीत दर्ज की। 1999 के चुनाव में शरद यादव ने जदयू के टिकट पर जीत हासिल की। 2009 में फिर शरद यादव की वापसी हुई और मधेपुरा से जीतने में सफल रहे। मधेपुरा में फिर से गोप में मुकाबला लोकसभा चुनाव 2024 में भी मधेपुरा में मुख्य मुकाबला दो यादव उम्मीदवारों के बीच ही है। यहाँ जदयू ने निवर्तमान सांसद दिनेश चन्द्र यादव को उम्मीदवार बनाया है। वहीं राजद की ओर से डॉ कुमार चंद्रदीप प्रत्याशी हैं।

इंटक ने मनाया 77 वां स्थापना दिवस, काटा केक एवं मजदूरों के बीच बांटी मिठाई

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) उदाकिशुनगंज में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) ने स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस(इंटक) के जिला अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने भारत में ट्रेड यूनियन के इतिहास के बारे में श्रमिकों को अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि आजादी से पहले केवल दो मजदूर संगठन काम करते थे। जिनमें इंटक यूनियन 1926 में बनी और इंटक यूनियन तीन मई 1947 में आजादी से पहले बनी। आजादी के संघर्ष में अनेकों मजदूर नेताओं ने अपना भरपूर योगदान दिया और यातनाएं झेली। उन्होंने कहा कि आजादी के पहले और आजादी के बाद जितने भी मजदूरों के लिए श्रमिक नियम बने उनमें कांग्रेस पार्टी अहम योगदान रहा। वहीं मजदूरों ने संजीवा रेड्डी जिंदाबाद, चंद्रप्रकाश सिंह जिंदाबाद, सोनिया गांधी जिंदाबाद, राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए। श्री सिंह ने कहा कि हमारे ऊजार्वान राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीवा रेड्डी साहब एवं उपाध्यक्ष और मजदूरों के रोटी के लिए लड़ने वाले श्री चंद्र प्रकाश सिंह जी के सशक्त नेतृत्व में इंटक उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर आगे बढ़ते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है ' आज इस पुनीत दिवस पर हम इनके दीघार्यु एवं और अच्छे स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। मजदूर नेता केसर कुमार सिंह कि कोसी में मजदूर संगठन को प्रभावी एवं धारदार बनाने में उनकी भूमिका अहम रही है। मौके पर कंस्ट्रक्शन लेबर यूनियन के जिला अध्यक्ष हीरा पासवान, सुमित कुमार, पप्पू कुमार, रविंदर राम, पुरुषोत्तम पासवान, राजकुमार पासवान, शिवपुरी पासवान, अवधेश पासवान, सविता देवी, संजय पासवान, मंन्जी देवी, अंभो देवी सहित कई कार्यकर्ता मोजूद थे।

बीडीओ व सीओ ने गर्मी में अगलगी और लू से बचने के लिए विशेष जानकारी दी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार एवं सीओ आरती भूषण ने प्रखंड सभागार कक्ष में शुक्रवार को पंचायत प्रतिनिधियों जनप्रतिनिधियों एवं प्रखंड कार्यालय में कार्यरत पदाधिकारी के साथ भीषण गर्मी को लेकर बढ़ती आग लगी की घटनाओं को अंकुश लगाने के लिए सुरक्षित कार्यक्रम के तहत प्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों के साथ आग लगी घटनाओं से बचाव की जानकारी दी गई। आग लगी के कारण और उसमें बचाव के बारे में जानकारी दी गई।खाना बनाने एवं खेतों में फसल की कटाई के दौरान पराली जलाना,जलता सिगरेट फेंकना,पटाका फोड़ने के दौरान निकलने वाले चिंगारी,मोमबत्ती,दिए जलाने के दौरान घर में लगने वाले आग लगी की जानकारी दी गई।आगलगी हो जाने पर अग्नि समान विभाग को तत्काल सूचना देने के और घर किचन में बाल्टी में पानी रखने के सहित अन्य जानकारी बचाव के बारे में बताया गया।आए दिन हो रहे आग लगी की घटना एवं पटना के होटल में हुए भीषण अग्निकांड के बाद जिले से लेकर प्रखंड भी प्रशासन अपनी शक्तियां बढ़ा दी है।इसी क्रम में बीडीओं ने सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकर सभी को जागरूक कर आग लगी से बचाव के लिए पूरी सावधानी बरतनी की अपील की।आग लगी में सुरक्षा के लिए कोई भी पर्याप्त साधन उपलब्ध नही होने पर गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।ऐसे में जरूरत है कि सभी लोग अपनी दुकान,घर,खेत,मकान अग्निशामक यंत्र जरूर रखें।

ज्ञान महायज्ञ को लेकर निकाली कलश शोभा यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/बरहट : प्रखंड के भलुका बांझीप्यार गांव में मंगलवार को नौ दिवसीय श्रीमदभागवत कथा ज्ञान महायज्ञ को लेकर भव्य शोभा कलश यात्रा निकाली गई। गाजे बाजे के साथ निकाली गई कलश यात्रा में 151 कुंवारी कन्या एवं महिला श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कलश यात्रा भलुका बांझीप्यार शिव शक्ति मंदिर गांव से निकलकर बरहट मोड़ बजरंगबली चौक होते हुए मलयपुर बाजार का परिभ्रमण करते हुए आंजन नदी के कदम घाट के तट पर पहुंचा। कलश में जल भरते समय श्रद्धालुओं के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा। वहां आचार्यों के मंत्रोच्चार के साथ संकल्पित जल को कलश में लेकर पुनः सभी यज्ञशाला पहुंची। अयोध्या के कथावाचक आचार्य राघव शरण महाराज ने कहा कि कलश जल का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान होता है। कलश को पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। क्योंकि जल सृष्टि के पाँच तत्वों में से एक है और यह जीवन का आधार माना जाता है। इसी जल से देवताओं को आवाहन किया जाता है। उन्होंने कहा यज्ञ हमें सन्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। मौके पर यज्ञ यजमान रामजी भगत ने बताया कि 03 मई से लेकर 11 मई तक नौ दिवसीय सरस संगीतमय श्रीमदभागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यज्ञ समापन के बाद विसर्जन शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। कलश यात्रा में अध्यक्ष रामजी भगत, सचिव जितेन्द्र सिंह, उपसचिव संतोष प्रजापति, कोषाध्यक्ष मधु पंडित, संरक्षणकर्ता नागेश्वर यादव, छोटन पासवान, जितेन्द्र यादव, उमेश पंडित, बिंदेश्वरी पंडित, विशुन पंडित, भोला पंडित, श्रवण पंडित, भरत यादव,रामजी भगत, दीपक शर्मा, प्रदीप यादव, मिथलेश यादव, जितेन्द्र यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए।

क्रांतिकारी कम्युनिस्ट वक्ता, वामपंथी किसान नेता कामरेड अतुल अंजान का आकस्मिक निधन

● लाल झंडा का सच्चा सिपाही, वामपंथी व किसान आंदोलन की हुई अपूरणीय क्षति : किरण देव यादव

प्रात : किरण संवाददाता

खगड़िया। देश बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष सह भाकपा माले के जिला संयोजक किरण देव यादव ने कहा कि कामरेड अतुल अंजान नहीं रहे। वे भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, ऑल इंडिया किसान सभा के महासचिव, ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन, एआईएसएफ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय के स्टूडेंट यूनियन के पूर्व अध्यक्ष, स्वामीनाथन कमीशन के पूर्व सदस्य साथी अतुल कुमार अंजान ने कल 2 मई को रात्रि 2:30 बजे अंतिम सांस ली।

श्री यादव ने कहा कि दिवंगत कामरेड अतुल अंजान हिंदी एवं अंग्रेजी के प्रखर एवं ओजस्वी वक्ता की आवाज आज सदा के लिए बंद हो गई। छात्र जीवन में 1978 में ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन के लुधियाना राष्ट्रीय अधिवेशन में अध्यक्ष चुने जाने से लेकर आज तक का उनका लंबा राजनीतिक जीवन सफर के दौर का आज अंत हो गया। उनके निधन से वामपंथी आंदोलन, और किसान आंदोलन के लिए अपूरणीय क्षति हुई है। निकट भविष्य में इनकी भरपाई संभव नहीं दिखता। वे आजीवन लाल झंडा को थामे रहे। वे मधुर भाषी, स्पषटवादी, नेकदिल इंसान, ओजस्वी बहुयामी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने लोकतंत्र संविधान को बचाने, किसान मजदूरों के अधिकार की सुरक्षा करने एवं फांसीवाद पूंजीवाद के खिलाफ अनवरत आजीवन संघर्षरत रहे। प्रकृति उनके आत्मा को शांति दे।

हम देश बचाओ अभियान फरकिया मिशन व भाकपा माले की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते क्रांतिकारी लाल सलाम पेश करते हैं । श्री यादव ने कहा कि मैं कामरेड अतुल से विगत दो दशक से राजनीतिक व व्यक्तिगत तौर पर जुड़े रहे। ए आई एस एफ के जिलाध्यक्ष के रूप में दिल्ली में दस दिवसीय प्रशिक्षण उनसे प्राप्त किए थे उनके निधन से काफी मर्माहत हैं।

कामरेड अतुल अंजान अमर रहे, तेरे अरमानों को मंजिल तक पहुंचाएंगे, का संकल्प दोहराते हैं।

शिक्षकों की समस्या का किसी राजनीतिक दल ने नहीं किया समाधान

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा अनुदानित डिग्री कॉलेज शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने इस बार के लोकसभा चुनाव में वोट बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। इस संदर्भ में संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष प्रो. मनोज भटनागर ने चुनाव आयोग सहित कुलाधिपति, मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। संघर्ष मोर्चा के विश्वविद्यालय अध्यक्ष प्रो. मनोज भटनगार ने बताया कि पिछले 40 साल से बिना वेतन का वित्त रहित कालेजों में शिक्षक व कर्मी सेवा दे रहें हैं। ऐसे में हम लोगों की मांगों पर कोई विचार सरकार की ओर से नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मधेपुरा लोक सभा क्षेत्र के हजारों वित्त रहित शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों समेत उनके लाखों परिजन सात मई को होने वाले मतदान का बहिष्कार करेंगे। कहा कि पिछले 40 साल के अंतर्गत किसी राजनीतिक दल ने उनके समस्याओं का निदान नहीं किया। इस वजह से दो पीढ़ियां बर्बाद हो गयी। एमए, पीएचडीधारी उक्त शिक्षकों व कर्मचारियों की बदहाली का हालत यह है कि पंजाब व दिल्ली समेत अन्य राज्यों में देहाड़ी मजदूरी करने वाले उनके बच्चे जब पैसा कमाकर भेजते हैं तो उनके घर का चुल्हा जलता है। शिक्षकों ने कहा कि अनुदान के नाम पर जहां वित्त रहित कर्मियों को ठगा गया। वहीं कॉलेज प्रबंधन द्वारा उनके शोषण की कहानी जग जाहिर है। इस हालत में किसी भी दल के प्रत्याशी को वोट देना अपने जीवन के साथ पुनः धोखा है। स्थिति यह है कि वित्त रहित कर्मियों के दुर्दशा की चर्चा भी से करें। जब स्थानीय एमएलए प्रो. चन्द्रशेखर शिक्षा मंत्री बने थे तो लोक सभा क्षेत्र के वित्त रहित कर्मियों में उम्मीद जगी थी कि अब बित्त रहित शिक्षकों के दिन बहुरेंगे। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया इसलिए वित्त रहित कर्मियों ने फैसला किया है कि हम मताधिकार का प्रयोग नहीं करेंगे। शिक्षकों ने इसके पूर्व भी अनुदान तथा वेतन भुगतान से संबंधित आवेदन सीएम नीतीश कुमार को दिया था।

671 मतदान केंद्रों से होगा वेब कास्टिंग, 1343 मतदान केंद्रों पर डाले जाएंगे वोट

शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है। जिले 1343 मतदान केंद्रों में से 671 मतदान केंद्रों पर वेब कास्टिंग मतदान के दिन किया जाएगा। इसके अलावे अन्य मतदान केंद्र पर केंद्रीय अर्ध सैनिक बल की नियुक्ति की जाएगी। जिला उपनिर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि शेष बचे मतदान केंद्रों की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। इसको लेकर कार्य एजेंसी चयनित कर लिया गया है। कार्य एजेंसी के द्वारा वेब कास्टिंग की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने को लेकर जगह जगह बनाए गए चेक पेस्ट पर भी सीसीटीवी लगाया गया है।

लोकतंत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से डोर टू डोर कार्यक्रम चला रहे स्काउट गाइड

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। लोकसभा आम चुनाव-2024 को चुनाव महापर्व के साथ-साथ उत्सव पूर्ण माहौल में मनाया जाए । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी श्री यशपाल मीना जी ने पूरे वैशाली जिले में उत्साह का माहौल मतदाता जागरूकता के माध्यम से बनाया है। भारत स्काउट एवं गाइड, वैशाली यूनिट से जुड़े सभी छात्र-छात्राएं एवं स्काउट गाइड पूरे जिले में विद्यालय के पोषक क्षेत्र में लोकतंत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से डोर टू डोर कार्यक्रम चला रहे हैं। महिला एवं बुजुर्ग मतदाताओं को जागरूक कर रहे हैं। साथ ही उन्हें आमंत्रित कर रहे हैं कि अपना मत निश्चित रूप से मतदान तिथि 20 मई को हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के अपने मतदान केंद्र पर आवश्यक मतदान करें। एवं वैशाली जिले के मतदान प्रतिशत को बढ़ाकर पूरे देश में वैशाली के लोकतंत्र की जननी का नाम ऊंचा करें। जिले के विभिन्न विद्यालयों के स्काउट गाइड घर-घर जाकर खास कर महिला मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करते हुए उन्हें देश को मजबूत बनाने हेतु महापर्व में अपनी भूमिका अदा करने का आमंत्रण दे रहे हैं।स्काउट गाइड बच्चों के द्वारा जन जन की पुकार है, वोट देना अधिकार है। सब काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो आदि नारे लगाते हुए आम मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। स्काउट मास्टर उमा शंकर सिंह के द्वारा डोर टू डोर कम्पेनिग के माध्यम से युवा मतदाताओं के साथ साथ सभी आम मतदाताओं को मतदान के महत्व को बताया जा रहा है। जिला संगठन आयुक्त स्काउट ऋतुराज ने बताया कि लोकतंत्र में मतदाता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, मतदान की अर्हता मतदाता बनने से ही प्राप्त होती है, अतः लोकतंत्र को सफल व मजबूत बनाने के लिए मतदाता बने व मतदान करें। साथी सभी मतदाताओं का यह कर्तव्य भी बनता है खासकर युवा मतदाताओं का की अपना मतदान करने के साथ-साथ अपने आसपास के लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें भी मतदान करने हेतु प्रेरित करें।वही स्काउट गाइड ने अपने अभिभावकों को मतदान के दिन मतदान करने का संकल्प दिलाया।

शांतिपूर्ण व भयमुक्त चुनाव को लेकर जिला मुख्यालय में निकाला गया फ्लैग मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त माहौल में संपन्न करवाने को लेकर मधेपुरा पुलिस व अर्धसैनिक बलों ने शहर में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च का नेतृत्व एएसपी प्रवेंद्र भारती कर रहे थे। सदर थाना परिसर से फ्लैग मार्च प्रारंभ हुआ। इसके बाद सुभाष चौक, पूर्णिया गोला चौक कपूर्री चौक होते हुए पूरे शहर का भ्रमण किया। जिले में लोकसभा चुनाव के लिए 7 मई को मतदान होगा। भयमुक्त माहौल में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न करने के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बलों की तैनाती की जाएगी। जिले के विभिन्न होटलों में लगातार छापेमारी की जा रही है। वहीं सीमावर्ती चेक पोस्ट पर जिले में आने-जाने वाले सभी यात्रियों एवं वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही है। इस दौरान असामाजिक तत्वों एवं आपराधिक छवि वाले लोगों पर भी लगातार कार्रवाई की जा रही है। बड़े पैमाने पर चिह्नित किए गए लोगों पर 107 की कार्रवाई की गई है। सीसीए के धारा अंतर्गत चिह्नित लोगों को जिला बदर किया गया है। एएसपी प्रवेंद्र भारती ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि भयमुक्त होकर घर से निकले और शांतिपूर्ण माहौल में अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

समाजसेवियों द्वारा अग्नि पीड़ित परिवारों को सहायता करने का शिलशीला जारी

प्रात : किरण संवाददाता

जंदाहा। बीते 25 अप्रैल को जंदाहा के डिह बचौली पंचायत अंतर्गत दू लौ र ग्राम में भीषण आगलगी की घटना हुई थी जिसमें 650 से भी अधिक परिवार बेघर हो गए है और विभिन्न सुविधाओं के अभाव में कठिन जिंदगी जीने को मजबूर है हलांकी सरकारी सहायता निरंतर अग्निपिरितों को दिए जा थे है और सभी पीड़ित परिवारों के लिए समहिक किचन की भी व्यवस्था की गई है जहां सभी पीड़ित परिवारों को भोंजन कराए जा रहे है। वहीं समाजिक संगठन व समाज सेवियों द्वारा भी पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाने का शील शीला जारी है इस करी में जंदाहा बाजार स्थित अवध स्टडी कम्प्यूटर सेंटर के निदेशक प्रोफेसर प्रकाश चंद्र द्वारा अग्नि पीड़ित परिवारों के बीच साड़ी,गमछा,लूंगी व बच्चों का वस्त्र का वितरण किया गया इस मौके पर प्रोफेसर श्री चंद्र ने सभी समाजसेवियों से मानव धर्म का पालन करते हुए सभी अग्नि पीड़ित परिवारों को सहायता करने की अपील की साथ हीं जंदाहा कपड़ा संघ के अशोक सोनी,जितेंद्र साह जेपी,जीवन साह,कुंदन साह और महावीर बिहनी द्वारा भी बड़े पैमाने पर पीड़ित परिवारों के बीच वस्त्रों का वितरण किया गया।

सम्पादकीय

आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में पहली कार्रवाई

निर्वाचन आयोग ने प्रधानमंत्री के बांसवाड़ा में दिए भाषण पर भाजपा से जवाब मांगा है। कांग्रेस और वामदलों ने नरेन्द्र मोदी के भाषण को विभाजनकारी और महाहानिकर बताते हुए आयोग से शिकायत की थी। इसी पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने नोटिस दिया है। किसी पदेन प्रधानमंत्री के विरु द्ध आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में यह पहली कार्रवाई है। आयोग का अपनी याददाश्त के आधार पर ऐसा दावा है। दूसरी तरफ, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी के विरु द्ध भाजपा की शिकायतों पर जवाब मांगा गया है। ये जवाब 29 अप्रैल तक दिए जाने हैं। इस तरह से आयोग ने निष्पक्षता एवं पारदर्शिता का एक कठिन पड़ाव पार कर लिया है। उसे इसका श्रेय मिलना चाहिए कि उसने संहिता उल्लंघन पर प्रधानमंत्री तक को नहीं बख्शा। यह आरोप भी कमजोर हुआ है कि आयोग विपक्ष और कमजोर दलों के नेता को ही निर्देशित करने में आगे रहता है। पर उसका निर्णायक इम्तिहान दोनों दलों के जवाब पर की जाने वाली कार्रवाई में होगा जो आयोग की शक्ति और क्षेत्र को परिभाषित करने वाला होगा। सार्वजनिक जीवन में गरिमा-मयार्दा और नियम-कायदे का आग्रही तबके ही नहीं, पूरे देश ने देखा-सुना कि बांसवाड़ा में और फिर अलीगढ़ तक में खास समुदाय और धर्म के लोगों के बारे में क्या-क्या न कहा गया। माना कि चुनाव बाद एक प्रधानमंत्री के रूप में आप समुदाय-धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करते पर यही भाव चुनावी सभाओं में भी रहना बुरा नहीं होता। यह सामान्य जन अपेक्षा है कि प्रधानमंत्री को तमाम विभाजनों और दोष-रेखाओं से ऊपर होना चाहिए। तब आयोग को भी रिकार्ड बनाने का मौका नहीं मिलता। चुनाव की घोषणा करते हुए आयोग ने भाषणों में सभ्यता के निर्वाह का अनुरोध दलों से किया था, जिसका पालन किसी ने नहीं किया। विपक्ष में स्थितिजन्य आक्रामकता स्वाभाविक ही होती है। सत्ता अपने व्यवहार से उसको परिमार्जित करती है। खरगे और राहुल सरकार की नीतियों की आलोचना के अधिकार के प्रयोग में सभ्यता भूलते रहे हैं। वे न केवल प्रधानमंत्री को निजी स्तर चोट पहुंचाने वाली भाषा का धड़ल्ले से प्रयोग करते सुने-देखे गए हैं, बल्कि तू-तड़ाक पर भी उतर आए हैं। यह भी रिकार्ड है कि नरेन्द्र मोदी देश के सर्वाधिक आलोच्य प्रधानमंत्री हैं। अगर यही एक परिपक्व लोकतंत्र की भाषा है तो यह वाकई बेहद पीड़ादायक परिदृश्य है।

आओ मतदाताओं आओ, कलींदा खाओ

राकेश अचल

नेताओं के हास्यास्पद बयान सुनकर अब हंसने का मन हो रहा है। खुश रहने के लिए हंसना जरूरी है, तभी तो शब्द युग्म बना है हंसी-खुशी। हंसी कभी अकेली नहीं रहती। उसे या तो हंसी चाहिए या फिर राजी। राजी-खुशी शब्द युग्म भी रजामंदी से बना लगता है। बना है या नहीं ये तो भाषाविज्ञानी जानें, हम अज्ञानी तो केवल कयास लगा सकते हैं। और कयास ही लगाते हुए पांच क्या, दस साल गुजार देते हैं कि शायद अच्छे दिन आएं, शायद बैंक खाते में पंद्रह लाख रुपए आएं। शायद मोशा सचमुच सहाय हो जाएँ! बहरहाल आज मैं नेताओं पर नहीं मतदाताओं पर लिख रहा हूँ। मतदाता भले ही पांच किलो मुफ्त अन्न पर गुजर करता हो, भले ही उसके खाते में लाड़ली लक्ष्मी या लाड़ली बहन या सीमांत किसान होने के नाते सरकार कुछ न कुछ नगद डालती हो लेकिन उसके हाथ में एक और अनमोल चीज है, जिसे आम भाषा में वोट कहते हैं। वोट शब्द भले ही अंग्रेजी का हो लेकिन वो हिंदी, उर्दू, मराठी, पंजाबी समेत तमाम भाषाओँ में ऐसे घुल-मिल गया है जैसे कि दूध में मिश्री मिल जाती है। मिश्री भी धागे वाली मिश्री। लेकिन हमारा वोटर अन्नदाता न होते हुए भी दाता है। उसे सम्मान से मतदाता कहा जाता है। यानि उसके पास भी ईश्वर की तरह देने के लिए कुछ तो है! अकेले भीख का कटोरा ही उसकी पहचान नहीं है। देश में जैसे अन्नदाता फटेहाल है, पामाल है, आंदोलनरत है। लाठियां खाता है, अश्रुगैस पीता है। राह में बिछाए जाने वाले काँटों पर चलता है।

उसके लिए रेड कार्पेट कौन बिछाता है? यही हाल मतदाता का भी है। मतदाता के हिस्से में वो सब है जो अन्नदाता के हिस्से में है और किसी भी जनसेवक के हिस्से में नहीं है। दरअसल मतदाता ही अन्नदाता है और अन्नदाता ही मतदाता। दोनों को अलग-अलग नहीं किया जा सकता। कर भी दीजिये तो वो वक्त आने पर एक हो जाता है। मतदाता जब हड़ताल करके भी कामयाब नहीं होता तो उदासीन हो जाता है। दान करना भूल जाता है। इस समय देश में अठारहवीं लोकसभा के लिए मतदान चल रहा है। दो चरण पूरे हो गए हैं, लेकिन देश के मतदाताओं ने नेताओं को निराश कर दिया है कम मतदान करके। नेताओं और सरकार को खुश करने कि लिए केंचुआ ने बड़ी कस-बल लगाकर मतदान का प्रतिशत बढ़ाया है। लेकिन कैसे बढ़ाया है ये केंचुआ जानता है या उसकी मशीनें। बात हो रही थी कि मतदाता आखिर अपने मत का (वोट का) दान करने को लेकर इतना उदासीन क्यों है जबकि उसके लिए हमारी राष्ट्रवादी सरकार दिन-रात मेहनत कर रही है। यहां तक कि उसने संसद को भी ध्वनिमत से चलकर दिखा दिया। मंदिर बना दिया, प्राण -प्रतिष्ठा करा दी। फोकट में अन्न दे दिया। अब क्या सरकार की जान लेना चाहता है मतदाता?

कम मतदान से सब परेशान है। सबसे ज्यादा सत्तारूढ़ दल और मोशे की जोड़ी परेशान है। अपनी पार्टी के पार्षदों, विधायकों और मंत्रियों तथा मुख्यमंत्रियों तक को धमका रही है कि यदि तीसरे चरण में मतदान का प्रतिशत न बढ़ा तो उनकी खैर नहीं। कम मतदान को लेकर गनीमत है कि मोशा की जोड़ी ने फिलवक्त मतदाताओं के कान नहीं खींचे। वरना इस जोड़ी का क्या भरोसा! मतदान न करने पर मतदाताओं की उठ्ठक-बैठक करा दे। मतदान का प्रतिशत बढ़वाने के लिए केंचुए ने कितना पैसा पानी की तरह बहाया? जिलों का प्रशासन क्या-क्या ठठकर्म नहीं कर रहा? बस किराये में छूट, रस्सा खींच प्रतियोगिता, चिड़ियाघरों में आधे दाम पर प्रवेश, रैलियां, शपथग्रहण समारोह। सब तो हो रहा है लेकिन मतदाता है कि जागने के लिए तैयार नहीं है जबकि मतदाता को चाहिए कि वो मुक्तहस्त से मतदान करे। मेरा सुझाव तो ये है कि केंचुआ को आदर्श आचार संहिता को बलाए ताक रखकर मौसम को देखते हुए राजनीतक दलों को ये छूट देना चाहिए कि वे मतदाताओं को घर से बूथ तक लाने-ले जाने के लिए वातानुकूलित वाहन उपलब्ध करा सके। मतदाताओं को कलींदा, आइसक्रीम खिला सकें। बाल-बच्चों को मुफ्त अन्न की तरह मुफ्त टाफियां बाँट सकें। सरकार चाहे तो मतदान को आधार कार्ड से भी लिंक करा सकती है और शर्त लगा सकती है कि जो बन्दा मतदान नहीं करेगा उसे कोई भी सरकारी सहायता नहीं मिलेगी। न फ्री का राशन, न किसी लाड़ली बहना या लक्ष्मी को फ्री का वायना। आप मानें या न माने देश के मतदाता को फ्री -फंड यानि मुफ्तखोरी की लत लग चुकी है। मतदाता सब कुछ फ्री में चाहता है। बिजली फिर, राशन फ्री, शिक्षा फ्री, घर फ्री। यहना तक की मंगलसूत्र और उसे पहनने वाली भी फ्री। आखिर सरकार ये अब कैसे करे। कर भी दे तो सर्वोच्च न्यायालय का क्या भरोसा कि वो इस फ्रीविज को भी इलेक्टोरल बांड की तरह असंवैधानिक घोषित नहीं करेगी!

मेरा देश के मतदाताओं से अनुरोध है कि वे उदासीनता त्यागें और झूरकर मतदान करें, यानि शेष पांच भाँवरें ऐसी डालें कि मजा आ जाये। मतदाताओं को ये धारणा भी तोड़ना चाहिए कि अधिक मतदान से ही सत्ता पक्ष को लाभ होता है। या सरकार बरकरार रहती है। ये मिथक है या हकीकत ये तभी पता चलेगा जब अधिक मतदान से देश में सत्ता परिवर्तन हो। परिवर्तन ही प्रगति का आधार है। अब मान लीजिये कि यदि मौसम न बदले तो क्या हो? इसीलिए यदि एक सरकार दस साल बाद भी न बदले तो क्या होगा, इसकी कल्पना भी मतदाता को करना चाहिए। हमारे बुजुर्ग कहते थे कि रोटी हो या घोड़े की जीन हमेशा बदलते रहना चाहिए अन्यथा तकलीफ हो सकती है। तो आइये कि इससे पहले की सरकार आपको सूली पर लटकाये या आपके पीछे भी ईडी, सीबीआई या पुलिस भेजे, आप घर से निकलिए और जमकर मतदान कीजिये। अपनी पसंद के प्रत्याशी को, पार्टी को वोट दीजिये और यदि कोई मनमाफिक न हो तो नोटा का बटन दबाइये, लेकिन घर से निकलिए, अन्यथा लोकतंत्र का नुक्सान होगा। आपको भविष्य में जली हुई रोटी खाना ही लिखा हो तो बात और है?

हिन्दू विवाह पर सर्वोच्च अदालत का स्वागतयोग्य फैसला

आज जबकि हिन्दू विवाह की पवित्रता एवं परम्परा तथाकथित आधुनिक जीवन एवं प्रभाव के कारण धुंधली होती जा रही है, पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हिन्दू विवाह की पवित्रता समाज में समय के साथ घटी है और उसमें सुधार एवं सुदृढ़ता की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। बिना सात फेरों, हिन्दू रीति-रिवाजों एवं वैवाहिक आयोजनों के कोर्ट की दृष्टि में भी विवाह मान्य नहीं होगा। हिंदू विवाह पर कोर्ट का ताजा फैसला न केवल स्वागतयोग्य है बल्कि इसके दूरगामी परिणाम सुखद होंगे। इससे हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारों को बल मिलेगा। पारिवारिक-संस्था को मजबूती मिलेगी। हिंदू विवाह से जुड़ा यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी ह्यगाने और डांसह्ल, ह्यशराब पीने और खानेह्ल का आयोजन या अनुचित दबाव डालकर दहेज और गिफ्ट्स की मांग करने का मौका नहीं है। विवाह कमर्शियल ट्रांजैक्शन नहीं है। यह एक गंभीर बुनियादी सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजन है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध बनाने के लिए मनाया जाता है, जो भविष्य में एक अच्छे परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं। यह भारतीय हिन्दू समाज-व्यवस्था की एक बुनियादी इकाई एवं मजबूत सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयाम है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि बिना सात फेरों के हिन्दू विवाह को मान्यता नहीं मिल सकती है अर्थात शादी के लिए हिन्दू विवाह अधिनियम में जो नियम और प्रावधान बनाए गए हैं उसका पालन करना होगा।

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

देश की सर्वोच्च अदालत ने हिन्दू विवाह को लेकर बड़ा फैसला देकर न केवल हिन्दू विवाह के संस्कारों एवं पारंपरिक रिवाजों को पुष्ट किया है बल्कि उन्हें कानूनी दृष्टि से आवश्यक स्वीकार किया है। आज जबकि हिन्दू विवाह की पवित्रता एवं परम्परा तथाकथित आधुनिक जीवन एवं प्रभाव के कारण धुंधली होती जा रही है, पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हिन्दू विवाह की पवित्रता समाज में समय के साथ घटी है और उसमें सुधार एवं सुदृढ़ता की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। बिना सात फेरों, हिन्दू रीति-रिवाजों एवं वैवाहिक आयोजनों के कोर्ट की दृष्टि में भी विवाह मान्य नहीं होगा। हिंदू विवाह पर कोर्ट का ताजा फैसला न केवल स्वागतयोग्य है बल्कि इसके दूरगामी परिणाम सुखद होंगे। इससे हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारों को बल मिलेगा। पारिवारिक-संस्था को मजबूती मिलेगी।

हिंदू विवाह से जुड़ा यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी ह्यगाने और डांसह्ल, ह्यशराब पीने और खानेह्ल का आयोजन या अनुचित दबाव डालकर दहेज और गिफ्ट्स की मांग करने का मौका नहीं है। विवाह कमर्शियल ट्रांजैक्शन नहीं है। यह एक गंभीर बुनियादी सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजन है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध बनाने के लिए मनाया जाता है, जो भविष्य में एक अच्छे परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं। यह भारतीय हिन्दू समाज-व्यवस्था की एक बुनियादी इकाई एवं मजबूत सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयाम है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि बिना सात फेरों के हिन्दू विवाह को मान्यता नहीं मिल सकती है अर्थात शादी के लिए हिन्दू विवाह अधिनियम में जो नियम और प्रावधान बनाए गए हैं उसका पालन करना होगा। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। अधिनियम के अनुसार, एक हिंदू विवाह किसी भी पक्ष के पारंपरिक संस्कारों और समारोहों के अनुसार संपन्न किया जाएगा। समारोहों में सप्तपदी (दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के चारों ओर संयुक्त रूप से सात कदम उठाना) शामिल है, और जब वे सातवां चरण एक साथ लेते हैं तो विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है। कुल मिलाकर हिन्दू विवाह एक संस्था है, संस्कार है और विवाह कोई व्यावसायिक लेन-देन नहीं है।

कोर्ट ने जोर दिया है कि हिंदू विवाह की वैधता के लिए सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे उचित संस्कार और उससे जुड़े समारोह जरूरी है। विवाद की स्थिति में समारोह के प्रमाण पेश करना जरूरी है। कोर्ट की सात फेरों और उससे जुड़े समारोह का मूल्य समझाने की यह कोशिश हिन्दू विवाह को न केवल मजबूती प्रदान करेंगी बल्कि आधुनिकता की आंधी में धुंधलाते मूल्यों को नियंत्रित करने का काम करेगी। इसमें कोई शक नहीं कि विवाह संस्कार का मूल महत्व पहले की तुलना में कम हुआ है, अब विवाह बहुतों के लिए एक दिखावा, मजबूरी या समझौता भर रह गया है। न्यायमूर्ति बी नागरत्ना ने अपने प्रासंगिक एवं उपयोगी फैसले में बिल्कुल सही कहा है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। पारंपरिक संस्कारों या सात फेरों जैसी रीतियों के बिना हुए विवाह को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। इस वजह से कोर्ट ने युवा पुरुषों और महिलाओं से आग्रह किया हैं कि वो विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले इसके बारे में गहराई से सोचें और भारतीय समाज में उक्त संस्था कितनी पवित्र है, इस पर विचार करें।

प्रश्न है कि हिन्दू विवाह को लेकर कोर्ट को जागरूक होने एवं हिन्दू संस्कारों को मजबूती देने की जरूरत क्यों पड़ी? हिन्दू विवाह से जुड़े संस्कारों एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों को लेकर अनेक मामले कोर्ट की चौखट पर आते रहे हैं, हर बार कोर्ट सजगता, दूरदर्शिता एवं विवेक से विवाह-संस्था से जुड़े मामलों पर अपना नजरिया प्रस्तुत करती रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले दिनों यह माना कि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार, हिंदू विवाह को संपन्न करने के लिए कन्यादान का समारोह जरूरी नहीं है। उस फैसले में भी सप्तपदी के महत्व को दशार्या गया था। मध्यप्रदेश की एक परिवार अदालत के फैसले में महिला पक्ष को यह समझाया गया था कि सिंदूर लगाना एक विवाहित हिंदू महिला का धार्मिक कर्तव्य होता है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में ऐसी ही समझाइश की कोशिश झलकती है। कुल मिलाकर, न्यायालय का संदेश यह है कि फिजूल के तमाशे-दिखावे से बचते हुए विवाह के मूल अर्थ को समझना चाहिए। हिंदू विवाह को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता की जरूरत है और विशेषतः हिन्दू संस्कारों एवं संस्कृति को बल देने की भी। क्योंकि भारत में परिवार संस्था कायम है तो इसका कारण हिन्दू संस्कार एवं परम्पराएं ही हैं। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है।

हिन्दू विवाह एक आदर्श परम्परा एवं संस्कार है। हिंदू धर्म में विवाह को सोलह संस्कारों में से एक संस्कार माना गया है। विवाह = विवाह, अतः इसका शाब्दिक अर्थ है - विशेष रूप से उत्तरदायित्व का वहन करना। पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से हिंदू विवाह के नाम से जाना जाता है। अन्य धर्मों में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है परंतु हिंदू विवाह पति और पत्नी क बीच जन्म-जन्मांतरों का सम्बंध होता है जिसे किसी भी परिस्थिति में नहीं तोड़ा जा सकता। अग्नि के सात फेरे लेकर और ध्रुव तारा को साक्षी मान कर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं। यह दो परिवारों का भी मिलन है। हिंदू विवाह में पति और पत्नी के बीच शारीरिक सम्बंध से अधिक आत्मिक संम्बंध होता है और इस सम्बंध को अत्यंत पवित्र माना गया है।

हिन्दू विवाह का न केवल पारिवारिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है, बल्कि उसका गहन आध्यात्मिक महत्व भी है। हिंदू धर्म ने चार पुरुषार्थ (जीवन की चार बुनियादी खोज), यानी धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष निर्धारित किया है। विवाह संस्कार का उद्देश्य काम के पुरुषार्थ को पूरा करना और फिर धीरे-धीरे मोक्ष की

तालमेल और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता

किसान की गाढ़ी कमाई पर पानी फिर रहा है, अधिकारी नम माल लेने से मना कर रहे हैं। मंडियों में अव्यवस्था के कारण किसान का सब्र टूट रहा है और कुछ जगहों पर किसानों ने अपना रोष भी प्रकट किया है। अनेक मंडियों में उठान की स्थिति खराब है, शेड में, बाहर सड़क पर माल पड़ा है, टोकन काटने की व्यवस्था ठीक नहीं है। कभी-कभी मंडी के आगे मीलों लंबी लाइन लग जाती है, रात रात भर किसान को जागकर अपने माल की सुरक्षा करनी पड़ती है। मूलभूत सुविधाओं जैसे पीने का स्वच्छ पानी, शौचालय और साफ-सफाई का अभाव है। मंडी को जाने वाली सड़कों में गड्ढे, अवैध रूप से खड़े वाहन और आवारा पशु, जगह-जगह जाम की समस्या से किसानों को जूझना पड़ता है। कुछ मंडियों में कंप्यूटर ऑपरेटर और स्टाफ की कमी है तो कुछ में तौल के लिए कांटे की व्यवस्था भी समय पर नहीं हो पाई। आवश्यक मात्रा में बारदानों (कट्टों) का अभाव भी परेशानी का कारण बन जाता है। यद्यपि सभी मंडियों में ऐसी अव्यवस्था नहीं है किंतु काफी संख्या में ऐसे मंडी है जहां व्यवस्था सुधार की एवं मंडी प्रबंधकों और सरकारी विभाग के बीच तालमेल और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि किसान आसानी से अपनी फसल बेच सकें। अनाज की खरीद के सीजन में मंडियों से जो रिपोर्ट आ रही हैं वे चिंताजनक हैं। चरखी दादरी में पहले ही दिन मंडी में हजारों किसान फसल लेकर पहुंचे, लंबी लाइन लग गई, किसानों के वाहन घंटों जाम में फंसे रहे

प्रो. लल्लन प्रसाद
(लेखक वरिष्ठ राजनीतिक टिप्पणीकार हैं

गेहूं और सरसों की फैसल तैयार है, मंडियों में खरीदारी शुरू हो गई है। कुछ मंडियों में सुचारू रूप से खरीदारी हो रही है किंतु ऐसी बहुत सी मंडियां हैं, जहां किसानों को परेशानियां झेलनी पड़ रही है। कहीं बारिश और ओले के कारण खेत में अनाज गीला हो गया है तो कहीं मंडी में खुले आसमान के नीचे। किसान की गाढ़ी कमाई पर पानी फिर रहा है, अधिकारी नम माल लेने से मना कर रहे हैं। मंडियों में अव्यवस्था के कारण किसान का सब्र टूट रहा है और कुछ जगहों पर किसानों ने अपना रोष भी प्रकट किया है। अनेक मंडियों में उठान की स्थिति खराब है, शेड में, बाहर सड़क पर माल पड़ा है, टोकन काटने की व्यवस्था ठीक नहीं है। कभी-कभी मंडी के आगे मीलों लंबी लाइन लग जाती है, रात रात भर किसान को जागकर अपने माल की सुरक्षा करनी पड़ती है। मूलभूत सुविधाओं जैसे पीने का स्वच्छ पानी, शौचालय और साफ-सफाई का अभाव है। मंडी को जाने वाली सड़कों में गड्ढे, अवैध रूप से खड़े वाहन और आवारा पशु, जगह-जगह जाम की समस्या से किसानों को जूझना पड़ता है। कुछ मंडियों में कंप्यूटर ऑपरेटर और स्टाफ की कमी है तो कुछ में तौल के लिए कांटे की व्यवस्था भी समय पर नहीं हो पाई। आवश्यक मात्रा में बारदानों (कट्टों) का अभाव भी परेशानी का कारण बन जाता है। यद्यपि सभी मंडियों में ऐसी अव्यवस्था नहीं है किंतु काफी संख्या में ऐसे मंडी है जहां व्यवस्था सुधार की एवं मंडी प्रबंधकों और सरकारी विभाग के बीच तालमेल और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि किसान आसानी से अपनी फसल बेच सकें। अनाज की खरीद के सीजन में मंडियों से जो रिपोर्ट आ रही हैं वे चिंताजनक हैं। चरखी दादरी में पहले ही दिन मंडी में हजारों किसान फसल लेकर पहुंचे, लंबी लाइन लग गई, किसानों के वाहन घंटों जाम में फंसे रहे, पुलिस और प्रशासन को स्थिति संभालने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। बैकडोर से टोकन लेने और व्यापारियों के वाहनों को बैकडोर से एंट्री देने के आरोप लगे। रोहतक की एक मंडी में किसानों को मजबूरी में अपनी फसल प्राइवेट कंपनियों को बेचने के आरोप लगे। ओला और बे मौसम बारिश की वजह से वहां फसल खराब हुई, अधिकारी फसल में नमी के कारण खरीद नहीं कर रहे थे। सोनीपत के गन्नौर में मंडी सेक्रेटरी और अधिकारियों की मिलीभगत से किसानों को जो नुकसान हुआ उससे उनमें जबरदस्त रोष था, मंडी पर उन्होंने ताला लगा दिया। पोर्टल पर फसल रजिस्ट्रेशन करवाने में भी धांधली के आरोप लगे। जहां किसान की 5 से 6 एकड़ का रजिस्ट्रेशन था वहां अधिकारी 1 से 2 एकड़ का माल ही खरीद रहे थे। भिवानी की एक मंडी में हजारों क्विंटल सरसों खरीद के बाद कट्टों में पड़ी बारिश में भीग गई, बचाव का कोई इंतजाम नहीं था। पूरी मंडी पानी से तरबतर थी, फसल की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। मौसम खराब होने की आशंका से किसानों ने भारी मजदूरी देकर समय से फसल कटवा दिया था और अब जब फसल लेकर मंडी पहुंचे तो वहां मौसम की मार झेलनी पड़ी। सरसों का रंग भूरा हो गया और उसकी गुणवत्ता कम हो गई। सिरसा की मंडी में उठान की स्थिति बेहद खराब रिपोर्ट की गई। उठान के लिए एजेंसियों का चुनाव समय से नहीं हुआ।

गेहूं की आवक एकाएक बढ़ जाने से अधिकारियों के हाथ पैर फूलने लगे, टोकन काटने के लिए पर्याप्त मात्रा में कर्मचारी नहीं थे, ना ही पूरे कंप्यूटर ऑपरेटर। नियमानुसार फसल उठान ट्रकों द्वारा किया जाना चाहिए किंतु एजेंसी ट्रैक्टर-ट्राली द्वारा करा रही है जो सस्ती पड़ती है। यह तब हो रहा है जब ट्रैक्टर के कमर्शियल उपयोग पर रोक लगी हुई है। पंजाब की मंडियों में फसल पहुंच रही है, लेकिन खरीद का पुख्ता इंतजाम बहुत कम मंडियों में है। मेरी फसल मेरा ब्योराइ के तहत प्रदेश के 9.25 लाख किसानों ने फसल बेचने के लिए 6.45 लाख एकड़ का पंजीकरण कराया। आरोप लगाया जा रहा है कि 10. 40 एकड़ रकबा ऐसा है, जिसका डेटा मिसमैच कर रहा है। मध्य प्रदेश के कई मंडियों में समय से उठान न होने से आवारा पशुओं से अनाज की रक्षा के लिए किसान रात रात भर जाकर अपने फसल की रक्षा करते हैं। अवैध रूप से ट्रक खड़े रहते हैं, मंडी को जोडे वाली सड़कों में गड्ढे, सफाई की कमी और मंडी में अतिक्रमण जैसी अव्यवस्था से किसान जूझ रहे हैं। देश के लगभग सभी प्रदेशों में मंडियों की व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले वर्ष इन्हीं दिनों दिल्ली की नरेला मंडी, जो एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी है, उसमें करोड़ों रु पए का अनाज भीग गया था, बारिश से बचाव का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं था। मंडियों में व्यवस्था के खिलाफ आढ़तियों की अपनी शिकायतें हैं। उनका मानना है कि उन्हें जो आढ़त मिलती है वह कम हैं, उनके खर्चे पूरे नहीं होते, उसमें बढ़ोतरी होनी चाहिए। मंडी के श्रमिकों के पारिश्रमिक के बारे में भी सरकार को विचार करना चाहिए खाद्य पदाथरे और जीवन की आवश्यकता की वस्तुओं की कीमतें दिनों-दिन बढ़ रही है श्रमिकों की मजदूरी भी बढ़ाई जानी चाहिए। किसानों को मंडी में अपनी मेहनत का पूरा पैसा मिले इसके लिए आवश्यक है कि निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दर पर खरीद ना की जाए। जहां अनाज में नमी उनकी गलती से ना हो उसके लिए उन्हें क्यों दंडित किया जाए? मंडियों में मूलभूत सुविधाएं जैसे पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, खाने पीने की व्यवस्था और किसानों के रुकने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। मंडियों से जुड़ी सड़कों को पक्की किया जाना चाहिए जहां अभी ऐसा नहीं है। खरीद के सीजन में जाम न लगे इसकी व्यवस्था भी स्थानीय प्रशासन को पहले से ही करना चाहिए।

कोविशील्डः जो शक था वो कमोबेश सहीं साबित हुआ

मुस्ताअली बोहरा-

आखिरकार, जो शक था वो कमोबेश सहीं साबित हुआ। कोरोनाकाल और वैक्सीनेशन के बाद से अचानक बढ़ते हार्ट अटैक के मामलों ने पहले ही शक की सुई वैक्सीन के साईड इफेक्ट की ओर घुमा दी थी। और अब ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटिश अदालत के सामने माना है कि उसकी कोविड-19 वैक्सीन कुछ दुर्लभ मामलों में रक्त के थक्के का कारण बन सकती है। प्लेटलेट काउंट भी इससे घट सकता है। मालूम हो कि एस्ट्राजेनेका ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर इस वैक्सीन को डेवलप किया था। वहीं भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ने इसे बनाया था। एस्ट्राजेनेका की कोविड-19 वैक्सीन, जिसे भारत में कोविशील्ड और वैक्सजेवरिया के नाम से जाना जाता है। भारत में कोवैक्सिन और कोविशील्ड दो टीके प्रमुख तौर पर लगे थे। अब, लोकसभा चुनाव के बीच हुए इस खुलासे ने भारतीय जनता पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वो इसलिए भी क्योंकि कोरोना काल में वैक्सीनेशन को दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान बताकर प्रचारित किया गया था। कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड के साइड इफेक्ट को लेकर एस्ट्राजेनिका की स्वीकारोक्ति को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सतर्क हो गया है। वहीं इस मामले में सियासत शुरू हो गई है। लोस चुनाव से पहले कोरोना वैक्सीन को प्रचारित करते हुए भाजपा नेता वोट देने की अपील कर रहे थे और अब इन्हीं नेताओं को सफाई देनी पड़ रही है। विपक्ष इस मामले में मुखर हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना वैक्सीन को लेकर जो बात उन्होंने पहले कही थी वही एक्सपर्ट लोगों ने कही और अब अदालत ने भी कह दिया। उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा ने आपदा में अवसर तलाशते हुए वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से भी चंदा वसूल लिया। दूसरी तरफ, कोविशील्ड के इस तथ्य के सामने आने के बाद कोरोना वैक्सीन के साइड इफेक्ट की दो स्तरों पर निगरानी की जा रही है, लेकिन इनमें खून के थक्के जमने वाली दुर्लभ बीमारी थ्रोंबोसिस विथ थ्रोंबोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) के गंभीर मामले सामने नहीं आए हैं। गौरतलब है कि टीटीएस थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम एक ऐसी बीमारी है, जिसमें प्लेटलेट कम होने लगता है साथ ही इसका असर मरीज के दिमाग या अन्य अंगों पड़ने लगता है, जिससे की ब्लड क्लॉटिंग होने लगती है। बता दें कि यह एक दुर्लभ बीमारी है, जो वैक्सीन के बाद और अन्य कारणों से भी हो सकती है। राष्ट्रीय आईएमए सीओवीआईडी टास्क फोर्स के सह-अध्यक्ष डॉ राजीव जयदेवन का कहना है कि कोवीशील्ड ने कोरोना वायरस से होने वाली कई मौतों को रोका है लेकिन वैक्सीन लेने के बाद कई लोगों ने इसके साइड इफेक्ट्स की भी शिकायतें की थी।

सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा बनाए गए कोविशील्ड टीका लोगों को लगाया गया था। दरअसल कोविशील्ड के साइड इफेक्ट को लेकर अदालत में चल रहे केस के जवाब में इसे विकसित करने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने स्वीकार किया कि कुछ मामलों में टीटीएस के लक्षण दिखे हैं। वहीं, भारत में कोरोना वैक्सीन के साइड इफेक्ट की निगरानी दो स्तरों पर की जा रही है। एक तरफ आइसीएमआर के विशेषज्ञों की टीम इसका अध्ययन करती है, तो दूसरी ओर चिकित्सा सेवाओं का महानिदेशालय (डीजीएचएस) भी जमीनी स्तर पर इसकी निगरानी करता है। डीजीएचएस की देश भर में शाखाएं हैं। आइसीएमआर और डीजीएचएस दोनों में से किसी ने भी अभी तक किसी भी कोरोना वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट के गंभीर मामलों की रिपोर्ट नहीं दी है।

संक्षिप्त खबरें

घर में हुई चोरी

एकमा। मांझी प्रखण्ड के खानपुर गाँव में अपराधियों का आतंक अब चरम पर है। कल आधी रात को बारह बजे छह सात अपराध कर्मी एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पूर्व प्रभारी चिकित्सक डॉ संजीव रंजन के चाचा एवं जेपी सेनानी साहित्यकार अविनाश नागदंश के घर में अहाते का पिछला गेट खोलकर एवं घर का पिछला दरवाजा तोड़ कर घर में आज ही खलिहान से आये गेहूं एवं अरहर के बोरों को चुराने की नियत से घुस गये। आवाज सुन कर जब श्री नागदंश ने शोर मचाया तो ग्रामणों को आते देख लोगों को अपराधी जान से मारने की धमकियाँ देते हुए भाग गए। सूचना पाकर मांझी थाने का गश्ती दल अविलंब पहुंचा किन्तु तबतक अपराधी भाग चुके थे।

पकड़ा गया गया अपराधी

छपरा। छपरा सदर अस्पताल में सात माह पहले हुई चाकू बाजी की घटना की पुनः पुनरावृति हुई है, लेकिन इस बार चाकू मार कर भाग रहे बदमाश को अस्पताल में मौजूद पुलिस ने पकड़ लिया है. जिसके पास से चाकू भी बरामद कर लिया गया है. कोपा पुलिस उसे पकड़ कर ले गई है. इस घटना की शुरूआत जिले के कोपा थाना अंतर्गत साधपुर बली गांव में हुई, जहां दीवार में खिड़की खोलने को लेकर मारपीट के बाद जख्मी महिला-पुरुष उपचार के लिए छपरा सदर अस्पताल पहुंचे तो दबंगों ने सदर अस्पताल पहुंचकर उनके ऊपर चाकू से हमला बोल दिया और उनके उपचार का पर्ची भी फाड़ने लगा. जिसके बाद इमरजेंसी वार्ड में मौजूद पुलिस ने उस बदमाश को रंगे हाथ पकड़ लिया, जिसके पास से चाकू भी बरामद कर ली गई है. गिरफ्तार युवक जिले के कोपा थाना क्षेत्र के साधपुर बली गांव निवासी स्वर्गीय गोरख राय का पुत्र केशु यादव बताया गया है. वहीं चाकू लगने से जख्मी क्षेत्र के साथ के पुत्र कृष्ण एवं राजेंद्र साह की पत्नी देवंती देवी का उपचार इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है. उपचार के दौरान जख्मी ने बताया कि केशु यादव अपने घर की दीवार तोड़कर उसमें उनके घर की तरफ खिड़की निकाल रहा था. जिसका विरोध करने पर उसके द्वारा उनके साथ लाठी-डंडे से मारपीट की गई. जिसके बाद वे लोग उपचार के लिए छपरा सदर अस्पताल पहुंचे जहां केशु इमरजेंसी वार्ड में चाकू से उनके ऊपर हमला कर दिया. जिसे अस्पताल में मौजूद पुलिस ने पकड़ लिया है. इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस कार्रवाई में जुटी है

अपराधियों ने गोली मारकर हत्या किया

छपरा : शहर में अपराधियों ने दिन दहाड़े एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दिया। सूचना प्राप्त होते हीं भगवान बाजार थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की जानकारी लिया। प्राप्त सूचना के आधार पर भगवान बाजार थाना क्षेत्र के लल्लू मोड़ निवासी बृज बिहारी प्रसाद श्रीवास्तव के पुत्र ओम प्रकाश श्रीवास्तव की हत्या उनके घर के पास हीं अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर मामले को संभाला। तत्पश्चात शव को पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल ले गये। पुलिस ने हत्या को लेकर प्राथमिकी दर्ज करते हुये अपराधियों की तलाश तेज कर दिया।

गोली मारकर आई टी आई संचालक की हत्या

छपरा। छपरा शहर से इस समय बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां बेखौफ अपराधियों ने आईटीआई संचालक की भगवान बाजार थाना रोड में घर के समीप ही गोली मारकर हत्या कर दी दी है. अपराधियों में इस वारदात को अंजाम भगवान बाजार थाना से महज 500 कदम की दूरी पर दिया है. मृत व्यक्ति की पहचान छपरा शहर के भगवान बाजार थाना अंतर्गत भगवान बाजार लल्लू मोड़ निवासी वृजबिहारी श्रीवास्तव के पुत्र ओमप्रकाश श्रीवास्तव उर्फ टिंकू के रूप में की गई है. जो कि अपने आवासीय परिसर में ही गणपति आईटीआई का संचालन करते थे. इस घटना के संबंध में बताया बताया जा रहा है कि वह घर के समीप टहल रहे थे. उसी बीच बाइक से कुछ युवक पहुंचे और उनसे बात करते-करते हुए टहलते लल्लू मोड़ पर पहुंचे और जहां उनके पीठ में गन सटाकर गोली मारी गई है. जो कि उनके सीने को चीरती हुई आरपार हो चुकी है. इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया. वहीं सूचना के बाद मौके पर पहुंची 112 डायल और भगवान बाजार थाना पुलिस ने उन्हें छपरा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डयूटी पर मौजूद चिकित्सक के द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया. जैसे ही इस घटना की जानकारी परिवार वालों को हुई पूरे परिवार में कोहराम मच गया. फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजी है, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जा रही है. इस मामले में मृतक के छोटे भाई मुन्ना ने बताया कि वह घर में थे. उसके भैया टहलने के लिए निकले थे अपराधियों के द्वारा गोली मार कर हत्या की गई है. फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है

जन्मजात दिल में छेद वाले 6 बच्चे इलाज के लिए गए अहमदाबाद

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का होता है निःशुल्क इलाज : सीएस

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम).राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत हृदय रोग जैसे गंभीर बीमारी से पीड़ित जिले के 6 बच्चे को बेहतर इलाज के लिए सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे की मौजूदगी में एम्बुलेंस से पटना रवाना किया गया। वहां से ये बच्चे अपने अभिभावकों के साथ हवाई जहाज से अहमदाबाद रवाना किए जाएंगे। जहां इनकी हृदय में छेद के कारण सर्जरी कराई जाएगी। इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ दुबे ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिले के सरकारी स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्र पर ऐसे बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर स्क्रीनिंग की जाती है। उसके बाद ऐसे गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों की पहचान करते हुए उन्हें विशेष इलाज की सुविधा हेतु एम्बुलेंस से पटना रेफर किया जाता है। उसके बाद गंभीर हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को सत्य साईं हॉस्पिटल अहमदाबाद उनके अभिभावक के साथ भेजा जाता है, जहां रहने, खाने,इलाज की सभी व्यवस्था के साथ ही हवाई जहाज के टिकट की निःशुल्क व्यवस्था की जाती है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के जिला समन्वयक रंजन कुमार मिश्रा ने कहा कि जिले के नरकटियागंज प्रखंड के असरफ खान, उम्र 17.10 वर्ष, अनाबिया अमन, बगहा 3.1वर्ष, राजू कुमार, मझौलिया 6.10 वर्ष, गुनगुन कुमारी, योगापट्टी 11. 7 वर्ष, प्रिया कुमारी मझौलीया 17.1वर्ष, कन्हैया कुमार गौनाहा, 17.3 वर्ष के बच्चे जो जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित थे इन्हे आज जिला स्वास्थ्य समिति बुलाकर एम्बुलेंस से पटना भेजा गया है। जहां से हवाई यात्रा के माध्यम से श्री सत्य साईं हॉस्पिटल अहमदाबाद भेजा जाएगा। ताकि उन लोगों की दिल में छेद वाली बीमारी से निजात दिलाया जा सके।

कैंप लगाकर की जाती है बच्चों की स्क्रीनिंग :

डीपीएम अमित अचल ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत 43 प्रकार की बीमारियों की जांच चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों व अन्य स्थानों पर कैंप लगाकर समय-समय पर की जाती है। जांच के दौरान कुछ बच्चों में हृदय रोग से संबंधित लक्षण दिखाई देने पर उन्हें जिले के अस्पताल में स्क्रीनिंग की जाती है। उसके बाद हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को उनके माता-पिता और जरूरी कागजातों के साथ निःशुल्क एम्बुलेंस पटना और उसके बाद विमान से श्री सत्य साइ हॉस्पिटल, अहमदाबाद भेजा जाता है। उन्होंने बच्चों के अभिभावक से अपील करते हुए कहा की ऐसे बच्चों की जानकारी होने पर सरकारी अस्पताल या जिला स्वास्थ्य समिति के जिला समन्वयक रंजन कुमार से सम्पर्क करें। इस मौके पर सीएस डॉ श्रीकांत दुबे, डीपीएम अमित अचल, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला महामारी पदाधिकारी डॉ आर एस मुन्ना, जिला समन्वयक डॉ रंजन कुमार मिश्रा, डीसीएम राजेश कुमार व जिला स्वास्थ्य समिति के अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

रेड क्रॉस सोसाइटी के बैनर तले हुआ निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता

- मैक्सफोर्ट वर्ल्ड स्कूल साढ़वारा लौवा में निबंध एवम पेंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

इसुआपुर। रेड क्रॉस सोसाइटी सारण के द्वारा आयोजित रेड क्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में होने वाले निबंध एवम पेंटिंग प्रतियोगिता में इसुआपुर प्रखंड अंतर्गत मैक्सफोर्ट वर्ल्ड स्कूल साढ़वारा लौवा में निबंध एवम पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय स्तर से दोनो प्रतियोगिता यथा निबंध एवम पेंटिंग में प्रथम,द्वितीय और तृतीय का चयन कर रेड क्रॉस सोसायटी जिला इकाई को सुपुर्द किया गया है।जिला स्तर पे इन बच्चो को 8 मई रेड क्रॉस दिवस के अवसर पे रामकृष्ण मिशन आश्रम के सभागार से सम्मानित किया जायेगा।विद्यालय के निदेशक संदीप पाण्डेय ने बताया कि इस तरह के आयोजन ग्रामीण परिवेश के बच्चों में एक नया ऊर्जा का संचार करेगा।वही विद्यालय की प्राचार्या रूबी पाण्डेय ने कहा कि रेड क्रॉस सोसायटी की ये पहल से बच्चों के अंदर एक क्रियात्मक कार्यों के साथ मानसिक विकास में काफी सहायता मिलेगी।

नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी से जुड़ेंगें जेपी यूनिवर्सिटी के छात्र : कुलपति

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा। जयप्रकाश विश्वविद्यालय और क्षेत्रान्तर्गत माहाविद्यालयों के सभी छात्र-छात्राओं को 15 दिनों के अंदर नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी से जोड़ दिया जाएगा। इससे जयप्रकाश विश्वविद्यालय के छात्र देश के बड़े-बड़े पुस्तकालयों से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ जाएंगे और वहां उपलब्ध पुस्तकों का वर्चुअल अध्ययन कर सकेंगे। कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई ने शुक्रवार को नंदलाल सिंह कॉलेज, दाउदपुर के औचक निरीक्षण के दौरान यह घोषणा की। कुलपति महोदय ने महाविद्यालय में घूम-घूमकर वहां के संसाधनों और आधारभूत संरचना का जायजा लिया। कुलपति महोदय ने कहा कि नंदलाल सिंह महाविद्यालय में काफी संसाधन और आधारभूत संरचना है जिसका लाभ नैक मूल्यांकन के दौरान कॉलेज को होगा। उन्होंने कहा कि यहां इतने संसाधन उपलब्ध हैं जिनकी बदौलत महाविद्यालय को नैक से ग्रेड ह्यएह्ल का मूल्यांकन प्राप्त हो सकता है। नंदलाल सिंह कॉलेज में 13 वर्गकक्ष, 4 बड़े हॉल तथा 9 छोटे-छोटे हॉल उपलब्ध हैं। साथ ही आम के बड़े-बड़े फलदार वृक्ष भी हैं। कुलपति महोदय ने निर्देश दिया कि यहां फूड प्रोसेसिंग से संबंधित पाठ्यक्रम चलाए जाएं तथा इससे संबंधित अन्य लाभकारी कार्य किए जाएं। महाविद्यालय में प्राचार्य सहित 14 प्राध्यापक तथा 7 अतिथि प्राध्यापक हैं। माननीय कुलपति ने कहा कि छात्र-छात्राओं को रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ा जाना चाहिए तथा जिन महाविद्यालयों में संसाधन उपलब्ध हों ऐसे माहाविद्यालयों में प्रोफेशनल कोर्स प्रारंभ किए जाने चाहिए। इससे पहले माननीय कुलपति महोदय ने नंदलाल सिंह कॉलेज के वर्गकक्षों, पुस्तकालय और प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रयोगशाला और पुस्तकालय को और सुदृढ करने तथा कक्षाओं में शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश प्राचार्य डॉ केपी श्रीवास्तव को दिया। इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो. विश्वामित्र पाण्डेय, समायोजक, महाविद्यालय विकास परिषद प्रो. हरिश्चंद और विश्वविद्यालय के इंजीनियर प्रमोद कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

मतदाताओं को जागरूक एवं प्रेरित करने हेतु रंगोली, मेंहदी एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(मोहन सिंह)। लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 में जिले के शत-प्रतिशत मतदाता अपने-अपने मत का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें, इस हेतु स्वीप गतिविधि के तहत विभिन्न प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन निरंतर कराया जा रहा है। मतदाताओं को 25 मई को मतदान करने हेतु जागरूक करने में सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थाओं द्वारा बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को संत कोलंबस स्कूल, बेतिया में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रंगोली, मेंहदी और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न हुआ। छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरूकता से संबंधित आकर्षक रंगोली, पेंटिंग बनाएं और हाथों पर जागरूकता से संबंधित मेंहदी को सजाया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, शिक्षा विभागअलका सहाय, जिला स्वीप कोषांग की सदस्या मेरी एडलीन सहित स्वीप कोषांग के सभी सदस्य उपस्थित थे।

एनजीओ वर्ल्ड विजन के तहत रोगियों का हुआ निःशुल्क इलाज

प्रात : किरण, संवाददाता

इसुआपुर। प्रखंड के सहवां गांव स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र के प्रांगण में वर्ल्ड विजन के तहत सी 19 रिस्पांस मेकैनिज्म 19 प्रोजेक्ट के अंतर्गत शुक्रवार को कैंप के माध्यम से टीबी के साथ सैकड़ों जेनरल रोगियों का निःशुल्क इलाज किया गया तथा दवाईयां दी गईं। कैंप में खासकर टीबी की जांच, चेस्ट एक्स-रे, बीपी, शुगर तथा टीबी स्क्रीनिंग, पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से एक्सरे किया गया। वहीं मरीज को उचित सलाह के साथ-साथ जरूरत के अनुसार मुफ्त दवाइयां कैल्शियम तथा आयरन की गोलियां दी गईं। जांच के क्रम में टीबी के तीन पॉजिटिव केस पाए गए। स्वास्थ्य शिविर में मुख्य रूप से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर तूलिका कुमारी, बीएचएम नवाब अख्तर जिलानी, स्वास्थ्य प्रशिक्षक अनिल कुमार, डॉ राजीव कुमार,सीएचओ राहुल बेनीवाल, तबरेज आलम,एसटीएस वेंकटेश, फार्मासिस्ट शैलेश कुमार,एलटी एकता कुमारी, पोर्टेबल एक्स-रे ऑपरेटर आयुष्मान,एएनएम सीमा कुमारी, अंजना कुमारी तथा आशा फैसिलिटेटर एवं आशा कार्यकर्ता मुख्य रूप से थे।

योगियां और घुरापाली हाईस्कूल के छात्र -शिक्षक गीत गा मतदान बढ़ाने की कर रहे अपील

प्रात : किरण, संवाददाता

रसूलपुर। मतदाताओं से वोट बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग के साथ बिहार सरकार के शिक्षक छात्र भी आगे आ रहे हैं।इसी कड़ी में एक वुडियो सोशल मिडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें रसूलपुर थाना क्षेत्र के रामनंदन हाईस्कूल योगियां व केडी हाईस्कूल घुरापाली के संगीत शिक्षकों व छात्राओं ने मिलकर सारण का प्रसिद्ध बटोहिया गीत की थीम पर आधारित मतदाता जागरुकता गीत प्रस्तुत किया है केडी हाईस्कूल के संगीत शिक्षक व जाने माने तबलावादक अजय पांडेय के निर्देशन में गीत को तैयार किया गया है। प्रधानाचार्य लालबाबू यादव के नेतृत्व में शिक्षक व लोकगायक रामेश्वर गोप, संगीत शिक्षिका अर्चना मिश्रा व राजेश प्रसाद ,शिक्षिका कामिनी,नेहा,सुनैना व स्कूल की छात्राओं ने मिलकर गायन किया है।गीत के बोल चाहे पड़े केतनो गरमी ...वोट देबे जईह तू जरूर ए मतदाता भैया को गायक गोप ने खुद लिखा है।प्रधानाचार्य ने बताया कि मतदाता जागरुकता गायन में शिक्षक आसिफ इकबाल, प्रिंस,राकेश तिवारी ,उमेश पांडेय, कपुर्री ,अतूल कुमार ,रात्रि प्रहरी शिवकुमार,विकास लेखपाल दिनेश दूबे ने अहम भूमिका निभाई और कलाकारों की हौंसलाअफजाई की।

आगामी 06 जुलाई से श्री नारद बाबा के आश्रम पर सहस्त्रचण्डी महायज्ञ का होगा आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

तरैया, (सारण)। प्रखंड के नारायणी नदी के तट पर स्थित संत शिरोमणि श्री नारद बाबा के आश्रम जिमदहा में नवनिर्मित श्री मां दुर्गा भगवती की भव्य मंदिर बनकर तैयार हैं। मां दुर्गा भगवती की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर आगामी 6 जुलाई से 15 जुलाई तक यज्ञाध्यक्ष एवं यज्ञ संरक्षक संत शिरोमणि श्री नारद बाबा जी महाराज के नेतृत्व में नवदिवसीय श्री सहस्त्रचण्डी महायज्ञ का आयोजन हो रहा है। जिसको लेकर शुक्रवार को समिति का गठन किया गया एवं समिति में शामिल सदस्यों को यज्ञ के सफल आयोजन के लिए जिम्मेवारिया दी गई। इस यज्ञ में यज्ञाचार्य श्री बुद्धि सागर मिश्र जी वाराणसी काशी के द्वारा विधिवत यज्ञ का पूजा-पाठ एवं हवन संपन्न कराई जाएगी। श्री सहस्त्रचण्डी महायज्ञ को लेकर संत शिरोमणि श्री नारद बाबा जी महाराज ने बताया कि सनातन धर्म में पूजा-पाठ, उपवास और धार्मिक अनुष्ठान का विशेष महत्व होता है। ऐसी मान्यता है कि धार्मिक अनुष्ठान करते समय देवी-देवताओं की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में चल रही कई तरह की बाधाएं खत्म हो जाती हैं। हिंदू धर्म में अलग-अलग प्रयोजनों के लिए विशेष पूजा-पाठ की जाती है। श्री सहस्त्रचण्डी महायज्ञ हर कोई ब्राह्मण या आचार्य नहीं कर सकता हैं। इसके लिए दुर्गा सप्तशती का पाठ करने वाले व मां दुर्गा के अनन्य भक्त जो पूरे नियम का पालन करता हो ऐसा कोई विद्वान एवं परंपरागत आचार्य ही श्री सहस्त्रचण्डी महायज्ञ का विधिवत पाठ व पूजा करते है। इस यज्ञ में छपरा, सीवान, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, वैशाली, मोतिहारी, चम्पारण, आरा, पटना समेत अन्य जिलों के श्रद्धालु भक्त शामिल होंगे। बैठक में मुख्य रूप से पंकज बाबा, जिला पार्षद हरिशंकर सिंह, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि धनवीर कुमार सिंह विक्कू, पैक्स अध्यक्ष प्रत्यूष प्रकाश उर्फ राहुल सिंह, समाजसेवी ओम प्रकाश सिंह, देव कुमार सिंह, सरपंच संघ के प्रदेश महासचिव सुनील कुमार तिवारी, मंटू सिंह, मीडिया प्रभारी रंजन श्रीवास्तव, नीरज सिंह, कपूर सिंह, छोटू जी, ओमप्रकाश जी, भुनेश्वर सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

चार अभ्यर्थियों ने दाखिल किया नामांकन

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया मोहन सिंह। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत नामांकन के चौथे दिन 2-पश्चिम चम्पारण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन हेतु निवार्ची पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, दिनेश कुमार राय के कक्ष में अभ्यर्थी संजय कुमार (वीरो के वीर इंडियन पार्टी) द्वारा नामांकन दाखिल किया गया। इसके साथ ही 1-वाल्मीकिनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन हेतु निवार्ची पदाधिकारी-सह-अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह के कक्ष में अभ्यर्थी निवर्तमान सांसद सुनील कुमार (जनता दल (यूनाइटेड), देवानंद शुक्ल उर्फ दयानन्द शुक्ल (गुजरात सर्व समाज पार्टी, (स्वतंत्र) एवं सफी मोहम्मद मियां (आजाद समाज पार्टी,कांशीराम) द्वारा नामांकन दाखिल किया.शुक्रवार को कुल-04 अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन दाखिल किया गया।

छः विधानसभा वाला है लोकसभा वाल्मीकिनगर

- वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र में नक्सल प्रभावित 54 बूथ है संवेदनशील
- नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के चलते 7 बजे सुबह से 4 बजे अपराह्न तक ही होगा मतदान

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया/बगहा(मोहन सिंह/घनश्याम /नसीम)। ब्यूरो नसीम खान क्या छठे चरण के चुनाव कि अधिसूचना जारी होने के बाद चुनाव कि तैयारी युद्ध स्तर पर जारी है, एक ओर प्रत्यासी अपने प्रचार प्रसार मे लगे हुए है वही प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने मे जुटी हुई है । छः विधानसभा वाला है लोकसभा वाल्मीकिनगर वाल्मीकि नगर लोकसभा मे कुल 6 विधानसभा क्षेत्र है टोटल वोटर कि बात करें तो यहां 1825490 वोटर है जिसमे पुरुष वोटर 966302 और महिला वोटर 859116 है। कुल मतदान केंद्र 1829 है जिसमे 54 मतदान केंद्र नक्सल प्रभावित है जँहा चुनाव का समय सुबह 7 बजे से 4 अपराह्न तक ही रखा गया शेष सभी बूथों पर सुबह 7 बजे से 6 बजे अपराह्न तक मतदान होगा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रो मे सुरक्षा व्यवस्था कि बात करें तो इस संबंध मे बगहा एसपी सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि जो भी नक्सल प्रभावित क्षेत्र का बूथ है वहा पर पारामिलिट्री कि तैनाती रहेगी साथ ही एरियल सुरक्षा के लिए हेलीकाप्टर और ड्रोन से भी निगरानी रखी जाएगी इसके साथ ही विशेष दल पेट्रोलिंग मे भी लगा रहेगा। इस तरह देखा जाय तो चप्पे चप्पे पर सुरक्षा कि पुख्ता व्यवस्था कि गईं है। जिससे कि लोग निर्भीक होकर अपने मतधिकार का प्रयोग करें। संवेदनशीलशील भवनो कि पूरी सुरक्षा पर प्रशासन कि नजर पहले से ही है। छठे चरण मे होगा मतदान चुनाव कि प्रक्रिया कि बात करें तो 29 अप्रैल को अधिसूचना जारी हो गईं है जिसके तहत 29 अप्रैल से 6 मई तक नाम निर्देशन पात्र जमा किये जायेंगे 7 मई को नामनेशन पात्र कि संविक्षा तथा 9 मई को नाम वापसी कि अंतिम तिथि है। 25 मई को छठे चरण का मतदान होगा और 4 जून को वोटो कि गिनती होगी। भीषण गर्मी से वोटर को हो रही परेशानी सभी प्रयास के वावजूद भी इस चुनाव मे वोट प्रतिशत नहीं बढ़ रहा है जो सबके लिए एक चुनौती बना हुआ है विगत 2019 लोकसभा चुनाव मे वोटर टर्न आउट प्रतिशत कि बात करें तो 60 प्रतिशत से अधिक था जिसको इस चुनाव मे हासिल करना एक बहुत बड़ा लक्ष्य बना हुआ है।

1008 रुद्र महायज्ञ मे ज्ञान व भक्ति के सांथ भरपूर मनोरंजन की व्यवस्था

प्रात : किरण, संवाददाता

डोरीगंज। गडखा प्रखंड के कोठियां-नरांव स्थित नर्मदेश्वर महादेव मन्दिर व काली मन्दिर परिसर मे चल रहे ग्यारह दिवसीय यज्ञ मे भक्ति के सांथ श्रद्धालुओ की दुर्लभ रहस्य व ज्ञान की प्राप्ति हो रही है। गुरुवार को प्रातः काल से हीं यज्ञ मंडप का परिक्रमा करने व महादेव नर्मदेश्वर को जलाभिषेक करने प्रातः काल ब्रम्ह वेला में पहुंचने लगे। श्रद्धालुओ ने यज्ञ मंडप का परिक्रमा कर नर्मदेश्वरमहादेवव काली मन्दिर के अलावे राम जानकी की मूर्ति,शिव मूर्ति आदि की पूजा अर्चना की और अपनी बात भगवान के समक्ष रख आशीर्वाद प्राप्तकिए निर्मदेश्वर महादेव यज्ञ समिति द्वारा यज्ञ के सांथ अन्य जन कल्याण कारीकार्य व परमार्थ कार्य जारी है।श्रद्धालुओ व मेला घुमने वाले भक्तों के लिए सूर्यनारायण मन्दिर सेवा समिति सदस्यों द्वारा शीतल जल प्याऊ सेवा केन्द्र का चौबीसों घंटे नियमित सेवा दिया जा रहा है। सूर्यनारायण मंदिरके शिविर मे हीं नर्मदेश्वर महादेव का प्रसाद भीं जल शिविर सेवा समिति के तरफ से वितरित किया जा रहा है।स ईसके अलावे दूर दराज से आने वाले भक्तों के लिए नियमित भंडारा का प्रबंध किया गया है।किसी हादसा या दुर्घटना से निपटते हुए प्राथमिक उपचार हेतु निःशुल्क चिकित्सा शिविर भीं सूर्यनारायण मंदिर के सौजन्य से लगवाया गया है। कल्याण मार्ग पर चलने वालो के लिए समाज विरोधी भीं हो तो प्रभु का सदैव सहारा मिलता है धर्मेन्द्र शास्त्री अयोध्या छठे दिन संध्याकाल प्रवचन मंच से बोलते हुए आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री नेकहा कि मनुष्य को सदैव कल्याणकारी मार्ग का हीं चयन करना चाहिए। अनैतिक मार्ग पर चलनेंवालो व व्यभिचारी तथा पापिओ को कहीं सहारा नहीं मिलता सबसे पहले वह परमात्मा के नजरों मे गिर जाता है।अतः अपने दिनचर्या की शुरूआत परोपकार व जन कल्याण से हीं आरंभ करें।महार के अमृतमय वाणी व झांकी का भक्तों ने भरपुर लाभ उठाया।राधाकृष्ण के की आरती व भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की झांकी देखकर सभीं भक्त पण्डाल मे खरे होकर बाल कृष्ण के चरण छूने को लागत दिखे। ईसके पूर्व मंच का उद्घाटन ग्राम पंचायत राज डुमरी के मुखिया अंजू देवी ने दीप प्रज्वलित कर की।उनके सांथ ग्राम पंचायत राज मुसेपुर के पैक्स अध्यक्ष अनील कुमार सिंह पुर्व मुखिया मुन्ना कुमार नरांव पंचायत के उपरघुवर पाण्डेय आदि गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

खैरा मध्य विद्यालय पर मध्यान भोजन में नहीं दिए जाते अंडे, स्कूल के अध्यक्ष ने जताया विरोध

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा। सारण जिले के नगरा प्रखंड स्थित खैरा मध्य विद्यालय पर मध्यान भोजन में काफी अनियमितता बरती जा रही है इस बात की जानकारी होने पर स्कूल के अध्यक्ष, सचिव एवं कुछ अभिभको को के द्वारा शुक्रवार को अंडा नहीं दिए जाने की जानकारी मिलने पर उन्होंने जाकर स्कूल पर प्रधानाध्यापक से इसका विरोध जताया और प्रधानाध्यापक से पूछने पर उन्होंने कहा कि सप्लायर संजीव कुमार अंडे नहीं दे रहे हैं जिसके चलते बच्चों को अंडे नहीं मिल रहे हैं। लेकिन विरोध तक फल की भी व्यवस्था नहीं हुई थी

विरोध किए जाने के बाद बच्चों को प्रधानाध्यापक के द्वारा व्यवस्था करके एक-एक के केला प्रदान किया गया। जिससे अभिभावकों में रोस व्याप्त है।उनलोगो का खाना था कि एक अंडे की कीमत 5 रू है जबकि एक केले की कीमत 1 रू है। खाना की गुणवत्ता सही नहीं है इस पर जब आरोप लगाते हुए अभिभावकों के द्वारा पूछा गया कि क्या आप भोजन को चखते हैं तो इस पर प्रधानाध्यापक ने कहा कि नहीं मैं भोजन को नहीं चखता हूं क्योंकि मुझको शुगर है, चावल खाना माना है। इस बाबत स्कूल के अध्यक्ष फिरोज अली ने कहा कि एक महीना से बच्चों को अंडा नहीं दिया जा रहा है

आज कुछ शिक्षकों के शिकायत पर मैं स्कूल पहुंचा तो आज भी अंडे नहीं दिए गए थे। मैं जब इस बात को प्रिंसिपल से पूछा तो उन्होंने कहा कि अंडा का सप्लाई सप्लायर नहीं दिया है फिर उनके ऊपर काफी दबाव बनाया गया तो वह बच्चे को एक-एक केला दिए। दबाव बनाने से पहले तक मात्र चावल, दाल और सब्जी दिया जा रहा था। क्या कहते हैं

प्रधानाध्यापक इस बाबत प्रधानाध्यापक नुरुल होदा ने कहा कि सप्लायर के द्वारा अंडा का सप्लाई नहीं किया जा रहा है बच्चों को इसके बदले में फल दिए जा रहे हैं। मौके पर स्कूल के अध्यक्ष फिरोज अली,सचिव राघवेंद्र सिंह, राकेश कुमार,महम्मद जिलानी,सोनू आलम,अरुण कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मारपीट मामले में सात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

नासरीगंज (रोहतास) नासरीगंज थाना क्षेत्र के सुकहरा डिहरी बाजार पर मारपीट के मामले में साथ लोगों पर एससी-एसटी थाना डेहरी में प्राथमिकी दर्ज किया गया।नासरीगंज क्षेत्र के अमलोवां गांव निवासी विकास कुमार पिता जितेंद्र प्रसाद के साथ सुकहरा डिहरी बाजार पर मारपीट किया गया।मारपीट के बाद विकास कुमार ने काराकाट थाना क्षेत्र के कश्मीर अंसारी, नजरे तौहीद, कौसर जलाल तथा नासरीगंज थाना क्षेत्र के डिहरी गांव निवासी आफताब आलम, सोनू अंसारी, इकबाल अंसारी, सोनू अंसारी, इरफान अंसारी को आरोपी बनाया है। वही विकास कुमार ने दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि सुकहरा डिहरी बाजार पर गाली गलौज के साथ उक्त सभी ने मारपीट किया।मारपीट के दौरान गले से सोने चैन छीना,पॉकेट से रुपये छीन लिया गया।बताया कि नासरीगंज थाना में एफआईआर दर्ज करने के कारण हमें एससी-एसटी थाना में उक्त सभी पर एफआईआर दर्ज कराया।एससी-एसटी के एसआई नंदलाल कुमार ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

समाज के लिए अतुल कुमार अंजान अपना जीवन किया समर्पित : राकेश राही

अरवल। ऑल इण्डिया स्टुडेंट फेडरेशन के पुर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और किसान आंदोलन के मजबूत स्तंभ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कॉमरेड अतुल कुमार अंजान की अचानक मृत्यु हो गई।यह जानकारी अरवल जिला ऑल इण्डिया स्टूडेंट्स फेडरेशन के जिला सचिव राकेश राही ने प्रेस बयान जारी कर दिया। उन्होंने कहा कि लखनऊ के एक निजी अस्पताल में उन्होने अंतिम सांस ली। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वे उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे तथा छात्र जीवन में देश भर के छात्र आंदोलन मे भाग लिए एवं नेतृत्व प्रदान की। उसके बाद किसानो के हित मे बनी स्वामीनाथन आयोग के सदस्य भी रहे। किसानो के आन्दोलन मे लगातार भाग लेते रहे। पिछले दिनो जारी किसान आंदोलन मे भी इनकी भूमिका अहम थी। शोषित वंचित समाज के लिए इन्होने अपना जीवन समर्पित कर रखा था। इनके असमय चले जाने से आमजन के संघर्ष और वाम आन्दोलन को गहरी छति पहुंची है। अरवल जिला ऑल इण्डिया स्टूडेंट्स फेडरेशन उनको श्रधांजलि पेश करती है तथा उनके संघर्षो को मंजिल तक पहूचाने का शपथ लेती है।

एकल विद्यालय की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद में ब्लॉक के समीप अवस्थित एकल विद्यालय अभियान के जिला कार्यालय के प्रांगण में एकल विद्यालय के गतिविधियों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता सिंहा कॉलेज के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ रामाधार सिंह ने किया। बैठक की शुरूआत अंचल व्यास माया देवी के ओमकार गीत से की गई। उपस्थित सदस्यों ने आपसी विचार समन्वय किया एवं एकल विद्यालय के माध्यम से समाज के निचले तबके में रह रहे लोगों के बीच शिक्षा की जागृति कैसे फैलानी है इस विषय पर चर्चा की गई। संरक्षक भैरवनाथ पाठक, अशोक कुमार सिंह, सचिव सिंहेश सिंह सत्येंद्र राम अभियान प्रमुख विजय कुमार, अंचल कार्यालय प्रमुख, खेलकूद प्रभारी शिव कुमार, रविंद्र कुमार रवि सहित अन्य लोगों ने पंचमुखी शिक्षा के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि इसके माध्यम से हम संस्कार जनित शिक्षा को बढ़ावा दे सकते हैं।

डॉ. रामाशीष सिंह की तीसरी पुण्यतिथि पर उनके स्वर्णिम पलों को किया याद

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के आई में हाल के प्रांगण में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ रामाशीष सिंह जी की तीसरी पुण्यतिथि श्रद्धांजलि सभा के रूप में मनाई गई। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता डॉ रितिक ने किया जबकि संचालन वरीय अधिवक्ता प्रेमेंद्र मिश्रा द्वारा किया गया। उपस्थित लोगों ने सर्वप्रथम डॉ रामाशीष सिंह जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डॉ रामाधार सिंह के लिए तीन दशक तक चिकित्सक के साथ-साथ सामाजिक एवं साहित्यिक सेवा को मूर्त रूप प्रदान किया था। श्रद्धांजलि सभा के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन जिले के प्रसिद्ध व्यवसायी कन्हैयालाल जैन, प्रसिद्ध फिजिशियन डॉ बीके सिंह, प्रसिद्ध चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ वीरेंद्र कुमार सिंह, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ हनुमान राम, समाजसेवी बादशाह बाबू, पूर्व भाजपा अध्यक्ष रामानुज पांडेय, डॉ नागेंद्र शर्मा ने कहा कि डॉ रामाशीष सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे।उन्होंने अपना सारा जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया था।

देश के विकास में एक-एक वोट महत्वपूर्ण : हुलास

आरा लोकसभा चुनाव को लेकर हुलास पांडेय ने की कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। चंदवा स्थित ग्रीन हेवेन रिजॉर्ट आरा में लोजपा संसदीय बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय के समर्थको एक शुभचिंतकों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष राजेश्वर पासवान एक संचालन वरीय नेता शशि चौधरी ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री सह आरा सांसद राजकुमार सिंह उपस्थित थे।

सर्वप्रथम पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय एनडीए उपस्थित अपने सभी कार्यकताओं को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। वही पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय ने बैठक में उपस्थित केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह को तलवार, बुके, पगड़ी एक अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस के बाद निलेश उपाध्याय ने सभी अंग अतिथि को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय ने कहा कि कार्यकताओं की यह बैठक क्वाटर फाइनल है, नामांकन के दिन सेमीफाइनल होगा और चुनाव के दिन फाइनल हमलोग तीन लाख से भी ऊपर वोट से जीतेंगे। इन्होंने कहा की इतनी भीषण गर्मी के बाद भी अप लोग जिस उत्साह से बैठक में भाग लिए उसक लिए हम अप सभी के आभारी है।वही इन्होंने कहा कि यह चुनाव देश के भविष्य का है और आप का एक एक वोट देश के नव निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। यह ऐतिहासिक चुनाव है जब देश की सभी भ्रष्टाचार में लिप्त विपक्षी पार्टी एकजुट है और उनका एकमात्र लक्ष्य है राजग हराना और मोदी जी को हटाना। इसलिए आप सभी एक एक वोट राजग के पक्ष में मतदान करे जो भी बंधु बाहर है उन्हे बुलाकर मतदान जरूर कराएं।

वही केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह ने कहा कि मेरा चुनाव लडने का मुख्य मकसद है आरा को देश के मानचित्र पर विकास के अग्रेतर पंक्ति में खड़ा करना । अभी कुछ ही काम हुआ तो आरा चमकने लगा अभी तो बहुत काम करना है जो अगले पांच साल में पूरा हो जाएगा। आप सब देश को महासक्तिशाली के श्रेणी में रखने एवम नवनिहालो के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए राजग को वोट करे। इन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व का तीसरा महाशक्ति बनेगा।

बैठक में लोजपा छात्र प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष यामिनी रंजन मिश्रा, जिला परिषद सदस्य वंदना राजवंशी, जिला परिषद सदस्य पंडित गंगाधर पांडे, जिला परिषद सदस्य कृष्ण ओझा, जिला पार्षद राकेश सिंह, प्रमुख गुड्डू सिंह, डिप्टी मेयर प्रतिनिधि सरोज सिंह, राहुल रणवीर, आशुतोष , डब्लू जैन,ममता सिंह जिलाधक्ष भाजपा महिला मोर्चा, मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष मंटू सिंह, मंटू राय जी, पूर्व प्रमुख राजेंद्र राय जी, पूर्व प्रमुख कमलेश जी, पप्पू सिंह,पुतुल सिंह, कमलेश सिंह , पिंटू तिवारी,रमेश रेशमिया, सोनू पासवान,मोहन शर्मा, हरेराम सिंह मुखिया संतोष पसवान,जयशंकर पासवान ,परमानंद पासवान सतीश प्रसाद ,अमोद कुमार,अहमद शिव दुलाराम,राजेश कुशवाहा ,अशोक कुमार, सुमित मुखिया, राजेशसाहू ,बबीताचौधरी ,गुड्डू मुखिया मितरंजन पसवान समेत कई थे।

चुनाव लड़ने का मेरा एक ही लक्ष्य काराकाट जनता का पूरा हो सपना : पवन सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) काराकाट प्रखंड क्षेत्र में काराकाट संसदीय क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी भोजपुरी गायक सह अभिनेता पवन सिंह ने एक दर्जन गांवों में जनसंपर्क अभियान कर लोगों से विकास का किया वादा। जहां अभियान तहत काराकाट जनता से अपना आशीर्वाद मांगते हुए जनता से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील किया।

वही देखा जाए तो अन्य प्रत्याशियों के अपेक्षा पवन सिंह के जनसंपर्क अभियान में लोगों की जनसैलाब उमड़ रही है। बता दें कि काराकाट प्रखंड के गोडारी, बुढ़वल, अमौरा, किरही, सोनवर्षा,सकला, दुआरी, मुंजी, मोहनपुर, काराकाट,जयश्री, मोथा,इटवां में जनसंपर्क किया। जिसमें युवाओं की टोली ने बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रहा है। बताया जाता है कि जनसंपर्क अभियान जारी रहेगा। वही लोगों से संपर्क करते हुए पवन सिंह ने बताया कि विगत लंबे समय से अधूरी पड़ी काराकाट लोकसभा में विकास कार्य को पूरा कर जनता के बीच एक ऐतिहासिक विकास कार्य की गाथा लिखूंगा। मौके कर मुखिया संघ जिलाध्यक्ष सह मुखिया काराकाट पंचायत योगेंद्र सिंह, गुड्डू दुबे, मंजेश सिंह, शंभु सिंह, बुटन बाबा, रोहित सिंह, सुमित सिंह,शारदा सिंह, अभय सिंह, पप्पू कुमार सिंह सहित हजारों समर्थक थे।

ब्राईट कैरियर पब्लिक स्कूल के संस्थापक स्व रामाधार सिंह का मनाया गया तीसरी पुण्यतिथि

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। लीलावती एजुकेशन ट्रस्ट और ब्राईट कैरियर पब्लिक स्कूल के संस्थापक स्व रामाधार सिंह का तीसरी पुण्यतिथि बड़कागांव, ब्राईट कैरियर पब्लिक स्कूल के प्रांगण में श्रद्धांजलि अर्पित कर के मनाया गया। स्व रामाधार सिंह को फूलों और माला से अतिथियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की । इस कार्यक्रम का उद्घाटन में ब्राईट कैरियर पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अभियंता अरुण कुमार सिंह, प्राचार्य नीतू सिंह और ट्रस्ट के अधिकारी ने कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया। अरुण कुमार सिंह ने कहा कि स्व रामाधार सिंह का सपना था कि गरीब एवं मध्यवर्गीय परिवार के बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए दूसरे शहर में भटकना नहीं पड़े। इस कारण ब्राईट कैरियर पब्लिक स्कूल की स्थापना किया गया है। इस स्कूल का सभी वर्ग मे सुपर -30 का जो प्रोजेक्ट था कि प्रत्येक वर्ग में 30 ही बच्चे पढ़ेंगे, सभी वर्ग में केवल एक ही सेक्शन रहेंगे , इस प्रोजेक्ट को हम लोगों ने पूरा कर दिया है। 30 बच्चों के बाद हम लोग एक भी एडमिशन नहीं ले रहे हैं अगर सीट खाली रहेगा तभी हम लोग एडमिशन लेंगे। अब जो भी सीट खाली रहेंगे उसके लिए प्रत्येक वर्ष जनवरी महीना के अंतिम सप्ताह में नामांकन परीक्षा होगा । इस स्कूल का खास बात यह है कि यहां पर पढ़ने वाले बच्चों को बाहर में ट्यूशन की कोई जरूरत नहीं पड़ती है। नीतू सिंह ने कहा कि इस स्कूल की बहुत कम समय में काफी ऊंचाइयों तक शिक्षा के माध्यम से पहुंच गई है। यह विद्यालय शाहाबाद का गौरव के रूप में स्थापित हो रहा है। इस स्कूल में पढ़ाई बच्चों को अंग्रेजी मीडियम के तहत कराई जाती है। और हमारे विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को ट्यूशन और कोचिंग की कोई तरह की जरूरत नहीं पड़ती है।इस कार्यक्रम के दौरान छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिता आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। मौके पर रवीश कुमार सिन्हा, राकेश कुमार पटेल , उत्पल कांत तिवारी ,सूरज कुमार ,श्वेता कुमारी ,श्रेया सिंह रुपाली सिंह , नंदनी कुमारी,जोया खान, और शालू कुमारी उपस्थित थे।

5 मई से आयोजित होगी प्राकृतिक चिकित्सा प्रशिक्षण : आयुष फाउंडेशन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, शेखपुरा पटना मे आगामी 5 मई 2024 से आयुष फाउंडेशन द्वारा संचालित बड़ी मठिया आरा स्थित आयुष कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से ठक्कर पास सभी ग्रामीण चिकित्सक, योग शिक्षक और प्राकृतिक चिकित्सा में रुचि रखने वालों के लिए को प्राकृतिक चिकित्सा प्रशिक्षण का आयोजन किया जाना तय हुआ है।

मिशन पेन फ्री लाइफ विथ ड्रग्लेस ट्रीटमेंट के तहत, शुरूआती बीमारी को गंभीर और असाध्य बनने से पहले ठीक करने के उद्देश्य से स्वःचिकित्सा हेतु प्राकृतिक चिकित्सा एक्यूप्रेशर-योग, डाइट एवं डिटॉक्स थेरेपी के प्रशिक्षण के लिए प्राकृतिक चिकित्सा में रुचि रखने वाले इच्छुक व्यक्ति अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। प्रशिक्षण को सफल बनाने के उद्देश्य से एक बैठक को संबोधित करते हुए निदेशक डॉ पी पुष्कर ने कहा यदि हम शुरूआती लक्षणों को पहचान कर प्राकृतिक चिकित्सा एक्यूप्रेशर - योग, डाइट एवं डिटॉक्स थेरेपी जैसे प्रभावी चिकित्सा द्वारा स्व-चिकित्सा करते हैं तो पूरी जीवन रोग के दर्द और दवा से बच सकते हैं प्राकृतिक चिकित्सा को सिखाना और इस्तेमाल करना बिल्कुल सरल होता है इसके प्रयोग से अपना और अपने परिवार को स्वस्थ रख सकते हैं । रजिस्ट्रेशन शेखपुरा पटना स्थित राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान,के कार्यालय या 8581900702 पर व्हाट्सएप के माध्यम से घर बैठे कर सकते हैं।

शोधार्थी रमेश कुमार के पीएचडी की हुई मौखिकी परीक्षा

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में शुक्रवार को शोधार्थी रमेश कुमार के पीएचडी की मौखिकी परीक्षा सम्पन्न हुई। उनके शोध का विषय "रोहतास जिला के विकास योजना में मानव संसाधन का योगदानः एक भौगौलिक अध्ययन" था। उनके शोध निर्देशक वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा स्नातकोत्तर भूगोल विभाग के प्रोफेसर (डॉ.) नरेन्द्र प्रताप पालित थे। वहीं वाह्य परीक्षक बी.आर.ए.वी. विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर भूगोल विभाग के पूर्व विभागध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राम प्रवेश यादव थे। इस मौके पर वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. ललित सागर, प्रो. डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. रत्नेश शुक्ला, डॉ. अंबरीश कुमार रॉय, डॉ. फौजीया रहमान, डॉ. ज्योति जी, डॉ. सदफ मौजूद रहें। वहीं खुली मौखिकी में डॉ. मुन्ना कुमार ज्योति, डॉ. कृष्ण कुमार, पत्रकार राणा अमरेश, अनिल कुमार त्रिपाठी, आशुतोष जी पांडेय, अधिवक्ता विजय भारती, धनेश कुमार सिन्हा एवं कुमार विकेश आदि उपस्थित रहें।

बूथ स्तरीय एनडीए कार्यकर्ताओं ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) शुक्रवार को काराकाट लोकसभा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के बूथ स्तरीय कार्यकताओं की एक बैठक मोथा ग्राम में संपन्न हुई । बैठक की अध्यक्षता जदयू के प्रखंड अध्यक्ष आशुतोष कुमार ने की। बैठक में काराकाट विधानसभा की तीन पंचायत जयश्री,मोथा और काराकाट के सभी बुथ अध्यक्ष सहित पन्ना प्रमुख सभी घटक दलों के उपस्थित थे । बैठक में आए हुए सभी प्रमुख नेताओं ने अपने कार्यकताओं को आगामी संसदीय चुनाव में एनडीए के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में जनता से आशीर्वाद मांगने एवं केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता जनार्दन के समक्ष रखने को कहा ।साथ ही साथ मतदान का वोटिंग प्रतिशत बढ़ने पर भी विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के अवसर पर एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा की धर्मपत्नी स्नेहा लता की विशेष सहभागिता रही। कार्यक्रम में अपने विचार रखने वालों में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के महासचिव अखिलेश्वर प्रसाद सिंह ,संजय मेहता , योगेंद्र चौहान, भारतीय जनता पार्टी जिला के महामंत्री विजय सिंह , काराकाट लोकसभा संयोजक नवीन चंद्र साह , विधानसभा संयोजक अखिलेश्वर पांडेय ,अजीत सिंह ,संजय तिवारी, जदयू जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह कुशवाहा , पूर्व मुखिया काराकाट विनोद सिंह ,लोक जनशक्ति पार्टी के बादशाह पासवान, भाजपा मंडल महामंत्री रजनीकांत पांडेय ,अर्जुन गुप्ता, आनंदी शाह, कंचन देवी ,रिंकू देवी सहित अन्य लोग थे। गठबंधन के सभी नेताओं ने एक स्वर से उद्घोष किया फिर एक बार मोदी की सरकार। लाभार्थियों की समृद्धि मोदी की गारंटी पर विशेष चर्चा हुई । 10 मई 2024 होने वाले नामांकन समारोह के लिए सभी को आमंत्रित भी किया गया। नामांकन समारोह सासाराम रेलवे मैदान में होगा। इसकी जानकारी नवीन चंद्र साह ने दी।

रेलवे सुरक्षा बल टीम का संयुक्त रेल यात्री सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। दानापुर मंडल के आरा रेलवे जंक्शन पर मानवाधिकार समस्या एवं समाधान सहायता संघ और रेलवे सुरक्षा बल टीम का संयुक्त रेल यात्री सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया।इस अभियान का नेतृत्व आर पी एफ इंस्पेक्टर सुमन कुमारी और संस्था के डायरेक्टर संजय कुमार गुप्ता ने किया, इस अभियान में रेल यात्रियों को अपना लगेज, पर्स मोबाइल की स्वयं निगरानी करने, बिना वजह रेल का जंजीर नहीं खींचने, खिड़की के पास बैठे महिला रेल यात्री के गले में पड़े सोने की चैन को प्लेटफार्म पर रेल को रुकने और रुकने तक आंचल से ढकने,की सलाह दी गई। साथ ही किसी भी अंजान रेल यात्रियों से मेलजोल नहीं करने और दिए गए खाद्य पदार्थ को नहीं लेने, बिना टिकट का यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई, तथा कोरोना काल से अबतक मानवाधिकार समस्या एवं समाधान सहायता संघ टीम के साथ कुशल व्यवहार और निडर होकर अभियान में में शामिल होने पर ऋडउ ढफ्डऋफ्टअठउए का आज अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर कोरोना महायोद्धा सम्मान दिया गया, संस्था के तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता, ब्रम्हा कुमार, चन्दन कुमार, सद्दाम हुसैन ईत्यादि और रे.सु.ब./आरा के निरीक्षक प्रभारी रे.सु.ब./आरा सुमन कुमारी उप निरीक्षक /रामवधेश यादव व अन्य बल सदस्य मौजूद थे।

लोजपा रामविलास एनडीए गठबंधन को जिताने के लिए चलाया जनसंपर्क

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल । जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र से एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को जिताने के लिए लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र रंजन के नेतृत्व में चलाया गया जनसंपर्क अभियान। आगामी लोकसभा चुनाव के तैयारी को लेकर पूरे देश भर में 400 सौ सांसद जिताने के संकल्प के साथ जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र से एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को जिताने के लिए अरवल जिला लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र रंजन के नेतृत्व में अरवल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोरियम , कोनिका , निरंजन बिगहा (सकरी के टोला) घोपद बिगहा , असलानपुर कुटिया सहित दर्जनों गांवों में जनसम्पर्क अभियान चलाया गया । उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी , लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद चिराग पासवान एवं बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों के मजबूत करने के लिए जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र से एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी के पक्ष में मतदान करने के लिए आम मतदाताओं से अपील किया । जनसम्पर्क अभियान में पूर्व जिला उपाध्यक्ष दीपक पासवान , अरवल प्रखंड उपाध्यक्ष चन्द्रविजय कुमार एवं दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे ।

डीएम ने जनता दरबार मे 19 लोगों की सुनी फरियाद

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में 19 परिवादियों के फरियाद को सुना गया। गरिवादियों द्वारा भूमि विवाद, अतिक्रमण, अनियमितता, मारपीट, मनरेगा, खनन विभाग, शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों से संबंधित मामले थे। फरियादियों के आवेदन के शीघ्र निष्पादन हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिये गये। वंशी थाना स्थित ग्राम माली निवासी छोटे नारायण प्रसाद द्वारा बताया गया कि सरकारी अमीन द्वारा अपनी रैयती जमीन के नापी के बाद भी अखिलेश कुमार एवं उनके परिवार द्वारा भवन निर्माण कार्य पर रोक लगाया जा रहा है।

उक्त लोगों पर उचित कार्रवाई करने की कृपा की जाए ताकि भवन निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। इस संबंध में जिला गदाधिकारी द्वारा अंचलाधिकारी वंशी को नियमानुसार जाँच करते हुए निष्पादन हेतु निदेश दिया गया। करपी थाना स्थित ग्राम पाटकचक निवासी उपेन्द्र कुमार के साथ अन्य लोगों द्वारा बताया गया कि उनके बच्चों का नामांकन उच्च विद्यालय फखरपुर में नवम वर्ग में नहीं किया जा रहा है, बच्चों का नामांकन उक्त विद्यालय में करवाने की कृपा की जाए। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी अरवल को नियमानुसार निष्पादन करने हेतु निदेशित किया गया।

लोकसभा चुनाव मतदाता जागरूकता को लेकर अधिकारियों के साथ किया बैठक: डीएम

अरवल। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह की अध्यक्षता में लोकसभा आम निर्वाचन- 2024 के मद्देनजर स्वीप अभियान के तहत मतदाता जागरूकता को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि वर्तमान समय में सभी स्कूलों में गर्मी की छुट्टियाँ है, जिसमें सभी शिक्षको को बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते हुए मतदाता जागरूकता अभियान में भी शामिल किया जा सकता है। इस दौरान उनके द्वारा बताया गया कि शिक्षक अपने संबंधित विद्यालय के पोषण क्षेत्र में घूम-घूनकर प्रत्येक बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करेंगे, साथ ही उनके अभिभावकों से वार्ता स्थापित कर चुनाव में मतदान की महत्ता को समझाते हुए उनको मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। मौके पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी शिक्षा विभाग उपस्थित रहे।

स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ पिरामल फाउंडेशन ने की बैठक

औरंगाबाद। पीरामल फाउंडेशन द्वारा अपने जिला कार्यालय में औरंगाबाद के सभी सामाजिक संगठनों के साथ एक बैठक की गई। बैठक में आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत सभी इंडिकेटर को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। जिले में विकास कार्यो के प्रति सामाजिक संगठनों का सहयोग, उनके क्षमतावर्द्धन, सरकार की विभिन्न योजनाओं के संचालन में भागीदारी सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर पीरामल फाउंडेशन के स्टेट कॉर्डिनेटर सैयद अकरम हुसैन तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक शादाब आलम ने कहा कि जिला के सभी एनजीओ एक दूसरे को कैसे सहयोग कर अपने जिले की स्थिति को और कैसे बेहतर बना सकते हैं, इसके लिए सभी सक्रिय संगठनों को एक साथ एक मंच पर आने की जरूरत है। जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा तथा पोषण जैसे मुद्दों पर साथ कार्य करने की जरूरत है। बैठक में सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि हर महीने एक बैठक होगी। मासिक बैठक हर महीने अलग-अलग एनजीओ के कार्यालय में होगी। बैठक के अंत में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी लोग एक दूसरे का सहयोग करेंगे तथा अपने जिले को अव्वल बनाने के साथ साथ विकसित भारत में भी अपनी भूमिका तय करेंगे। इस बैठक में पिरामल फाउंडेशन के सभी कार्यक्रम प्रबंधक जितेन्द्र श्रीवास्तव तथा विश्वाश (स्वास्थ्य & पोषण क्षेत्र) रोहित भारती, सुभम वाघ (शिक्षा क्षेत्र) तथा सभी गाँधी फेलोज उपस्थित रहे।

शिवकुमार सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद, समकालीन जवाबदेही परिवार एवं बतकही परिवार के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक चंदन पाठक के आवास पर अंबा प्रखंड के झरहा निवासी समाजसेवी, पत्रकार शिवकुमार सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि श्रद्धांजलि सभा के रूप में मनाई गई। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह एवं समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सर्वप्रथम उनके सम्मान में उपस्थित लोगों ने 2 मिनट का मौन रखा एवं उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए कहा कि एक छोटे से ग्राम झरहा से चलकर उन्होंने औरंगाबाद जिले में विशिष्ट पहचान बनाई थी। सामाजिक कार्यों में वे बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया करते थे। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उन्होंने अमित छाप छोड़ी थी।औरंगाबाद जिले से निकलने वाली आंचलिक समाचार पत्र नव बिहार टाइम्स के स्थापना काल से ही स्तंभकार हुआ करते थे।

औरंगाबाद जिले के विभिन्न प्रखंडों के समाचार को वे संग्रह कर नवबिहार टाइम्स में उसको प्रमुखता से छपवाते थे।शिक्षा के प्रति उनकी गहरी अभिरुचि थी। उनके पुत्र डॉ कुमार वीरेंद्र वर्तमान में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर पदस्थापित हैं। पुण्यतिथि के मौके पर अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ शिवपूजन सिंह, डॉ रामाधार सिंह, शब्दाक्षर के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री कवि धनंजय जयपुरी,शिव शिष्य पुरुषोत्तम पाठक,शिक्षक नेता रामभजन सिंह,बैजनाथ सिंह, शिक्षक धर्मेंद्र सिंह उज्जवल रंजन रिटायर्ड दारोगा मुरलीधर पांडेय,अशोक सिंह, अलखदेव सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में नेतृत्व विकास कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मोतिहारी।महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय एमजीसीयूबी ने हाल ही में बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड बीएसपीएचसीएल पटना के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए नेतृत्व पर एक कार्यकारी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। 5 दिनों की अवधि के लिए आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य बीएसपीएचसीएल के अधिकारियों को गतिशील व्यावसायिक परिदृश्य के भीतर नेतृत्व भूमिकाओं में उत्कृष्टता के लिए आवश्यक नवीनतम अंतर्दृष्टि, रणनीतियों और व्यावहारिक उपकरणों से लैस करना था।एमजीसीयूबी में प्रबंधन विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सपना सुगंधा ने प्रतिभागियों को प्रभावशाली शिक्षण अनुभव प्रदान करने के प्रयासों का नेतृत्व करते हुए कार्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य किया। डॉ. सुगंधा ने सम्मानित सहकर्मियों डॉ. अलका लालहॉल, डॉ. स्वाति कुमारी, डॉ. शिवेंद्र सिंह और डॉ. अवनेश कुमार के साथ मिलकर पूरे कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों को आयोजित किया। अपनी विशेषज्ञता साझा की और प्रतिभागियों को नेतृत्व उत्कृष्टता के लिए मार्गदर्शन किया।

पापा चाहते थे मैं सिंगर बनूं और वही मेरी सफलता नहीं देख पाए

पंजाबी गायक-अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री को उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं, लेकिन गिप्पी ग्रेवाल के लिए यह सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे पुराने दिनों को याद करते नजर आए। उन्होंने उसी इंटरव्यू के दौरान अपनी जिंदगी के सबसे बड़े पछतावा का भी खुलासा किया।

पुश्तैनी जमीन बेचनी पड़ी

गिप्पी ग्रेवाल पंजाब में बिताए गए अपने बचपन को याद करते हुए कहते हैं, मैं कोई पंद्रह-सोलह साल का था तब मेरे पिता जी लकवे का स्ट्रोक मार गया। हम किसान परिवार से आते थे तो हमारे पास पैसे उतने थे नहीं इसलिए हमें हमारी पुश्तैनी जमीन बेचनी पड़ी, लेकिन पिता जी फिर भी ठीक नहीं हुए। अपने जीवन के दो साल मैंने सिर्फ हॉस्पिटल में बिताया है।

पिता का सपना पूरा किया

गिप्पी ग्रेवाल के पिता उन्हें गायक बनाना चाहते थे। गिप्पी ग्रेवाल कहते हैं, मेरे पापा का सपना था कि मैं गायक बनूं, लेकिन हमारे पास इतने पैसे नहीं थे कि हम अपना म्यूजिक वीडियो निकाल सके। एक म्यूजिक वीडियो निकालने के लिए उन दिनों कम से कम पांच लाख रूपये लगते थे और तब हमारे पास इतने रुपये नहीं था।

एक पछतावा रहेगा हमेशा

गिप्पी ग्रेवाल अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मैं गायक बना और आज फिल्में भी कर रहा हूं, लेकिन एक बात जो मेरे जहन में हर वक्त चलती है वो ये कि पापा मेरी सफलता नहीं देख पाए। वे मुझे गायक बनते हुए देखना चाहते थे। साल 2003 में वे हमें छोड़ कर चले गए। जब पापा थे तब वे मुझे काफी सराहते थे। मुझे बताते थे कहां मैं सही कर रहा हूं और कहां गलत। मैं अपने बच्चों को उनके बारे में सबकुछ बताता रहता हूं। मैं चाहता हूं कि वे जान सके कि उनके दादा जी कैसे थे।

लगता था एक फिल्म फ्लॉप तो जिंदगी फ्लॉप, इसीलिए करियर आगे नहीं बढ़ा

नामचीन एक्ट्रेस तनुजा की बेटी और काजोल की छोटी बहन तनीषा मुखर्जी ने भी परिवार के बाकी सदस्यों की तरह एक्टिंग को करियर चुना पर उनके हिस्से दूसरों जितनी कामयाबी नहीं आई। साल 2003 में फिल्म श्श्श से डेब्यू करने वाली तनीषा पर्दे पर कुछ गिनी-चुनी फिल्मों में ही नजर आईं। इन दिनों तनीषा चर्चा में हैं, फिल्म लव यू शंकर को लेकर। इसी सिलसिले में उन्होंने हमने अपने फिल्मी सफरनामे पर की खास बातचीत -

आप अपने फिल्मी सफर को कैसे देखती हैं?

मेरा फिल्मी सफर अभी चल ही रहा है। वो अभी खत्म नहीं हुआ है। हां, मैंने कम काम किया है। मैं थोड़ा-थोड़ा काम करती रहती हूं लेकिन मुझे ऐसे काम करने में मजा आ रहा है। मुझे लगता है कि अगर आप सब कुछ अभी कर लेंगे तो आगे क्या करेंगे? मैंने तो अभी बहुत कुछ नहीं किया है, तो मेरे पास बहुत कुछ करने का मौका है। बाकी, कम काम करने की वजह कोई नहीं है। जब काम अच्छा मिलेगा तो मैं कर लूंगी। मैं चाहती हूं कि अलग-अलग करैक्टर्स करूं, अच्छे लोगों के साथ काम करूं। वैसे, मैं हमेशा ऐक्टिव थी, अब पिक्चर रिलीज नहीं हो रही या चल नहीं रही तो वो मेरे हाथ में नहीं है। लोग सिर्फ वो देखते हैं जो बाहर निकलता है पर मैं कभी इनऐक्टिव नहीं थी। मेरा एक एनजीओ है। मैं और भी काम करती हूं। मेरी एक जिंदगी है। मुझे ऐक्टिंग से प्यार है लेकिन ये मेरी जिंदगी का हिस्सा भर है।

जब आपने शुरुआत की थी और आपकी फिल्में नहीं चलीं, निराशाजनक दौर से आप कैसे निपटी?

बिल्कुल, तब बहुत बुरा लगा था। वो दिल टूटने वाली बात थी क्योंकि मैं बहुत छोटी थी। तब ऐसा लगता है कि यही सबकुछ है। उस वक्त हमें ये अहसास नहीं था कि सफलता या असफलता आपको परिभाषित नहीं करती। उस वक्त तो कोई फिल्म नहीं चलती थी तो लगता था, जैसे इस असफलता से मेरी पूरी जिंदगी थम गई हो। एक फ्लॉप से मेरी पूरी लाइफ फ्लॉप हो गई। शायद इसी वजह से मेरा करियर आगे नहीं बढ़ा। हमने धीरे-धीरे सीखा कि एक असफलता से कुछ नहीं होता, एक सफलता से भी कुछ नहीं होता। बस काम करते जाओ। जितना आप काम करेंगे, उतना अनुभव मिलेगा और वो सबसे जरूरी है।

फिल्म लव यू शंकर में आप मां की भूमिका निभा रही हैं। इस रोल को लेकर आपके मन में कोई हिचक नहीं रही?

फिल्म में पहली बार एक मां का किरदार निभा रही हूं। मैंने असल जिंदगी में ये किरदार अब तक नहीं निभाया है तो मैं स्क्रीन पर वो इच्छा पूरी कर रही हूं। जो मां-बेटे का रिश्ता फिल्म में दिखाया गया है वो दोस्ती भरा है। मेरी अपनी मां के साथ भी ऐसा ही रिश्ता है तो ये सब मुझे बहुत अच्छा लगा। मुझे इसे करने को लेकर कोई हिचक नहीं थी। मैंने हमेशा जो भी रोल किया है, उसे करैक्टर में डूबकर निभाया है। मैं नहीं सोचती हूं कि दुनिया क्या कहेगी। अगर मैं ये सोचती तो मैं नील ऐंड निक्की जैसी फिल्म नहीं करती। मुझे निक्की का करैक्टर अच्छा लगा तो मैं पूरी तरह निक्की बख्शी बन गई। इसी तरह मैंने पूरे मन से मां का रोल निभाया।

सोनाक्षी नहीं रखना चाहेंगी राजनीति में कदम

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार को लेकर सुर्खियों में हैं। वह फरीदन की भूमिका में नजर आ रही हैं, जिलके लिए उन्हें दर्शकों से खूब सराहना मिल रही है। इसी के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस से राजनीति में जाने को लेकर सवाल पूछा गया, जिस पर एक्ट्रेस ने नेपोटिज्म से जुड़ी एक बात कही, जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दरअसल, सोनाक्षी सिन्हा के पिता शत्रुघ्न सिन्हा अपने समय के जाने-माने एक्टर रहे हैं। कई शानदार फिल्मों में काम किया है और अब राजनीति में एक्टिव हैं। अब राज शमानी से खास बातचीत में, सोनाक्षी सिन्हा से भी पूछा गया कि क्या वह राजनीति में कदम रखना चाहेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, जिसके बाद हर कोई दंग रह गया।

सोनाक्षी सिन्हा पॉलिटिक्स में आएंगी?

सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, नहीं। क्योंकि फिर वहां भी तुम लोग नेपोटिज्म-नेपोटिज्म करने लगोगे। एक्ट्रेस ने कहा कि वह बहुत ही प्राइवेट पर्सन हैं। वह अपने पिता की तरह पब्लिक पर्सन नहीं हैं। साथ ही, उनके अंदर एक राजनेता बनने के गुण भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि लोगों से कुछ कहने से पहले खुद उन्हें उन तक पहुंचनना आना चाहिए और दोनों के बीच पारदर्शिता होनी चाहिए।

सोनाक्षी सिन्हा ने राजनीति पर क्या कहा?

सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, मजाक से हटकर, मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा करूंगी कभी क्योंकि मैंने अपने पिता को इस फील्ड में देखा है। मुझे नहीं लगता कि मुझमें इस चीज के लिए योग्यता है। मेरे पिता को लोगों का खूब प्यार मिलता है और वह लोगों के पसंदीदा शख्स हैं। मैं बहुत ही प्राइवेट पर्सन हूं। और आपको लोगों का व्यक्ति बनना होगा। आपको उनके लिए हमेशा मौजूद रहना होगा। मैंने अपने पापा को देखा है इसलिए मुझे नहीं लगता कि वो बात मेरे अंदर है।

बिग बॉस ओटीटी 3 में नजर आ सकती हैं पांड्या स्टोर की मायरा धरती

बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 को लेकर बीच में खबर आई थी कि ये इस साल नहीं आएगा। लेकिन बाद में खुद मेकर्स ने खुलासा किया कि जून के पहले हफ्ते से इसकी शुरुआत हो जाएगी। अब इसमें कौन कंटेस्टेंट्स आएंगे, धीरे-धीरे पर्दा उठया जा रहा है। एक ने तो खुद ही इंटरव्यू दिया है और बताया कि वह इस शो का हिस्सा बनने पर विचार कर रही हैं। उनका नाम मायरा धरती है और उन्हें आपने पॉप्युलर टीवी सीरियल पांड्या स्टोर में देखा है।

मायरा धरती ने खास बातचीत में बताया कि वह बिग बॉस का हिस्सा बनने के बारे में सोच रही हैं। उन्होंने कहा कि वह इस शो का अनुभव करना चाहती हैं, इसलिए इसमें जा सकती हैं। उनकी मां भी उन्हें वहां देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। एक्ट्रेस ने कहा, क्यों नहीं? मुझे नहीं पता कि मैं बिग बॉस पर्सन हूं या नहीं। मेरे अंदर बहुत एनर्जी है। लेकिन कभी-कभी मैं परेशान भी रहती हूं।

मायरा धरती ने कहा कि अगर उन्हें सामने वाली की वाइब्स पसंद हो तो वह खूब बातें कर सकती हैं। लेकिन कभी-कभी वह बहुत शांत रहती हैं। कभी-कभी उन्हें बहुत अजीब महसूस होता है। कई बार वह बातूनी हो जाती हैं। लेकिन जब मन नहीं होता तो वह बात नहीं कर सकती और ना बहस कर सकती हैं।

मायरा धरती भी जाएंगी बिग बॉस ओटीटी 3

मायरा ने कहा, मैंने ऐसी बातें सुनी हैं कि लोग ऐसा दिखने के लिए किया करते हैं। इसलिए मुझे नहीं पता कि मैं क्या करूंगी लेकिन शायद मैं जाना चाहती हूं और इसका एक्सपीरियंस करना चाहती हूं कि वास्तव में मैं वहां क्या करूंगी। मेरी मां ज्यादा एक्साइटेड हैं क्योंकि मुझे खाना बनाना नहीं आता। अकेले नहीं रह सकती तो मां कहती हैं कि तुम वहां करने क्या जा रही हो? एक बार जब मैं चंडीगढ़ भी गई थी तो मेर लिए अकेले रहना और बिना मां के रहना बहुत मुश्किल हो गया था।

साजिद नाडियाडवाला ने रजनीकांत की बायोपिक के राइट्स किए हासिल

फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने रजनीकांत की बायोपिक के राइट्स हासिल कर लिए हैं, जिसमें उनके सुपरस्टार बनने की शुरुआत को दर्शाया जाएगा।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नाडियाडवाला ने बायोपिक के राइट्स के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किए हैं। उन्होंने हाउसफुल फ्रेंचाइजी, सत्यप्रेम की कथा, जुड़वा 2 और किक जैसी कई अन्य फिल्में बनाई हैं। करीबी सूत्र के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया, नाडियाडवाला का मानना है कि रजनीकांत की बस कंडक्टर से सुपरस्टार बनने की कहानी दुनिया को दिखाने के लायक है। मीडिया रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कहानी कहने में प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए नाडियाडवाला सुपरस्टार और उनके परिवार के साथ लगातार संपर्क में हैं और दावा किया है कि यह सबसे बड़ी कहानी होगी।

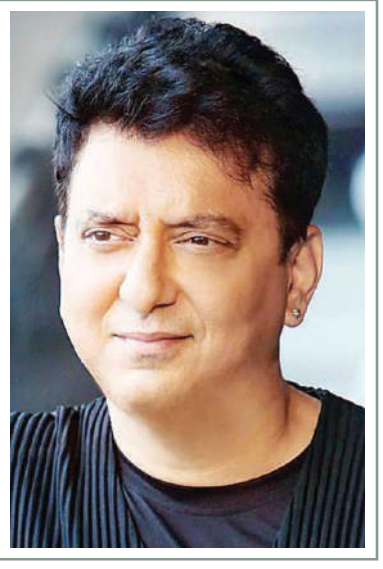

मैं जिंदगी में कभी ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं रही, नेपाल में खेती-वेती करके खुश थी

नब्बे के दशक की नामी अदाकारा मनीषा कोइराला इन दिनों संजय लीला भंसाली की भव्य सीरीज हीरामंडी को लेकर सुर्खियों में हैं। सीरीज में उन्होंने हीरामंडी की हुजूर मल्लिका जान की दमदार भूमिका निभाई है। इसी सिलसिले में हुई खास बातचीत में मनीषा ने इस किरदार की तैयारी से लेकर भंसाली संग हम दिल दे चुके सनम और देवदास जैसी फिल्में ना कर पाने जैसे कई खुलासे किए।

नेपाल में खेती-बाड़ी करके खुश थी

आम तौर पर अपने ऐक्टर्स को दोहराने वाले भंसाली के साथ खामोशी के बाद कोई फिल्म ना करने के बारे में मनीषा ने बताया, मैं हम दिल दे चुके सनम और देवदास करने वाली थी लेकिन कुछ चीजें हो गईं। कुछ डेट्स इधर-उधर हो गईं तो मैं वो फिल्में नहीं कर पाई। मेरा मानना है कि जब जो होना होता है, वो अपने आप आ जाता है। मैं जिंदगी में कभी बहुत ज्यादा महत्वाकांक्षी या चीजों के पीछे भागने वाली नहीं रही हूं। मैं हमेशा अपनी रफ्तार से काम करती रही हूं। बाकी ऊपरवाले की कृपा से मुझे अच्छा काम मिलता रहा है। जब हीरामंडी भी मुझे ऑफर हुई थी, मैं नेपाल में अपनी दुनिया में खेती-वेती करके खुश थी तो जब कुछ होना होता है, वो आ जाता है। ये है कि जब काम आता है, तब मैं अपना दो सौ पर्सेंट देती हूं। मुझे खुशी है कि मैंने संजय की खामोशी में काम किया, जो बहुत ही सिंपल, पोएटिक और सेंसिटिव फिल्म थी, उसमें भव्यता या चमक-दमक नहीं थी, वहीं अब हीरामंडी जैसी सीरीज की, जिसमें हर चीज इतनी भव्य, खूबसूरत और विशाल है।

मम्मी-दादी सभी रही हैं क्लासिकल डांसर

हीरामंडी में आजादी के पहले की तवायफ मल्लिका जान के रूप में ढलने के लिए तैयारी के सवाल पर मनीषा बताती हैं, मल्लिका जान के लहज़े, बोलचाल के लिए डिक्शन कोच मुनीरा जी ने मेरी बहुत मदद की। वहीं, जहां तक बॉडी लैंग्वेज की है, मेरी दादी-मेरी मां सब क्लासिकल डांसर थीं। हमारे घर में बहुत बड़ी बैठकें होती थीं, जिसमें काफी परफॉर्मेंसेज होती थीं तो मैं क्लासिकल डांस तीन साल की उम्र से जानती थी लेकिन जब मैंने बॉलिवुड डांस वगैरह शुरू किया तो उसे छोड़ना पड़ा तो उस चाल-ढाल को पकड़ने के लिए मैंने अपनी दादी और मम्मी को याद रखा कि कैसे उनकी चाल में एक नजाकत रहती है, उनकी बातों में एक शालीनता, एक कलात्मकता रहती है। वहीं, सितारा बुआ, बिरजू महाराज जैसे महान क्लासिकल डांसर हमारे घर आते रहते थे। मैं उनको देखकर बड़ी हुई हूं तो वे अनुभव भी काम आए। वरना मैं खुद तो टॉम बॉयश हूं, मैं कभी भी सीधे नहीं बैठती तो मैंने अपने अंदाज को भूलकर खुद को मल्लिका जान के किरदार में ढाला। बाकी, मल्लिका के जो आंतरिक इमोशन थे, उसके लिए मेरे पास संजय जैसे बेहतरीन निर्देशक थे। वह बहुत अच्छे से किरदार की इनसिक्योरिटी, दर्द वगैरह को समझाते हैं जिससे काम करना आसान हो जाता है।

हम सेकंड ग्रेड सिटिजन नहीं

सीरीज में मल्लिका एक बेहद ताकतवर शख्सियत है पर उसे अक्सर नीचा भी दिखाया जाता है। क्या मनीषा को कभी औरत होने के नाते कमतर महसूस कराया गया है? इस पर वह कहती हैं, हम सभी औरतों ने परिवार में, जिंदगी में, काम पर, कभी न कभी इन चीजों का सामना किया है। भगवान की दया से अगर आपके पैरेंट्स अच्छे हैं तो वे आपको अपने रास्ते पर डटे रहने, खुद में भरोसा करने और अपने हक की बात करने के लिए प्रेरित करते हैं। वरना, हम औरतों को हर चीज के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। अपनी पहचान बनाने के लिए, अपनी बात रखने या ना कहने कि हम टाइपकास्ट नहीं होना चाहते या हम सिर्फ औरत होने के कारण सेकंड ग्रेड सिटिजन नहीं हैं, इसके लिए भी हमें स्ट्रगल करना पड़ता है और यह संघर्ष आगे भी रहेगा, जब तक हमें बराबरी नहीं मिलती। मुझे लगता है कि यह एक लड़ाई है जो लड़ते रहना है, लड़ते रहना है, जब तक कि हम उसे हासिल ना कर लें।

संक्षिप्त समाचार

स्लोन इंफोसिस्टम्स लिमिटेड का आईपीओ 3 मई 2024 को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। स्लोन इंफोसिस्टम्स लिमिटेड आईटी हार्डवेयर उपकरणों और सॉल्यूशंस की एक प्रमुख प्रदाता, कंपनी ने 3 मई 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत 79 प्रति शेयर मूल्य पर 11.06 करोड एकत्र करना है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग उसके रेंटल बिजनेस के लिए लैपटॉप्स, डेस्कटॉप्स, एसएसडी और अन्य उपकरण जैसे आईटी उपकरणों की खरीदी के पूंजी खर्च का वित्त पोषण करने,कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्ज का रीपेमेंट करने और आम कॉरपोरेट खर्चो को पूरा करने के लिए किया जाएगा. इश्यू 3 मई, 2024 को खुलेगा और 7 मई, 2024 को बंद होगा. इश्यू की लीड मैनेजर जावा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के पास अनेक वर्षो का अनुभव होने के साथ उद्योग की एक्सपर्टीज का व्यापक रेंज है. उनका अनुभव ज्ञान और व्यापक पृष्ठभूमि इश्यू की जटिलताओं का समाधान करने में निपुण मार्गदर्शक के रूप में उन्हें स्थापित करती है. इश्यू की रजिस्ट्रार कैफिन टेक्नोलॉजिस लिमिटेड है. हमारे वर्षो के व्यापक अनुभव और विभिन्न पोर्टफोलियो के साथ हमने हमारे ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाया है. इस आईपीओ की धनराशि से ना सिर्फ हमारी प्रोडक्ट आफरिंग बढ़ेगी और समृद्ध होगी बल्कि ग्राहक आधार में भी इजाफा होगा. हम इस सुअवसर के बारे में रोमांचित है और हमारी कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं.

एसके फाइनेंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। वर्ष 1994 में स्थापित एसके फाइनेंस लिमिटेड ('कंपनी') वाहन फाइनेंसिंग सेगमेंट और एमएसएमई फाइनेंसिंग सेगमेंट में अपनी समकक्ष कंपनियों के मुकाबले सबसे तेजी से बढ़ने वाली कंपनी है, जिसका विश्लेषण वित्तीय वर्ष 2021 और वित्तीय वर्ष 2023 के बीच की अवधि के लिए संबंधित सेगमेंट में प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों ('एयूएम') सीएजीआर के आधार पर किया गया है (स्रोत- क्रिसिल रिपोर्ट)। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना 2,200 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 1 रुपये) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के जरिए धन जुटाने की है। कंपनी के प्रमोटर राजेंद्र कुमार सेतिया, यश सेतिया और राजेंद्र कुमार सेतिया एचयूएफ हैं। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में 1 रुपये प्रत्येक इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य के साथ 500 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और विक्रेता शेयरधारक की ओर से 1700 करोड़ रुपये तक के शेयरों का 'ऑफर फॉर सेल' (ओएफएस) शामिल है। बिक्री के लिए प्रस्ताव में राजेंद्र कुमार सेतिया द्वारा 180 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर, राजेंद्र कुमार सेतिया एचयूएफ (प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर) द्वारा 20 करोड़ रुपये तक, इवॉल्वेंस कोइन्वेस्ट फर्स्ट द्वारा 75 करोड़ रुपये तक, इवॉल्वेंस इंडिया फंड थ्री लिमिटेड द्वारा 25 करोड़ रुपये तक, नॉरवेस्ट वेंचर पार्टनर्स एक्स - मॉरीशस द्वारा 700 करोड़ रुपये तक और टीपीजी ग्रोथ फोर्थ एसएफ पीटीई लिमिटेड द्वारा 700 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं ('निवेशक विक्रय शेयरधारक')। कंपनी एक नॉन-डिपॉजिट लेने वाली गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी मिडिल लेयर ('एनबीएफसी एमएल') है, जो भारतीय रिजर्व बैंक ('आरबीआई') के साथ भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45आईए के तहत पंजीकृत है।

सस्ते कर्ज के लिए अक्टूबर तक करना होगा इंतजार

तीसरी तिमाही तक रेपो दर में कटौती की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सस्ता कर्ज पाने के लिए लोगों को अक्तूबर तक इंतजार करना पड़ सकता है। महंगाई के जोखिम और अमेरिकी केंद्रीय बैंक के दरों में कोई बदलाव नहीं करने के कारण आरबीआई तीसरी तिमाही तक रेपो दर में कटौती का फैसला टाल सकता है। अर्थशास्त्रियों का पहले

मानना था कि जून की बैठक में आरबीआई दरों में कटौती कर सकता है। अब महंगाई के जोखिम को देखते हुए यह फैसला अक्तूबर से दिसंबर के बीच हो सकता है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस पूरे साल में रेपो दर में 0.50 फीसदी की कटौती की उम्मीद है।फिलहाल रेपो दर 6.5 फीसदी पर बनी हुई है। आरबीआई ने सात बार से दरों को यथावत रखा है। महंगाई आरबीआई के दायरे से अब भी ऊपर है।

गर्मी बढ़ा सकती है आरबीआई की चिंता

अर्थशास्त्रियों ने दिसंबर तक के लिए अपने तिमाही महंगाई पूर्वानुमान को थोड़ा कम कर दिया है। आरबीएल बैंक की अर्थशास्त्री अचला जेठमलानी ने कहा, भारत की विकास दर अच्छी है। महंगाई नियंत्रण में है। लेकिन, गर्मी में खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ीं तो महंगाई आरबीआई की चिंता बढ़ा सकती है। इसके साथही, वैश्विक विकास पर नजर रखना महत्वपूर्ण है। अमेरिका समेत दुनियाभर के केंद्रीय बैंक ब्याज दर के मामले में जिस तरह के फैसले लेंगे, आरबीआई भी उसी आधार पर रणनीति बनाएगा।

कई देश ब्याज दर घटाने में कर सकते हैं विलंब

मॉर्गन स्टेनली का कहना कि एशिया के अधिकांश केंद्रीय बैंक दरों में कटौती में देरी करेंगे। भारत में भी इस साल कटौती की उम्मीद नहीं है। डीबीएस ग्रुप होल्डिंग्स की अर्थशास्त्री राधिका राव ने कहा, भारत दर में कटौती को अप्रैल, 2025 में शुरू होने वाले वित्त वर्ष तक टाल सकता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक भी इस साल के अंत तक कटौती कर सकता है या टाल भी सकता है। भारत जैसे उभरते बाजारों में केंद्रीय बैंक दरों में कटौती कर अपनी मुद्राओं को और कमजोर करने से सावधान रहेंगे।

इंडिगो ने कर्मचारियों को दिया बड़ा तोहफा, स्पेशल बोनस का किया ऐलान

मुंबई एजेंसी। इंडिगो ने अपने कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। एयरलाइन ने घोषणा की है कि वह अपने कर्मचारियों को विशेष बोनस देगी। यह फैसला चौथी तिमाही और पूरे साल के वित्तीय परिणामों की घोषणा से पहले आया है। यह कर्मचारियों के लिए खुशी की बात है, खासकर जब कुछ दिनों पहले ही इंडिगो ने 30 चौड़े आकार के 350 विमानों का बड़ा ऑर्डर दिया था।

सूत्रों के मुताबिक, कर्मचारियों को एक संदेश भेजा गया है। इसमें एयरलाइन ने कहा कि वह 'डेढ़ महीने के मूल वेतन' के बराबर एकमुश्त विशेष बोनस देगी। बोनस राशि कर्मचारियों के मई के वेतन के साथ अनुग्रह राशि के रूप में दी जाएगी।

घरेलू विमानन बाजार में 60 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो कंपनी के वास्तविक परिचालन और वित्तीय परिणामों के आधार पर सालाना बोनस देती है। एयरलाइन लगातार पांच तिमाहियों से लाभ कमा रही है। अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में इसका शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक होकर 2,998.1 करोड़ रुपए रहा था।

इसकी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2023 के अंत में एयरलाइन के 33,045 कर्मचारी थे। इंडिगो को अपनी किफायती कीमतों, सुविधाजनक उड़ानों और बेहतरीन ग्राहक सेवा के लिए जाना जाता है। एयरलाइन ने कई पुरस्कार जीते हैं। इनमें स्काईट्रैक्स की ओर से वर्ल्ड्स बेस्ट लो-कॉस्ट एयरलाइन का पुरस्कार भी शामिल है। इंडिगो का मुख्यालय हरियाणा के गुरुग्राम में है। यह स्पष्ट है कि इंडिगो आने वाले वर्षों में बड़ी योजनाएं बना रहा है।

पोको ने मई सेल के लिए अपने सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोंस पर आकर्षक डील्स पेश कीं

मुंबई, एजेंसी। भारत में सबसे तेजी से विकसित होते हुए कंज़्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको ने मई सेल के लिए अपने सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोंस पर आकर्षक डील्स पेश की हैं, जो 1 मई से 10 मई तक केवल फ्लिपकार्ट और एमेज़ॉन पर उपलब्ध होंगी। इस सेल में ग्राहक अपने पसंदीदा उत्पाद आकर्षक ऑफरों के साथ शानदार मूल्य में खरीद सकेंगे।

पोको एक्स6 प्रो

पोको एक्स6 प्रो मीडियाटेक डायमेंसिटी 8300 - अल्ट्रा एसओसी द्वारा पॉवर्ड है, जिसका मूल्य 22,999 रुपये है। इसमें 5000 वर्ग मिमी. का वीसी कूलिंग सिस्टम और वाईल्डबूस्ट 2.0 दिया गया है, ताकि गेमिंग के दौरान बेहतरीन परफॉर्मेंस

मिले। इसमें 6.67 इंच का एमोलेड डिस्प्ले है, जो 120 हर्ट्ज के रिफ्रेश रेट के साथ डॉल्बी विज़न को सपोर्ट करता है, जो बेहतर कलर एवं कॉन्ट्रैस्ट के साथ व्यूइंग का शानदार अनुभव प्रदान करता है। इसमें 64 मेगापिक्सल का ओआईएस ट्रिपल रियर कैमरा और एचडीआर वीडियो रिकॉर्डिंग सपोर्ट है, जिसकी मदद से यह प्रेसिज़न के साथ शानदार विज़्युअल्स कैप्चर कर सकता है।

पोको एक्स6- यह 17,999 रुपये में उपलब्ध है। पोको एक्स6 अपने 6.67'' के एमोलेड डिस्प्ले और 1.5च रिज़ॉल्यूशन के साथ बहुत शानदार विज़्युल्स एवं बेहतरीन व्यूईंग अनुभव प्रदान करता है। यह 20,000 रुपये से कम मूल्य में ये विशेषताएं प्रदान करने वाली एकमात्र डिवाईस है। इस स्मार्टफोन में स्नैपड्रैगन 7एस जेन 2 मोबाईल प्लेटफॉर्म है और यह कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस द्वारा सुरक्षित है, जो इसे टिकाऊपन और खरोंच से सुरक्षा प्रदान करता है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया 'एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड'

मुंबई, एजेंसी। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में नजर आने वाली गतिशील वृद्धि का लाभ उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक न्यू फंड ऑफर (एनएफओ)- 'एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड' की घोषणा की है। निफ्टी बैंक टीआरआई को ट्रैक करने वाला यह फंड एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है। इस फंड का उद्देश्य निफ्टी बैंक टीआरआई को ट्रैक करना है, जिससे निवेशकों को अग्रणी भारतीय बैंकों की विकास यात्रा में सीधे भाग लेने के लिए एक मैकेनिज्म प्रदान किया जा सके।

एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ बी. गोपकुमार ने इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा, ''हमारे देश की आर्थिक प्रगति के पीछे अनेक कारण सक्रिय हैं और अगर प्रभावी ढंग से प्रगति की इस रफ्तार को समझा जाए, तो हमारी विकास कहानी में देश को एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ाने की क्षमता है। इस पृष्ठभूमि में ही देश का बैंकिंग क्षेत्र विकास और लचीलापन प्रदर्शित करना जारी रखता है। एक मजबूत नियामक ढांचे और डिजिटल बैंकिंग को तेजी से अपनाने से प्रेरित होकर, यह क्षेत्र निरंतर विस्तार के लिए अच्छी स्थिति में है। एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड निवेशकों को इस विकास अवसर का लाभ उठाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

ओईसीडी ने बढ़ाया भारत की एफवा24 जीडीपी ग्रोथ का अनुमान, कहा ग्लोबल मार्केट में बढ़ेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन ने वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 40 आधार अंक बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। सार्वजनिक निवेश तेज बने रहने और कारोबारी विश्वास में सुधार की वजह से ओईसीडी ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में तेजी का अनुमान लगाया है।

उच्च आय वाली 38 अर्थव्यवस्थाओं के अंतर सरकारी समूह ने अपने ताजा आर्थिक परिदृश्य में कहा है, 'घरेलू मांग सकल पूंजी सृजन, खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के निवेश से संचालित होगी। वहीं निजी खपत में वृद्धि की रफ्तार सुस्त बनी हुई है। निर्यात में वृद्धि जारी रहेगी। खासकर सेवाओं और सूचना तकनीक व परामर्श क्षेत्र में तेजी रहेगी और भारत की वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी में वृद्धि जारी रहेगी और इसे विदेशी निवेश से समर्थन मिलेगा।'

हालांकि एजेंसी ने यह भी कहा है कि निजी खपत कमजोर रहा है, जो ताजा घरेलू उपभोग व्यय सर्वे के शुरुआती निष्कर्षों की पुष्टि करता है। इसमें कहा गया है, 'ईवे बिल, टोल संग्रह और नए वाहन व स्कूटर की बिक्री जैसे कुछ

उच्च आवर्ती संकेतकों से गतिविधियों में तेजी के संकेत मिल रहे हैं। अन्य संकेतकों जैसे डिजिटल भुगतान संबंधी लेनदेन और सीमेंट का उत्पादन पूर्ववत बने हुए हैं।'

ओईसीडी ने कहा है कि राजस्व बढ़ाने में ऋण पर निर्भरता कम करने, व्यय दक्षता में सुधार और मजबूत राजकोषीय नियम जैसे क्षेत्रों में और ज्यादा काम किए जाने की जरूरत है। परिदृश्य में यह भी कहा गया है कि बहुत उच्च स्तर के सार्वजनिक ऋण को देखते हुए मौजूदा हिसाब से वित्तीय समेकन उचित है, जिससे निजी निवेश में रुकावट है।

परिदृश्य में कहा गया है, 'राजकोषीय समेकन जरूरी है, जिसका असर सार्वजनिक निवेश पर पड़ेगा। इसका निजी निवेश की मजबूती पर सिर्फ आंशिक असर पड़ेगा क्योंकि कारोबारी विश्वास सुधरा है। परिवारों के व्यय (खासकर ग्राहकों की विवेकाधीन मांग) में तेजी आने की उम्मीद नहीं है क्योंकि नौकरियों का सृजन निराशाजनक है और ग्रामीण इलाकों में प्रदर्शन सुस्त है और अभी भी वित्तीय स्थिति कमजोर है।'

ऐपल ने बनाया कमाई का रेकॉर्ड, एक दिन में मुकेश अंबानी की नेटवर्थ से ज्यादा बढ़ गया मार्केट कैप

नई दिल्ली, एजेंसी। आईफोन बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज कंपनी ऐपल ने अपना पहली तिमाही का रिजल्ट जारी कर दिया है। मार्च तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले चार फीसदी गिरावट के साथ 90.8 अरब डॉलर रहा। कंपनी को खासकर चीन में कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान आईफोन की बिक्री में 10 फीसदी गिरावट आई है। रिजल्ट जारी करने के साथ ही कंपनी ने 110 अरब डॉलर के शेयर बायबैक प्रोग्राम की घोषणा की है। ऐपल के इतिहास में यह सबसे बड़ा शेयर बायबैक है। इस घोषणा के साथ ही कंपनी के शेयरों में करीब सात फीसदी तेजी देखने को मिली और उसका मार्केट कैप 180 अरब डॉलर बढ़ गया। यह भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ से कहीं ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी की नेटवर्थ 113 अरब डॉलर है।

शेयरों में तेजी के साथ ही ऐपल का मार्केट कैप 2.671 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। माइक्रोसॉफ्ट (2.956 ट्रिलियन डॉलर) के बाद ऐपल दुनिया की दूसरे सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। मार्च तिमाही में आईफोन की बिक्री 45.96 अरब डॉलर रही जो अनुमानों से कम है। इस दौरान कंपनी की नेट इनकम भी एक साल पहले की तुलना में गिरकर 23.6 अरब डॉलर रही। कंपनी का कहना है कि मार्च तिमाही में बिक्री चार फीसदी बढ़कर 7.5 अरब डॉलर रही जबकि सर्विसेज का रेवेन्यू 23.9 अरब डॉलर रहा। ऐपल का आइपेड रेवेन्यू एक साल पहले की तुलना में 17 फीसदी गिरकर 5.6 अरब डॉलर रहा।

चीन में समस्या, भारत से गुडन्यूज

चीन में बढ़ते राष्ट्रवाद, इकॉनमी की चुनौतियों और बढ़ती प्रतिस्पर्धा से कंपनी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। चीन की कंपनियां हेवई और शायोमी तेजी से ऐपल के बाजार पर कब्जा कर रही हैं। मार्केट रिसर्च फर्म आइडीसी के मुताबिक पहली तिमाही में ऐपल के शिपमेंट में 10 फीसदी गिरावट आई है। हालांकि कंपनी के सीईओ टिम कुक ने कहा कि कंपनी ने एक दर्जन से अधिक इलाकों में रेवेन्यू का रेकॉर्ड बनाया है। इनमें भारत भी शामिल है। भारत में ऐपल का मार्केट तेजी से बढ़ रहा है।

अडानी ग्रुप की छह कंपनियों को सेबी ने भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की छह कंपनियों को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इन कंपनियों पर संबंधित पक्ष लेनदेन के कथित उल्लंघन, लिस्टिंग नियमों का पालन न करने और ऑडिटर सर्टिफिकेट्स की वैधता के संबंध में आरोप हैं। इन कंपनियों ने स्टॉक एक्सचेंजे को दी गई रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की अगुवाई वाले इस ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने गुरुवार को कहा कि उसे 31 मार्च को समाप्त तिमाही में दो कारण बताओ नोटिस मिले हैं। साथ ही ग्रुप की अन्य कंपनियों अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अडानी पावर, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी विल्मर और अडानी टोटल गैस को भी कारण बताओ नोटिस मिले हैं।

इन कंपनियों का कहना है कि उन्हें जो कानूनी राय मिली है, उसके मुताबिक सेबी

क्या है आरोप

अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड ने बताया कि आरोप है कि कंपनी ने अपेक्षित मंजूरी नहीं ली है और वित्तीय विवरणों/वार्षिक रिपोर्ट में अपेक्षित खुलासा नहीं किया है। समाप्त किए गए अनुबंधों के लिए सुरक्षा जमा को वापस नहीं लेने के कारण कंपनी के मुख्य व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए धन का उपयोग नहीं किया गया और इस प्रकार कंपनी की आचार संहिता का अनुपालन नहीं किया गया। अडानी पावर ने कहा कि उसने सेबी के नोटिस का जवाब दे दिया है। सेबी ने कंपनी पर आरोप लगाया है कि कुछ लेन-देन को संबंधित वर्षों के वित्तीय विवरणों में रिपोर्ट नहीं किया गया था और ऐसे लेन-देन के लिए अपेक्षित मंजूरी नहीं ली गई थी। सेबी ने अगस्त में सुप्रीम कोर्ट को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कहा था कि उसने 13 रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन की पहचान की है, जिसकी जांच की जा रही है। जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट में 6,000 से अधिक संबंधित पक्ष लेनदेन पर सवाल उठाए थे।

अमेरिका दो दशक का रेकॉर्ड तोड़ने के करीब, चीन की हालत हुई खस्ता, भारत बन रहा दुनिया की फैक्ट्री!

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। ग्लोबल इकॉनमी में उसकी हिस्सेदारी दो दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंचने की राह पर है। आईएमएफ के मुताबिक ग्लोबल इकॉनमी में अमेरिका की हिस्सेदारी 26 फीसदी पहुंचने का अनुमान है। यह दो दशक में सबसे ज्यादा है। एक दशक पहले देश की हिस्सेदारी यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से ऊपर पहुंची थी। आज वर्ल्ड इकॉनमी में अमेरिका का योगदान यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से पांच फीसदी अधिक हो चुका है। इस बीच ग्लोबल इकॉनमी में चीन की हिस्सेदारी 2021 से लगातार घट रही है। 2024 में इसके 17 फीसदी रहने का अनुमान है।

भारत का हिस्सा

साल 2006 में ग्लोबल इकॉनमी में यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन की हिस्सेदारी 30 फीसदी थी जो अब करीब 21 फीसदी रह गई है। चीन की हिस्सेदारी 2006 में पांच फीसदी थी जो 2020 में 19 फीसदी के करीब पहुंच गई थी। लेकिन 2021 से इसमें लगातार गिरावट आई है और इस साल उसके 17 फीसदी रहने का अनुमान है। इस दौरान जापान की हिस्सेदारी भी घटकर चार फीसदी रहने का अनुमान है। साल 2006 में ग्लोबल इकॉनमी में जापान की हिस्सेदारी करीब आठ फीसदी थी।

भारत की टेस्ट में बादशाहत खत्म

● ऑस्ट्रेलिया पहले नंबर पर पहुंचा ● भारत फिसलकर दूसरे स्थान पर आया, वनडे और टी-20 में इंडिया टॉप पर

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने साल की आखिरी रैंकिंग जारी की है, जिसमें रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ने टॉप पोजिशन गंवा दिया है। पैट कमिंस की कप्तानी पाली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप विजेता ऑस्ट्रेलिया ने टॉप पोजीशन हासिल कर लिया है।

मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप विजेता ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पछाड़कर आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है। आईसीसी ने शुक्रवार को अपनी वार्षिक टीम रैंकिंग अपडेट की और पैट कमिंस की टीम पिछले साल ओवल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के निर्णायक मैच में भारत पर 209 रन की शानदार जीत के दम पर पांच दिवसीय क्रिकेट में शीर्ष पर पहुंच गई।

इससे ऑस्ट्रेलिया की रेटिंग 124 अंक है, जो पिछले वर्ष विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के उपविजेता भारत (120) से चार अंक अधिक है, जबकि रैंकिंग में तीसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड (105) से 19 अंक अधिक है। टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष पर यह एकमात्र बदलाव है। दक्षिण अफ्रीका (103), न्यूजीलैंड (96), पाकिस्तान (89), श्रीलंका (83), वेस्टइंडीज (82) और बांग्लादेश (53) क्रमशः चौथी से 9वीं टीम तक है।

रैंकिंग अपडेट में केवल मई 2021 के बाद टीमों के प्रदर्शन को ध्यान में रखा गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया पर भारत की प्रभावशाली 2-1 श्रृंखला की जीत (जो जनवरी 2021 में समाप्त हुई थी) रैंकिंग अवधि से बाहर हो गई है। मई 2021 और मई 2023 के बीच के सभी परिणामों को 50 प्रतिशत पर पारित किया गया है और अगले 12 महीनों के परिणामों को (जिसमें ऑस्ट्रेलिया की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीत भी शामिल है) 100 प्रतिशत को लिया गया है।

भारत (122 अंक) ने भले ही टेस्ट टीम रैंकिंग में शीर्ष स्थान खो दिया हो, लेकिन वे दोनों सीमित ओवरों के प्रारूपों में आगे बने हुए हैं और उन्होंने वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया (116) पर अपनी बढ़त छह रेटिंग अंकों तक बढ़ा ली है। तीसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका (112) ने ऑस्ट्रेलिया से केवल चार रेटिंग अंक का अंतर बना लिया है, जबकि पाकिस्तान (106) और न्यूजीलैंड (101) शीर्ष पांच में शामिल हैं।

पहले भी मैं कई कप्तानों नेतृत्व में खेला हूं...

हार्दिक पंड्या से मुंबई इंडियंस की कप्तानी गंवाने पर पहली बार खुलकर बोले रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने पिछले कुछ महीनों के उतार-चढ़ाव के दौरान आईपीएल में कप्तानी हार्दिक पंड्या को गंवाने और फिर अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए इस ऑलराउंडर को उनके नेतृत्व में उपकप्तान बनाए जाने के बाद कहा कि हर चीज आपके पक्ष में नहीं होती। भारत के सबसे लोकप्रिय क्रिकेटरों में से एक रोहित को मुंबई इंडियंस की कप्तानी से हटाए जाने से कई लोग हैरान थे और उनके प्रशंसकों ने आईपीएल मुकाबलों के दौरान कुछ मैचों में पंड्या की हूटिंग भी की।

भारतीय कप्तान ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'देखिए, यह जीवन का हिस्सा है। हर चीज आपके हिसाब से नहीं होती। यह एक शानदार अनुभव रहा।' उनसे मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग में पंड्या के नेतृत्व में खेलने के अनुभव के बारे में पूछा गया था। रोहित ने कहा, 'इससे पहले भी मैं कप्तान नहीं रहा हूं और मैंने कई कप्तानों के नेतृत्व में खेला है। यह मेरे लिए अलग या नया नहीं है।'

रोहित ने भारत के लिए महेंद्र सिंह धोनी, वीरेंद्र सहवाग और विराट कोहली के अलावा फ्रेंचाइजी क्रिकेट में एडम गिलक्रिस्ट, हरभजन सिंह और रिकी पोंटिंग के नेतृत्व में खेला है। सैंतीस वर्षीय रोहित को पिछले तीन सत्र के दौरान पर्याप्त रन नहीं बनाने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा लेकिन टूर्नामेंट के 17वें सत्र में वह बिलकुल अलग दिखे।

रोहित ने कहा, 'जो कुछ भी है आप उसके अनुसार चलते हैं और फिर एक खिलाड़ी के तौर पर आपसे जो अपेक्षित है, उसे करने की कोशिश करते हैं। मैंने पिछले एक महीने में ऐसा करने की कोशिश की है।' रोहित ने आईपीएल 2024 की 10 पारियों में अब तक 314 रन बनाए हैं। आईपीएल 2024 में उनकी टीम का सफर खत्म हो चुका है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर चुकी है। टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद रोहित शर्मा टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों में बिजी हो जाएंगे।

चेलसी से हारकर टोटेनहम की चैम्पियंस लीग की उम्मीदों को झटका

लंदन (एजेंसी)। चेलसी के हाथों 2.0 से मिली हार के साथ टोटेनहम की चैम्पियंस लीग फुटबॉल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा। प्रीमियर लीग में टोटेनहम की यह 4 दिन में दूसरी हार थी। उसे आर्सनल ने रविवार को 3.2 से हराया था। इंग्लैंड को अगले सत्र में चैम्पियंस लीग में चार ही कोटा स्थान मिलेंगे। टोटेनहम तालिका में 5वें स्थान पर है और चौथे स्थान पर काबिज एस्टोन विला उससे 7 अंक आगे है।

कीस को हराकर इगा स्वियातेक मैड्रिड ओपन फाइनल में

मैड्रिड (एजेंसी)। इगा स्वियातेक ने मेडिसन कीस को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उनका सामना एरिना सबालेंका से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने कीस को 6.1, 6.3 से मात दी। अब वह सबालेंका से खेलेंगी जिन्होंने चौथी रैंकिंग वाली एलेना रिबाकिना को 1.6, 7.5, 7.6 से हराया है। पुरूष वर्ग में दानिल मेदवेदेव 31वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका से पहला सेट 4.6 से हारने के बाद क्वार्टर फाइनल मैच से रिटायर हो गए। उन्हें दाहिने पैर में चोट लगी थी और उपचार भी लेना पड़ा। लेहेका का सामना अब 35वीं रैंकिंग वाले फेलिक्स आगर एलियास्सिमे से होगा।

अनुष्का शर्मा ने यहां मनाया जन्मदिन, डिनर पार्टी में यह मेहमान थे खास

बेंगलूर (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की एक्ट्रेस वाइफअनुष्का शर्मा ने हाल ही में अपना 36वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस खास मौके पर उन्होंने डिनर पार्टी की और इस पार्टी में परिवार और दोस्तों की मौजूदगी रही। खासकर विराट कोहली की टीम के क्रिकेटर साथियों की मौजूदगी रही। कप्तान फाफ डु प्लेसिस, गलेन मैक्सवेल भी मौजूद रहे। इस पार्टी के दौरान की एक तस्वीर मनु चंद्रा ने शेयर की है।

तस्वीर में अनुष्का शर्मा पति विराट कोहली और दोस्तों के साथ हैं। उन्होंने लिखा- चमकदार खुश लोग + अच्छा खाना = खुशी यह एक बहुत ही प्यारी शाम थी, बढ़िया खाने की चाहत के लिए इस ढेर सारे प्यार ने इसे और बेहतर बना दिया। जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं अनुष्का शर्मा। इस बीच विराट कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लूपा बेंगलुरु के मेन्यू की एक तस्वीर साझा की और लिखा- अविश्वसनीय भोजन अनुभव के लिए मनु चंद्रा का धन्यवाद। हमारे जीवन के सबसे अच्छे भोजन अनुभवों में से एक।

इस सप्ताह की शुरुआत में अनुष्का शर्मा के 36वें जन्मदिन पर विराट कोहली ने उनके लिए एक नोट साझा किया था। उन्होंने लिखा था- अगर मैं तुम्हें नहीं पाता तो मैं पूरी तरह से खो जाता। जन्मदिन मुबारक हो मेरा प्यार। तुम हमारी दुनिया की रोशनी हो। हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली की पहली मुलाकात एक शैम्पू के विज्ञापन की शूटिंग के दौरान हुई थी। उन्होंने कुछ सालों तक एक-दूसरे को डेट किया और 2017 में इटली में एक निजी समारोह में शादी कर ली। जनवरी 2021 में उनकी बेटी वामिका और इस साल फरवरी में बेटे अकाय का जन्म हुआ।

वर्कफंट की बात करें तो अभिनेत्री अगली बार स्पोर्ट्स बायोपिक चकदा एक्सप्रेस में नजर आएंगी, जो बेटी वामिका के जन्म के बाद उनकी पहली फिल्म है। यह फिल्म क्रिकेटर झूलन गोस्वामी के जीवन पर आधारित है। अभिनेत्री ने अपने भाई कर्णेश शर्मा द्वारा निर्मित नेटफ्लिक्स फिल्म काला में भी एक कैमियो भूमिका निभाई। अनुष्का शर्मा को रब ने बना दी जोड़ी, पीके, बैंड बाजा बारात, सुल्तान और ऐ दिल है मुश्किल जैसी फिल्मों में उनके धांसू अभिनय के लिए जाना जाता है।

एफआईएच प्रो लीग सविता की बजाय सलीमा टेटे को मिली महिला हॉकी टीम की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडफील्डर सलीमा टेटे को अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की जगह इस महीने के आखिर में होने वाले एफआईएच प्रो लीग के बेल्जियम और इंग्लैंड चरण के लिये भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है। सलीमा ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मुझे खुशी है कि टीम की कप्तानी दी गई है। यह बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। हमारे पास मजबूत टीम है जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'एफआईएच प्रो लीग के आगामी बेल्जियम और इंग्लैंड चरण में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमें अपनी कमजोरियों से पार पाना है। सविता ओलंपिक क्वालीफायर और उसके बाद प्रो लीग मैचों में भारत की कप्तान रही थी। बेल्जियम में मैच 22 से 26 मई तक और इंग्लैंड में एक से नौ जून तक होंगे। भारत का सामना पहले चरण में दो बार अर्जेंटीना और बेल्जियम से होगा। लंदन चरण में टीम ब्रिटेन और जर्मनी से खेलेगी। भारत इस समय प्रो लीग तालिका में छठे स्थान पर है। सलीमा को हाल ही में हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में बलबीर सिंह सीनियर वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला था।

भारतीय महिला टीम

गोलकीपर – सविता, बिछू देवी खारीबाम
डिफेंडर – निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी
मिडफील्डर – सलीमा टेटे (कप्तान), वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नवनीत कौर, नेहा, ज्योति, बलजीत कौर, मनीषा चौहान, लालरेम्सियामी
फॉरवर्ड – मुमताज खान, संगीता कुमारी, दीपिका, शर्मिला देवी, प्रीति दुबे, वंदना कटारिया, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में दिग्गज क्रिकेटर की राय

विराट करें ओपनिंग, रोहित नंबर 3 पर आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी अजय जडेजा का मानना ??है कि कप्तान रोहित शर्मा को नंबर तीन पर बल्लेबाजी करनी चाहिए और पुरुष टी20 विश्व के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत करने के लिए विराट कोहली को प्रमोट करना चाहिए। बता दें कि 1 जून से वेस्ट इंडीज और यूएसए में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा हो गई है। इसमें यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव, रोहित और कोहली शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैं। भारत को प्रतियोगिता के ग्रुप ए में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है। पहला मुकाबला 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड से होना है।

जडेजा ने कहा कि मेरे लिए विराट कोहली ओपनिंग करते हैं। कौन पीछे जाता है? यह सवाल है तो जवाब है रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर। इससे उन्हें थोड़ा आराम मिलेगा और खेल को समझने का मौका मिलेगा। एक कप्तान के रूप में उनके दिमाग में उस समय बहुत कुछ चल रहा होगा। अगर आपकी टीम में विराट है, तो आप जानते हैं कि निरंतरता ही वह चीज़ है जो आपको मिलेगी, इसलिए, उसका उपयोग भी कर सकते हैं। वह शीर्ष पर सर्वश्रेष्ठ है। जब वह शुरूआती कुछ ओवर खेल रहता है और जब स्पिन आती है तो वह उसके खिलाफ सर्वश्रेष्ठ हो जाता है। मेरी पसंद हमेशा से यही रही है कि अगर विराट इस टीम में हैं, तो उन्हें ओपनिंग करनी चाहिए।

उप-कप्तान हार्दिक पंड्या आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करते हुए बल्ले और गेंद से बेहद खराब फॉर्म में हैं, लेकिन जडेजा को लगता है कि तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि सुर्खियां स्पष्ट कारणों से उस पर हैं। वह एक विशेष खिलाड़ी है, एक दुर्लभ वस्तु जो आपको हमारे देश में मिलती है जहां कोई सीम-अप गेंदबाजी करता है और अपनी बल्लेबाजी के साथ टीम में जगह बना सकता है। आपकी टीम में स्थापित खिलाड़ी हैं, हर कोई अपनी संख्या और जिस स्तर पर खेलता है, उसे लेकर बहुत मजबूत है। यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि रोहित क्या सोचते हैं।

भारत ने विश्व कप के लिए रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल जैसे स्पिनर चुने हैं। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना ??है कि चहल और कुलदीप को विश्व कप के दौरान भारत की एकादश में एक साथ खिलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कुलदीप और चहल दोनों को खेलना चाहिए। मुझे लगता है कि हमारा एक्स-फैक्टर चहल है। उनकी साझेदारी उपयोगी होगी क्योंकि आप उन विकेटों पर खेल रहे हैं जहां एक स्पिनर को दबाव बनाने की जरूरत है। अगर चहल ऐसा नहीं कर सकते, तो कुलदीप कर सकते हैं। अगर कुलदीप नहीं कर सकता तो चहल यह करेगा।

महिला क्रिकेट

शैफाली वर्मा की तेजतर्रार फिफ्टी, भारत ने बांग्लादेश से जीता तीसरा टी20

सिलहट (एजेंसी)। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (51) की अर्धशतकीय और स्मृति मंधाना (47) पारी की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को सात विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैच की श्रृंखला में 3-0 की अजये बढ़त बना ली है। 118 रन के लक्ष्य का पीछा करने सलामी बल्लेबाज शेफाली

और स्मृति ने तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट लिए 91 रन जोड़े।

शेफाली 38 गेंदों में आठ चौकों की मदद से (51)के अर्धशतक और स्मृति मंधाना 42 गेंद में पांच चौके, एक छक्का लगाते हुए (47)रनों की शानदार पारी खेली। शेफाली ने फाहिमा खातून की गेंद पर एक रन लेकर अपना नौवां अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद अगले ओवर में रितु मोनी को उन्हीं की गेंद पर कैच दे बैठीं। दयालन हेमलता (9) रन बनाकर आउट हुई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (6) और ऋचा घोष (8) रन बनाकर नाबाद रही। भारत ने 18.3 ओवर में तीन विकेट पर 121 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया।

इससे पहले आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंबदाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की टीम के लिए सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर की 25 गेंद में (39) और कप्तान निगार सुल्ताना (28) की अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए (46) रन जोड़े। 7वें ओवर में मुर्शीदा खातून (9) रन के रूप में बंगलादेश का पहला विकेट गिरा और उनकी पारी लड़खड़ा गई। इसके बाद लगातार अंतराल पर बंगलादेश के विकेट गिरते रहे। शोबना मोस्तारी 15 रन बनाकर आउट हुई। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके।

बंगलादेश की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 117 रन ही बना सकी। भारत की ओर से राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट लिए। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर और श्रेयंका पाटिल को एक-एक विकेट मिला। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष बंगलादेश में होने वाले टी-20 महिला विश्वकप के मद्देनजर भारतीय टीम के प्रदर्शन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जसप्रीत बुमराह को पछाड़कर टी नटराजन ने आईपीएल में कब्जाई पर्पल कैप

हैदराबाद, एजेंसी। मैदान में बेहद शांत दिखने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज टी नटराजन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में पर्पल कैप पर कब्जा कर लिया है. दरअसल, नटराजन ने पर्पल कैप होल्डर की रेस में दिग्गज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पछाड़ा है.

मौजूदा आईपीएल का 50वां मैच हैदराबाद में 2 मई को खेला गया. इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने आखिरी गेंद पर राजस्थान रॉयल्स को 1 रन से मात दी. हैदराबाद की जीत के हीरो भुवनेश्नर कुमार रहे, जिन्होंने आखिरी गेंद पर रोवमैन पॉवेल को आउट कर राजसथान को जीत दिलाई.

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए टी नटराजन ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवरों में 35 रन देते हुए 2 विकेट हासिल किए. इसके साथ ही नटराजन इस आईपीएल में फिलहाल सबसे ज्यादा 15 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं. नटराजन ने 8 मैचों में 19.13 के एवरेज और 8.96 की इकोनॉमी रेट से ये विकेट लिए हैं.

नटराजन के बाद जसप्रीत बुमराह (14 विकेट), मुस्ताफिजुर रहमान (14 विकेट) हैं. वहीं, हर्षल पटेल, मथीशा , युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, गेराल्ड कोएत्जे, मुकेश कुमार हैं, जिनके संयुक्त रूप से 13 विकेट हैं.

कैसे तोड़ा राजस्थान का घमंड, हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने खोला जीत का राज

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स को आखिरी दो ओवरों में जीत के लिए महज 20 रन चाहिए थे। इस जीत के साथ उनकी प्लेऑफ की टिकट कटनी थी लेकिन 19वें ओवर में पैट कमिंस ने महज 7 रन ही दिए जबकि 20वीं में भुवी ने सिर्फ 11 रन देकर राजस्थान को जीत से एक रन दूर कर दिया। राजस्थान ने यह सीजन में सिर्फ दूसरा मुकाबला गंवाया है। उन्होंने लगातार चार मुकाबले जीते थे। मैच जीतने के साथ ही हैदराबाद के प्लेऑफ के चांस भी बढ़ गए हैं। राजस्थान का घमंड तोड़ने के बाद हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि मैं अच्छा हूं। आज अद्भुत खेल रहा। यह टी20 क्रिकेट है। कुछ भी हो सकता है। भुवी ने आखिरी गेंद पर ये कर दिखाया। कमिंस बोले- आप बीच में कुछ विकेट लेने की कोशिश करते हैं कभी यह सफल हो जाता है कभी नहीं। हमारे पास नटराजन अच्छे यॉर्कर गेंदबाज हैं, सौभाग्य से हमें कुछ विकेट मिले। हम यहां कुछ मैच खेल चुके हैं। हमारे मन में था कि 200 रन का लक्ष्य यहां हासिल किया जा सकता था। लेकिन परिस्थितियों का अच्छी तरह इस्तेमाल करना अद्भुत रहा। आज क्षेत्ररक्षण बहुत अच्छा रहा।

वहीं, हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने कहा कि यह एक अच्छी जीत है, शायद यह ऐसी जीत है जिसकी हमने अंत में उम्मीद नहीं की थी। कमिंस और भुवी ने अपना क्लास दिखाया और हमें अच्छी जीत दिलाई। हम अच्छा खेल रहे हैं, हमें कुछ हार का सामना करना पड़ा है, जो ऊर्जा के लिए अच्छा है। जीत से बहुत संतुष्ट हूं। मैंने सोचा कि (201) एक शानदार स्कोर था। नीतीश ने एक बार फिर बेहतरीन खेल दिखाया। उसके पास कुछ पारियां हैं, जहां वह आगे बढ़ चुका है और क्लासेन ने इसे आसान बना दिया है।

संक्षिप्त समाचार

नंद घर आंदोलन से जुड़े मनोज बाजपेयी

मुंबई, एजेंसी। देश भर में 14 लाख आंगनवाड़ियों में आमूल बदलाव लाने से उद्देश्य से नंद घर ने अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ एक राष्ट्रीय आंदोलन ङ्क अगर बचपन से पूछा खाना खाया, तो देश का कल बनाया- का अनावरण किया। नंद घर के इस आंदोलन का उद्देश्य है, समग्र स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्तापूर्ण पोषण और बच्चों के लिए सर्वोत्तम प्री-स्कूल शिक्षा सुनिश्चित कर भारत की भावी पीढ़ी का पोषण करना। मनोज बाजपेयी का इस आंदोलन में शामिल होने के लिए स्वागत करते हुए, वेदांता के अध्यक्ष, श्री अनिल अग्रवाल ने कहा, प्रोजेक्ट नंद घर एक राष्ट्रीय आंदोलन है, जो स्वास्थ्य और पोषण पर ध्यान देने के साथ बच्चों और महिलाओं के समग्र कल्याण का समर्थन करता है। हमें खुशी है कि मनोज बाजपेयी जी ने इस विस्तृत होते आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। उनकी निजी जीवन की कहानी हमारी भावी पीढ़ियों के जीवन को पोषित करने और बदलने के नंद घर के उद्देश्य से गहराई से मेल खाती है। आज इस दिल छू लेने वाले अभियान के लॉन्च में, मनोज बाजपेयी को एक युवा थिएटर अभिनेता के रूप में अपनी व्यक्तिगत यात्रा के बारे में बताते हुए देखा गया और उन्होंने अभिनय के सपने को पूरा करने के दौरान अपने लिए नियमित पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने में दोस्तों के अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। बाजपेयी ने एक कलाकार के संघर्ष का मार्मिक वर्णन किया है, यह स्वीकार करते हुए कि किसी के सपनों को आगे बढ़ाने की ताकत भरे पेट और पौष्टिक भोजन से आती है। नंद घर के साथ अपने जुड़ाव से उत्साहित, श्री मनोज बाजपेयी ने कहा, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो भूख की पीड़ा से गुजरा है, मैं समझता हूं कि इसका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। इसीलिए प्रोजेक्ट नंद घर जैसी पहल बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल यह सुनिश्चित करती है कि बच्चों को उचित पोषण मिले बल्कि एक उज्जवल भविष्य के लिए आशा, अवसर और अवसर भी मिले। आइए हम सभी नंद घर आंदोलन के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम बच्चों की क्षमता का पोषण करें और साथ मिलकर एक उज्जवल भारत की तैयारी करें।

दिल्ली में कांग्रेस को एक और झटका, ओम प्रकाश बिधूड़ी ने छोड़ी पार्टी

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली कांग्रेस को गुरुवार को उस वक्त एक और झटका लगा जब पार्टी के नेता ओमप्रकाश बिधूड़ी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफे की वजह उन्होंने आम आदमी पार्टी के साथ हुए पार्टी के गठबंधन को बताया। बिधूड़ी ने दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ता दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन करने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, मैंने कई कारणों से इस्तीफा दिया है, लेकिन मुख्य कारण दिल्ली में आप के साथ कांग्रेस का गठबंधन है। मैंने अपना इस्तीफा देकर अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। हजारों कार्यकर्ता गठबंधन से खुश नहीं हैं। बिधूड़ी ने कहा, आप कांग्रेस को कोसकर सत्ता में आई। जब अरविंदर सिंह लवली अध्यक्ष थे तो हम सभी ने अपनी भावनाएं व्यक्त की थीं, लेकिन किसी ने हमारी बात नहीं सुनी। गठबंधन कार्यकर्ताओं की भावनाओं के खिलाफ है, इसलिए मैंने इस्तीफा दे दिया है। ओम बिधूड़ी ने बताया कि फिलहाल उनकी योजना किसी भी राजनीतिक दल में शामिल होने की कोई योजना नहीं है। कांग्रेस ने मंगलवार को पूर्व विधायक देवेंद्र यादव को अपनी दिल्ली इकाई का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया था। बिधूड़ी ने इस्तीफा ऐसे समय दिया है जब अरविंदर सिंह लवली ने कुछ दिन पहले (29 अप्रैल) ही कांग्रेस की दिल्ली इकाई का प्रमुख पद छोड़ दिया था।

श्मशान घाट लाशों से भरे पड़े थे और भाजपा भ्रष्टाचार के खेल में डूबी थी, आप का आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी।
आम आदमी पार्टी नेता और सांसद संजय सिंह ने कोरोना महामारी के दौरान लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन लगाने को लेकर गुरुवार को भाजपा और केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने सरकार पर जानबूझकर लोगों की जान से खिलवाड़ करने और वैक्सीन खरीदी में बड़ा भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए 52 करोड़ रुपए की रिश्वत ली। सांसद ने कहा कि भाजपा को मौत के बदले भी भ्रष्टाचार मंजूर है।

संजय सिंह ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, भाजपा और उसकी केंद्र सरकार को देश की जनता से कोई लेनादेना नहीं है। कोरोना महामारी के वक्त जब पूरा देश पीड़ित था। लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई। श्मशान में अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं थी, लोग अपने घरवालों के शवों को जलाए बगैर उनको छोड़कर जा रहे थे। भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार के खेल में डुबी हुई थी।

दूसरे देशों में बैन हुई, हमारे यहां करोड़ों का ऑर्डर दिया: आप नेता ने आगे कहा, केंद्र सरकार ने कोविशील्ड नामक एक कंपनी को वैक्सीन का ठेका दिया। जनवरी 2021 में यह ठेका दिया गया और कंपनी से 1 करोड़ 10 लाख डोज मांगी गई। इसका दाम 150 रुपए रखा गया। इसके बाद जब यह

वैक्सीन बाजार में आई, तो दुनिया के कई हिस्सों में हाहाकार मच गया। क्योंकि इस वैक्सीन को लगाने से वहां दुष्प्रभाव सामने आए, लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ गईं। जिसके बाद मार्च 2021 में दुनिया के कई देशों ने इस पर वैक्सीन पर बैन लगा दिया। इस दौरान जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैंड्स, आयरलैंड्स, डेनमार्क, नॉर्वे, आइसलैंड और ऑस्ट्रिया जैसे देशों ने कोविशील्ड वैक्सीन को बैन कर दिया। मार्च 2021 में जब दुनिया के तमाम देश इस वैक्सीन पर बैन लगा रहे थे तब हमारे देश के प्रधानमंत्री और भारत सरकार ने फिर से इसी कंपनी को 10 करोड़ डोज का ठेका दे दिया। संजय सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि वैक्सीन का दाम पहले 150 रुपए था, फिर दाम बढ़ाया गया और रिश्वत ली गई। वैक्सीन का दाम 600 रुपए कर दिया गया और बदले में 52 करोड़ रुपए का चुनावी चंदा लिया गया। जब ब्रिटेन में कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी पर केस हुआ, तो 1,000 करोड़ हर्जाने का मुक़दमा किया गया, तब पता चला कि इसके दुष्प्रभाव के कारण लोगों की जानें जा रही हैं। इस वैक्सीन पर बैन लगाने वाले देशों को इस वैक्सीन के दुष्प्रभाव के बारे में मार्च 2021 में ही पता चल गया था। लेकिन नरेंद्र मोदी ने मार्च 2021 में ही इस वैक्सीन की 10 करोड़ डोज का ऑर्डर दिया। इन्होंने धन्यवाद मोदी जी के पोस्टर लगाने पर 6,000 करोड़ रुपए खर्च किए। कम्पनी पर जिम्मेदारी तय होना चाहिए

आप सांसद ने वैक्सीन से हो रही मौतों की जिम्मेदारी तय करने की बात कहते हुए कहा, जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवार की मदद के लिए क्यों इस वैक्सीन को बनाने वाली कम्पनी की जिम्मेदारी तय की गई। क्योंकि गंदा है पर धंधा है ये, बीजेपी का चंदा है ये। भाजपा ने इस कम्पनी से रिश्वत खाई है। आगे संजय सिंह ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से मांग करता हूं कि वे इस जानलेवा वैक्सीन को लगवाने के लिए देश की जनता से हाथ जोड़कर माफी मांगे। 150 रुपए की वैक्सीन का दाम 600 रुपए करने के लिए जनता से माफी मांगे।

देश की बेटियां हार गईं, बृजभूषण के बेटे को टिकट मिला तो भड़के रेसलर

कैसरगंज, एजेंसी। भाजपा ने उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से इस बार पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की जगह उनके बेटे करण सिंह को टिकट दे दिया है। बीते साल बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए महिला रेसलर्स ने दिल्ली में महीने भर प्रदर्शन किया था। इसके बाद उन्हें भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई)के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। अब उनके बेटे को जब भाजपा ने चुनावी मैदान में उतार दिया है तो खिलाड़ियों ने एक बार फिर गुस्सा जाहिर किया है।

बता दें कि फरवरी महीने में ही बृजभूषण के छोटे बेटे करण सिंह उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष भी चुने गए थे। रियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली साक्षी मलिक ने एक्स पर लिखा, बृजभूषण जीत गए और भारत की बेटियां हार गईं। उन्होंने कहा, हम सभी ने अपने करियर को दांव पर लगाया और कई दिनों तक सड़क पर बैठी रही। इसके बावजूद बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं हुई। हमने न्याय की मांग की। अब गिरफ्तारी तो छोड़िए उनके बेटे को भाजपा ने टिकट दे दिया है। देश की करोड़ों बेटियों का दिल टूट गया। अब भी टिकट उनके परिवार में ही है।

उन्होंने आगे कहा, आखिर सरकार एक व्यक्ति के आगे क्यों कमजोर है? आप सभी राम के नाम पर वोट चाहते हैं, लेकिन उनके आदर्शों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं। बता दें कि बीते साल बृजभूषण के करीबी संजय सिंह को WFI का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद साक्षी मलिक ने खेलना बंद कर दिया था। मलिक की मां ने कहा, हम बहुत ही निराश और दुखी हैं। करण सिंह को टिकट मिलना दिखाता है कि हमारी परवाह किसी को नहीं है। विरोध प्रदर्शन में ही हमारी बेटी ने खेलना बंद कर दिया। बजरंग और विनेश ने अपने पुरस्कार लौटा दिए। ऐसा लगता है यह सब बेकार हो गया।

बता दें कि जून 2023 में दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 1000 पेज की चार्जशीट फाइल की थी। उनपर आईपीसी की धारा 354, 354डी, 345ए के तहत केस दर्ज किया गया था। दिल्ली की राउज अवेन्यू कोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही है। 7 मई को मामले की अगली सुनवाई होनी है। रेसलर जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह हमारी पीठ पर छुरा भोंका गया है। क्या इसी के लिए हम सड़कों पर सोते थे? बृजभूषण के लोग डब्ल्यूएफआई में भी बैठे है और उनका बेटा अब चुनाव भी लड़ रहा है। बड़े शर्म की बात है। तोक्यो ओलंपिक में पदक विजेता बजरंग पुनिया ने इसे देश का दुर्भाग्य बताया है। उन्होंने कहा, भाजपा खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताती है लेकिन लाखों कार्यकर्ताओं में उसे सिर्फ टिकट देने के लिए एक ही व्यक्ति मिला। पार्टी प्रज्वल रेवन्ना को लेकर भी घिरी हुई है। यह देश का दुर्भाग्य है कि देश की बेटियों को सड़क पर घसीटा गया और एक यौन उत्पीड़न के आरोपी के बेटे को चुनाव का टिकट दिया जा रहा है।

दिल्ली में होगा कूल-कूल मौसम; दो दिन चलेंगी हवाएं, फिर बारिश के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में एक ओर लू जैसे हालात हैं, वहीं हिमालय से आ रही ठंडी हवाओं के चलते दिल्ली को झुलसाने वाली गर्मी से फिलहाल राहत है। गुरुवार को अधिकतम तापमान सामान्य से चार और न्यूनतम पांच डिग्री कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार को हवाएं चलने और शनिवार को हल्की बारिश के आसार जताए हैं।

दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में गुरुवार सुबह तेज धूप निकली। हालांकि, इस दौरान 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के कारण लोगों को गर्मी से राहत रही। यह हवा उच्च हिमालयी क्षेत्रों की ओर से आ रही है, जहां अच्छी बर्फबारी और बारिश होने से हवा में ठंडक बनी हुई है। इससे दिल्ली के तापमान में भी गिरावट देखने को मिल रही है। सफदरजंग मौसम केंद्र में दिन का अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम पारा 19.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि तेज हवा का यह क्रम शुक्रवार को भी बना रहेगा। दिन के समय 35 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवा चल सकती हैं। अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री तक रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। धूल भरी आंधी के साथ दिल्ली में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान हवा की गति 45 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रहने का अंदेशा है।

मुसलमानों के खिलाफ नहीं है भाजपा, इस्लामिक देशों ने भी दिया मोदी को सम्मान; राजनाथ सिंह की अपील

सुपौल, एजेंसी।
रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने विपक्ष के भाजपा पर हिंदू-मुस्लिम के बीच विभाजन पैदा करने के आरोप को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कई इस्लामी देशों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सम्मानित किया है। बिहार के सुपौल और सारण लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने अल्पसंख्यक समुदाय को कांग्रेस और उसके सहयोगी राजद से सावधान रहने का आग्रह करने के साथ विपक्षी दलों पर उन्हें धोखा देकर वोट मांगने का आरोप लगाया। सिंह ने कहा, ''जहां तक भाजपा और राजग का प्रश्न है, तो हम लोग जात-पात, पंथ और मजहब के आधार पर राजनीति नहीं करते हैं। हम इंसाफ और इंसानियत के आधार पर राजनीति करते हैं।'' उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार धार्मिक आधार पर मुसलमानों के लिए आरक्षण संभव नहीं है।

उन्होंने कहा, ''पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की सुविधा है तथा मुस्लिम समाज में जो बहुत पिछड़े और गरीब हैं, वे इसमें शामिल हैं। आप कहते हैं कि हम धर्म के आधार पर आरक्षण देंगे। क्यों उनकी आंखों में धूल झुक रहे हैं। भारत का संविधान इस बात की इजाजत देता ही नहीं है कि धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जाए। मैं मुसलमान भाइयों से कहना चाहता हूं कि आप लोग इनके बहकावे नहीं आए।''

कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए सिंह ने कहा, ''ये हमपर हिंदू-मुसलमान करने का आरोप लगाते हैं जबकि अरब जगत के पांच देशों ने अपने सबसे बड़े सम्मान से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को नवाजा है।''

उन्होंने कहा, ''मैं मुसलमान भाइयों से भी कहना चाहता हूं... हां हमने एक काम किया है, तीन तलाक की प्रथा को समाप्त किया है। हम किसी को धोखा नहीं देना चाहते हैं और डंके की चोट पर कहते हैं कि हां हमने किया है क्योंकि हम समाज को बांट कर राजनीति नहीं करना चाहते।'' सिंह ने कहा, ''चाहे मुसलमान हो, हिंदू हो, ईसाई हो या यहूदी हो, सबकी मां-बहन, बेटी हम लोग की मां-बहन, बेटी हैं। हम लोग ऐसा नजरिया रखते हैं। हम किसी भी धर्म के लोगों को इस बात की इजाजत नहीं दे सकते कि आप किसी की बेटी से शादी कीजिए और 10 दिन के बाद तलाक-तलाक-तलाक बोल कर उनकी छुट्टी कर दीजिए। हम अपने मुसलमान भाइयों से भी कहना चाहते हैं कि आप इस पर विचार कीजिए। बहुत सारे मुसलमान भाई इसका समर्थन कर रहे हैं।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि राजग लोकसभा में 400 से अधिक सीट के अपने लक्ष्य को हासिल करने की ओर अग्रसर है।

सिंह ने कहा, ''सूरत ने भाजपा के विजय का श्री गणेश हो चुका है।'' उनका इशारा भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल के निर्विरोध निर्वाचित होने की ओर था, क्योंकि अधिकतर उम्मीदवार चुनाव मैदान से हट गए थे और बाकी के नामांकन पत्र जांच के दौरान खारिज कर दिए गए थे। सिंह ने कहा, ''इंदौर में, कांग्रेस उम्मीदवार ने अपना नामांकन वापस लेकर भाजपा का समर्थन किया है।'' उन्होंने कहा, ''सारे देश का जो माहौल दिख रहा है, उससे हमें लगता है कि हमलोगों ने जो 400 पार का लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे प्राप्त करने में हम पूरी तरह से कामयाब होंगे। मेरा पक्का विश्वास है।''

सिंह ने कहा, ''अब विपक्ष चिल्ला रहा है कि इससे लोकतंत्र ख़तरे में पड़ जाएगा। आपको बता दें कि आजादी के बाद से अब तक कम से कम 28 लोग निर्विरोध चुने गए हैं। उनमें से 20 कांग्रेस के थे और दो उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी के थे।'' उन्होंने यह भी कहा कि अगले दस वर्षों में कांग्रेस ''डायनासोर की तरह'' विलुप्त हो जाएगी।

मोटा कहकर 6 साल के बच्चे को ट्रेडमिल पर इतना दौड़ाया हो गई मौत

न्यू जर्सी, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी में कलयुगी पिता की हैवानियत सामने आई है। उसने अपने छह साल के बेटे को ट्रेडमिल पर इतना दौड़ाया कि उसकी मौत हो गई। आरोपी की घिनौनी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई, जिसे सुनवाई के दौरान कोर्टरूम में चलाया गया। फुटेज बेहद परेशान करने वाले थे, जिसमें आरोपी अपने मासूम बेटे को ट्रेडमिल पर देर तक दौड़ाते रहा। इस दौरान वह बार-बार गिरता रहा और चोटिल होता रहा लेकिन, हर बार उसका पिता उसे उठाकर फिर ट्रेडमिल पर दौड़ने के लिए खड़ा कर देता। घटना को देखकर जज भी हैरान रह गए। बच्चे की मां रोने लगी। जज ने आरोपी की वारदात को संगीन और बेहद क्रूर बताते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

मेल ऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, घटना 2021 की है और अपने 6 साल के बेटे कोरी की हत्या के मामले में आरोपी क्रिस्टोफर ग्रेगर को

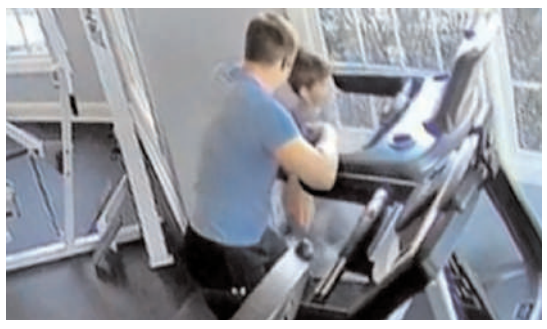

बीते मंगलवार के दिन दोषी ठहराया गया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। मिली जानकारी के अनुसार, घटना 20 मार्च 2021 की है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान जब कोर्ट रूम में क्रिस्टोफर की हैवानियत सीसीटीवी के जरिए दिखाई गई तो उसकी दरिंदगी देखकर हर कोई स्तब्ध रह गया। जज भी हैरान रह गए और कोर्टरूम में मां ब्रीना मिकसिओलो यह नजारा देखकर रोने लगी। बच्चे की मां मुकदमे के दौरान अपने पति के खिलाफ गवाही देने वाली पहली गवाह थी। जिम के वीडियो परेशान करने वाले थे और वह फुटेज देखकर रोने लगी। बच्चे के पिता को लगता था कि वह काफी मोटा है और अपने बेटे को पतला करने के लिए जिम में जबरन ट्रेडमिल करवाया। जिम में उसे बार-बार गिरकर कई बार चोट लगी। जब बच्चे की मां ने उसकी हालत देखी तो 2 अप्रैल, 2021 को वह बेटे को डॉक्टर के पास ले गई, जहां लड़के ने कहा कि उसके पिता ने उसे ट्रेडमिल पर दौड़ने के लिए मजबूर किया क्योंकि वह बहुत मोटा है। अगले दिन, क्रिस्टोफर बेटे को फिर अस्पताल लेकर आया। उसे सांस लेने में तकलीफ और मतली की शिकायत थी। स्कैन के दौरान उसे दौरे पड़ने लगे और उसकी मौत हो गई।

शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पता लगा कि कोरी की मौत की वजह शरीर के अंदरूनी हिस्सों में चोट के कारण हुई।

अमेरिकी विश्वविद्यालयों में प्रदर्शनों से मस्क ने जताई नाराजगी, एडवर्ड स्नोडेन ने दिया करारा जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हो रहे फलस्तीन समर्थित विरोध प्रदर्शनों के मुद्दे पर एलन मस्क ने एक ऐसा पोस्ट किया, जिस पर अमेरिकी व्हिसल ब्लोअर एडवर्ड स्नोडेन ने करारा जवाब दिया है। दरअसल मस्क ने सोशल मीडिया पर एक पोल साझा किया, जिसमें अमेरिकी झंडे का अपमान करने वाले को देश से बाहर भेजने पर लोगों की राय मांगी गई थी। इस पर स्नोडेन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश में अभिव्यक्ति की आजादी है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में जारी फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों पर एलन मस्क ने एक ट्वीट किया। जिसमें मस्क ने लिखा, प्रस्तावित कानूनः अगर कोई अमेरिकी झंडे का फाड़ता है और उसकी जगह कोई दूसरा झंडा लगाता है तो उस व्यक्ति को अनिवार्य रूप से उस देश भेज देना चाहिए, जहां का झंडा उसने लगाया है। मस्क ने इस पोस्ट पर लोगों से हां और नहीं में जवाब भी मांगा था। मस्क के इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी व्हिसल ब्लोअर एडवर्ड स्नोडेन ने लिखा कि पहली बात अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी है, जिसमें सभी झंडों को फाड़ने और उनके साथ कुछ भी करने की आजादी है और किन्हीं कारणों से इस अधिकार को संविधान में सुरक्षित किया गया है। दूसरी बात तब आप क्या करेंगे, जब वे लोग इस झंडे से अमेरिकी झंडे को बदल दें इसके साथ ही स्नोडेन ने फास्ट फूड चेन मैक्डोनाल्ड के झंडे की तस्वीर साझा की।

गाजा में मानवीय संकट को लेकर तुर्किये ने इस्राइल के साथ रोका व्यापार, विदेश मंत्रालय ने किया एलान

अंकारा, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच बीते 200 से ज्यादा दिनों से जारी भीषण जंग थमने का नाम नहीं ले रही। इस बीच, तुर्किये ने गाजा की मानवीय स्थिति का हवाला देते हुए तेल अवीव से सभी आयात और निर्यात रोक दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया की खबरों के मुताबिक तुर्किये के व्यापार मंत्रालय ने इसकी घोषणा की।

मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा, इस्राइल से जुड़े आयात और निर्यात को रोक दिया गया है, जिसमें सभी उत्पाद शामिल हैं। तुर्किये इन नए उपायों को सख्ती से और निर्णायक रूप से लागू करेगा, जब तक इस्राइल सरकार गाजा को मानवीय मदद के निर्बाध और पर्याप्त प्रवाह को अनुमति नहीं देती है।

तुर्किये की ओर से यह घोषणा तब की गई है, जब इस्राइली विदेश मंत्री इस्राइल काट्ज ने हाल ही में तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तईप अर्दोगान पर बंदरगाहों से इस्राइल के आयात और निर्यात में बाधा डालकर समझौतों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। काट्ज ने एक्स पर

लिखा था, एक तानाशाह कैसे व्यवहार करता है। तुर्किये के लोगों और व्यापारियों के हितों की अवहेलना करता है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों की अनदेखी करता है। काट्ज ने खुलासा किया था कि उन्होंने विदेश मंत्रालय को तुर्किये के साथ वैकल्पिक व्यापार के विकल्पों का पता लगाने का निर्देश दिया है। मंत्रालय घरेलू उत्पादन और अन्य देशों से आयात पर फोकस कर रहा है। 2023 में दोनों देशों के बीच 6.8 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार था। पिछले साल तुर्किये ने इस्राइल पर व्यापार प्रतिबंध लगाए थे और इस्राइल पर गाजाज में हवाई मदद भेजने से रोकने और क्षेत्र में सैन्य कार्रवाइयों का आरोप लगाया था।

इस्राइल के साथ तुर्किये के व्यापार संबंधों के बारे में पूछे जाने पर पिछले महीने राष्ट्रपति अर्दोगान ने जवाब दिया था कि तुर्किये अब इस्राइल के साथ भारी व्यापार में शामिल नहीं है। हालांकि, स्पष्ट रूप से यह नहीं कहा था कि अंकारा ने इस्राइल के साथ सभी व्यापार को पूरी तरह से बंद कर दिया है।

महिला अधिकार कार्यकर्ता को 11 साल की जेल, जनवरी में सुनाई गई थी सजा

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब में एक महिला अधिकार कार्यकर्ता मनाहेल अल-ओतैबी को महिलाओं के अधिकारों और उनके पहनावे की वकालत करने के लिए 11 साल की सजा सुनाई गई। सीएनएन ने मानवाधिकार संगठनों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। एमनेस्टी इंटरनेशनल और लंदन स्थित सऊदी अधिकार समूह एएलक्यूएसटी के मुताबिक, अल-ओतैबी को 9 जनवरी 2024 को सऊदी अरब के विशेष आपराधिक न्यायालय द्वारा गोपनीय सुनवाई में सजा सुनाई गई, जिसका खुलासा संयुक्त राष्ट्र की जांच के कुछ हफ्तों बाद ही हुआ। सीएनएन के मुताबिक, इन मानवाधिकार संगठनों ने साझा बयान में बताया कि अल-ओतैबी (29 वर्षीय) पर लगे आरोप कथित तौर पर उनके कपड़ों की पसंद और ऑनलाइन सक्रियता से जुड़े हैं, जिसमें सऊदी अरब की पुरुष अभिभावकता वाली प्रणाली को समाप्त करना, खुद के वीडियो साझा करना और बिना अबाया पहने बाहर जाना शामिल है। अल-ओतैबी की बहन फौजिया अल-ओतैबी को भी इसी तरह के आरोपों का सामना करना पड़ा था। 2022 में फौजिया को पूछताछ के लिए बुलाया गया, जिसके बाद वह सऊदी अरब से भागने में सफल रही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129